मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.6	12.9
जमशेदपुर	23.1	12.0
डालटनगंज	26.2	12.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

संडे स्पेशल | रविवार, 24 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 246 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

अग्निवीर योजना का प्रस्ताव भारत की तीनों सेनाओं पर थोपा गया था. इस योजना का प्रस्ताव सेना की ओर से नहीं आया था बल्कि केंद्र सरकार ने इसे लागू करने के लिए सेना को बाध्य किया.

प्याले में तूफान क्यों !

पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तक

सुरजीत सिंह

भारतीय थल सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे (रिटायर) का आत्मकथात्मक संस्माण "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" प्रकाशन के पूर्व ही इन दिनों खासी चर्चा में है. किताब का प्रकाशन पेंग्विन ने किया है. किताब जल्द ही छप कर बाजार में आने वाली है. पेंग्विन से इस पुस्तक की कवर तस्वीर अमेजन पर डालते हुए अग्रिम बुकिंग शुरू कर दी है. किताब में उल्लेखित कुछ तथ्य सार्वजनिक हुए हैं, जिसकी चर्चा गर्म है. इस किताब के बारे में पांच-छह दिनों से अंग्रेजी मीडिया में खबरें छप रही हैं. कहा जा रहा है कि सरकार ने सेना पर अग्निवीर योजना थोपी थी और बतायी यह कि योजना सेना ही लायी है, जबकि सेना का प्रस्ताव बिल्कुल ही अलग था. सरकार ने न सिर्फ अग्निवीर योजना सेना पर थोपी, बल्कि इसके पक्ष में माहौल बनाने के लिए सेना के रिटायर अफसरों का सहारा लिया. इसके अलावा डोकलाम पर केंद्र सरकार की ढुलमुल नीति को लेकर सवाल उठ रहे हैं. विवाद बढ़ता जा रहा है. सरकार चुप है. हिंदी मीडिया से खबरें गायब हैं. हिंदी के पाठकों को भी इस बारे में जानकारी मिले, **इसके लिए हमने इस किताब को लेकर अलग-अलग मीडिया स्त्रोतों से आयी खबरों को एक जगह लाने की कोशिश की है.**

सेना पर थोपा गया था अग्निवीर

सेवानिवृत जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में यह सब लिखा है- अग्निवीर योजना का प्रस्ताव भारत की तीनों सेनाओं पर थोपा गया था. इस योजना का प्रस्ताव सेना की ओर से नहीं आया था बल्कि केंद्र सरकार ने इसे लागू करने के लिए सेना को बाध्य किया. अग्निवीर यानी अग्निपथ योजना, वायु और नौसेना के लिए किसी आघात से कम नहीं था. अग्निपथ योजना को लागू करते वक्त जो आशंकाएं जाहिर की गई थीं, वे सच साबित होती हुई सामने आ गई हैं. युवाओं को सेना के तीनों अंगों में बहुत कम अवधि के लिए और काफी कम तनख्वाह पर भर्ती करने की यह योजना केंद्र सरकार ने जून 2020 में लागू की थी. चार साल की अवधि के लिए सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों की भर्ती के लिए जून 2022 में शुरू की गई. अग्निपथ योजना ने भारतीय सेना को आश्चर्यचकित कर दिया था, नौसेना और वायु सेना के लिए तो यह अचानक एक "झटका" था.

सरकार के बयान से अलग क्या

योजना को लागू करते वक्त सरकार ने कहा था कि इसके लिये सेना के उच्चाधिकारियों एवं सेना विशेषज्ञों से राय ली गई है. लेकिन एमएम नरवणे की किताब में इसे लेकर खुलासा हुआ है कि इस योजना को देख कर तीनों सेनाएं चौंक गई थीं. इसका अर्थ यह है कि उनकी सलाह लिये बिना ही यह योजना लाई गई थी. जनरल नरवणे ने इस योजना में अनेक खामियां बतलाई हैं. यह भी बतलाया है कि उसे लेकर सरकार द्वारा जो कुछ कहा गया था उसके मुकाबले यह योजना एकदम से अलग थी, जो सेना के किसी भी अंग द्वारा स्वेच्छा से स्वीकार्य नहीं हो सकती थी. 31 दिसम्बर, 2019 से 30 अप्रैल, 2022 तक सेना प्रमुख रहे जनरल (रिटायर्ड) मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी किताब ''फॉर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' में लिखा है कि अग्निपथ योजना के कई स्वरूपों पर विचार किया गया था. सेना की प्रारंभिक सिफारिश थी कि 75 प्रतिशत सैनिकों को काम करते रहना चाहिए और 25 फीसदी की क्रमिक रूप से सेवानिवृत्ति होनी चाहिए. उन्होंने यह भी लिखा है कि साल 2020 में प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक में कहा गया था कि यह एक सीमित तरीके से सेना में भर्ती योजना की तरह रहेगी और इसका नाम ''टूर ऑफ ड्यूटी'' होगा. योजना जब पेश की गई तो पाया गया कि इसमें व्यापक तौर पर कई बदलाव कर दिए गए. इससे वायु सेना के उच्चाधिकारियों को भी बड़ा झटका लगा था. सरकार की ओर से थल, वायु व नौसेना के लिए यह अचानक लागू कर दी गई थी. नरवणे लिखते हैं- योजना लागू होने पर प्रतिशत उलट गया. केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में बरकरार रखने की बात कही गयी और 75 प्रतिशत को सेना से अलग कर देने की बात की गयी. नरवणे कहते हैं कि यह मान लिया गया था कि यह एसएससी योजना की तरह होगी, जिसमें पांच साल की अनुबंध अवधि के बाद वे मुक्त कर दिए जाएंगे.

सिर्फ 20 हजार वेतन!

जनरल नरवणे लिखते हैं कि अग्निपथ में पहले साल अग्निवीर का प्रारंभिक वेतन 20 हजार रुपए प्रति माह था, जो सेना को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं हुआ. सेना का कहना था कि एक प्रशिक्षित सैनिक से उम्मीद तो की जाती है कि वह देश के लिए जान कुर्बान कर देगा परंतु उसे बहुत ही कम तनख्वाह दी जा रही है. किसी सैनिक की तुलना एक दिहाड़ी मजदूर से नहीं की जा सकती. सेना के जोरदार विरोध व सिफारिशों के कारण बाद में इसे बढ़ा कर 30 हजार प्रति माह किया गया. जनरल नरवणे आगे लिखते हैं- अग्निपथ योजना को लेकर उन्हें नौसेना को समझाने में काफी समय लगा था और बहुत मुश्किलें आई थीं. वे यह भी बताते हैं कि तीनों अंगों में भर्ती का मामला होने के कारण इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत पर आ गई थी, जो एक दुर्घटना में नहीं रहे थे.

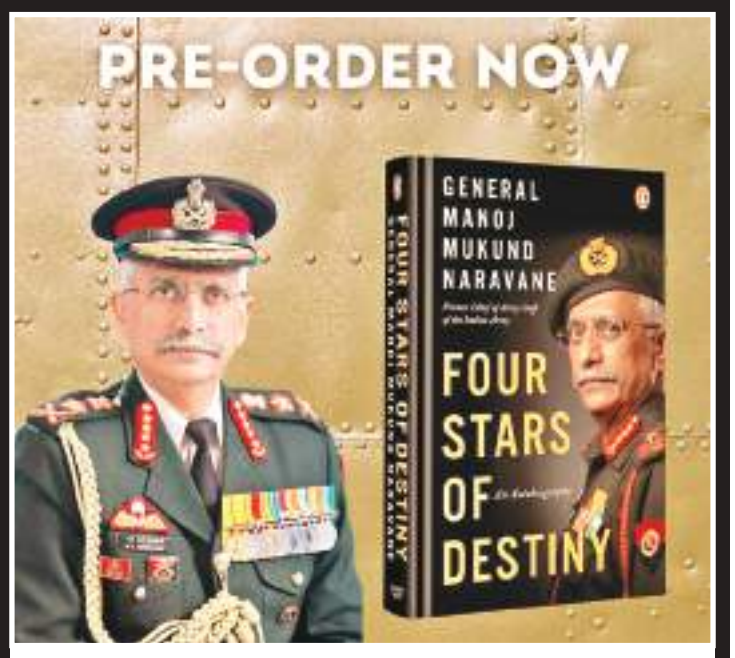

टूर ऑफ ड्यूटी बनाम अग्निवीर

पुस्तक में अग्निपथ योजना पर ज्यादा विस्तार से विवरण दिया गया है. जनरल नरवणे ने लिखा है कि सरकारी प्रस्ताव से हम सेना में आश्चर्य चकित रह गए. साल 2020 में जो प्रारंभिक प्रस्ताव दिया था जिसे 'टूर ऑफ ड्यूटी' नामक एक मॉडल कहा गया था. सरकार ने इसे ही अग्निपथ में बदल दिया, लेकिन मॉडल को बदलते हुए सेना को विश्वास में नहीं लिया गया. अपनी किताब में नरवणे उल्लेख करते हैं कि अग्निवीर में भर्ती होने वालों के लिए शुरुआती वेतन शुरू में 20,000 रुपए प्रति माह था, जनरल नरवणे लिखते हैं: "यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं था. यहां हम बात कर रहे थे एक प्रशिक्षित सैनिक की, जिससे उम्मीद की जाती थी कि वह देश के लिए अपनी जान दे देगा. निश्चित रूप से एक सैनिक की तुलना दिहाड़ी मजदूर से नहीं की जा सकती? हमारी बहुत मजबूत सिफ़ारिशों के आधार पर, बाद में इसे बढ़ा कर 30,000 रु प्रति माह कर दिया गया."

पक्ष में माहौल बनवाया गया

14 जून, 2022 को केंद्र सरकार द्वारा इस योजना को लागू करते वक्त अग्निपथ योजना को चार साल के लिए सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती के लिए ''परिवर्तनकारी योजना'' बतलाया गया. नियमित तौर पर भर्ती की पहले से जारी पिछली प्रक्रिया को खत्म कर दिया गया. अग्निपथ योजना में भारतीय सेना ने दो बैचों में तहत 40 हजार अग्निवीरों को शामिल किया. पहला बैच दिसंबर, 2022 और दूसरा फरवरी, 2023 में भर्ती हुआ. चार साल पूरे होने पर 25 प्रतिशत सेवा छोड़ने पर अग्निवीर किसी अन्य प्रक्रिया के तहत नियमित कैडर में शामिल हो सकते हैं. लेकिन योजना लागू हुई तो मात्र 25 प्रतिशत को ही सेना में लेने का एलान हुआ. उल्लेखनीय है कि इस योजना को जब लागू किया गया था तो देश भर में इसका विरोध हुआ था. विरोध के कई कारण बताये गये थे जिनमें प्रमुख यह था कि चार साल की अवधि बहुत कम होती है और एक सैनिक को पूर्ण प्रशिक्षण लेने में पांच से सात वर्ष लग जाते हैं. बहुत कम समय में तैयार ऐसे युवाओं को युद्ध में भेजने का मतलब होगा उन्हें मौत के मुंह में डालना. लेकिन केंद्र ने सेना के जानकारों और सेवारत अधिकारियों के माध्यम से अग्निवीर योजना के पक्ष में माहौल बनवाने का भी प्रयास किया. -शेष पेज 13 पर

ब्रीफ खबरें

नकली दवाओं की आपूर्ति पर सीबीआई की जांच

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में गुणवत्ता मानक परीक्षणों में विफल और जीवन को खतरे में डालने की क्षमता वाली दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई से जांच की सिफारिश की है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

ईडी ने तेजस्वी को नया समन जारी किया

नयी दिल्ली। ईडी ने रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को एक नया समन जारी कर उन्हें 5 जनवरी को पेश होने को कहा है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. लोकसभा चुनाव से पहले इसको लेकर बिहार की राजनीति गरमा सकती है.

कोविड-19 के 752 नए मामले, 4 की मौत

नयी दिल्ली। भारत में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 752 नए मामले दर्ज किए गए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ कर 3,420 हो गई है. देश में 21 मई 2023 के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना वायरस संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं. शनिवार को चार मरीजों के अलग-अलग स्थानों पर मौत की भी खबर है.

रेप के दोषी भाजपा नेता की गयी विधायकी

लखनऊ। सोनभद्र जिले के दुद्धी से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को बलात्कार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी.

जम्मू में घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के यहां घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया.

रामगढ़ में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया बड़ा ऐलान

हर गांव में चलेंगी बसें

- झारखंड आंदोलनकारी, बुजुर्ग, महिलाएं और छात्र-छात्राएं कर सकेंगे मुफ्त में सफर

संवाददाता। गोला(रामगढ़)

सीएम हेमंत सोरेन शनिवार को 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' के कार्यक्रम में भाग लेने अपने गृह प्रखंड रामगढ़ की गोला चाड़ी पंचायत पहुंचे. यहां तिरला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 111 करोड़ 59 लाख की 172 योजनाओं का उदघाटन और शिलान्यास किया.

सीएम ने कहा कि अब गांव के लोगों को आने-जाने के लिए कोई परेशानी अब नहीं होगी. झारखंड में जल्द ग्राम गाड़ी योजना शुरू होगी. राज्य के अंदर गांव-गांव में बसें चलेंगी. इसमें झारखंड आंदोलनकारी, बुजुर्ग, महिलाएं व छात्र-छात्राएं निःशुल्क सफर कर सकेंगे. हेमंत सोरेन ने इस दौरान परिसंपतियों का भी वितरण किया. वहीं, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से पतरातू प्रखंड के जयनगर पंचायत में चल रहे 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम शिविर में लाभुकों से की बात की.

गोला में डिग्री कॉलेज बनाने की घोषणा

मुख्यमंत्री ने सरकार के चार साल के उपलब्धियों को गिनाते हुए मंच से ही गोला में डिग्री कॉलेज बनाने की घोषणा की. साथ ही उन्होंने गांव की सड़कों को ठीक करने व शहर को गांव तक जोड़ने के लिए रामगढ़ जिले के अंदर 250 करोड़ की लागत से 400 किमी बनाने का काम जल्द शुरू होने की बात कही. कहा कि वर्तमान में रामगढ़ जिले के अंदर ही 450 करोड़ की लागत से 205 किमी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है.

- छात्रों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की
- 111 करोड़ 59 लाख की 172 योजनाओं का उदघाटन-शिलान्यास

भाजपा पर बरसे सीएम सोरेन

भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने राज्य को पीछे ले जाने का काम किया है. 20 साल में विपक्षियों ने हमें पीछे कर दिया और अपना जेब भरा. गरीबी -बेरोजगारी बढ़ाई. जितना काम 20 साल में नहीं हो सका, उतना हमने चार साल में ही कर दिया. पिछले 20 वर्ष तक पूर्व की सरकार अंधी, गूंगी और बहरी थी, हमारी सरकार देखती भी है, सुनती भी और आपके घर तक पहुंचती भी है. पूर्व की सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने काम में लगा रखा था, अब यही कर्मचारी जनता की सेवा में लगे हैं.

छात्रों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना : गांवों के हालात को समझने में 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' मददगार है. आप इसका लाभ लें, कोई नहीं छूटे, इसका प्रयास है. यह सरकार सुनती है, देखती है और घर-घर पहुंचती भी है, कोई भी बच्ची पढ़ाई नहीं छोड़ेगी. अब गरीब के बच्चे भी डॉक्टर-इंजीनियर बन सकें, इसके लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के जरिए सरकार आर्थिक मदद करेगी. इसमें गारंटर खुद सरकार बनेगी.

संगठित अपराध के खिलाफ अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी में झारखंड पुलिस

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस संगठित अपराध व आपराधिक गिरोहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है. इसे लेकर महाराष्ट्र के मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) की तर्ज पर झारखंड में कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (झाकोका) बनाया जाएगा. जल्द ही यह हकीकत में बदलेगा.

झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है और झाकोका को लेकर सरकार को प्रस्ताव भी भेज दिया है. सरकार की ओर से प्रस्ताव पर मंजूरी मिलते हैं यह एक्ट झारखंड में लागू हो जाएगा. एक्ट लागू होने से संगठित अपराध से जुड़े अपराधियों को जल्द जमानत नहीं मिल सकेगा और अपराध पर काफी हद तक लगाम लगाने में पुलिस को सफलता मिल सकती है. महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक सरकार ने भी इस कानून को लागू किया है.

- मकोका की तर्ज पर झारखंड में बनेगा कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट "झाकोका"
- महाराष्ट्र के अलावा दिल्ली, हरियाणा और कर्नाटक सरकार ने भी यह कानून लागू किया है

आरोपियों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी

एक्ट के झारखंड में लागू हो जाने के बाद संगठित अपराध से जुड़े अपराधी या आरोपियों को आसानी से जमानत नहीं मिल सकेगी. जो अपराधी जबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, हत्या या हत्या का प्रयास, धमकी, उगाही सहित ऐसा कोई भी गैरकानूनी काम करता है और अपराध से बड़े पैमाने पर पैसे बनाता है, उसे झकोका लगने के बाद जमानत उतनी आसानी से नहीं मिल सकेगा. इसमें किसी आरोपी के खिलाफ तभी मुकदमा दर्ज होगा, जब 10 साल के दौरान वह कम से कम दो संगठित अपराधों में शामिल रहा हो. संबंधित संगठित अपराध में कम से कम दो लोग शामिल होने चाहिए. इसके अलावा आरोपी के खिलाफ एफआईआर के बाद चार्जशीट दाखिल की गई हो.

आरोपी को 30 दिन तक रिमांड पर ले सकेगी है पुलिस

झाकोका के तहत आरोपी की पुलिस रिमांड की अवधि 30 दिन तक हो सकती है, जबकि आईपीसी के तहत यह अधिकतम 15 दिन होती है. यदि पुलिस 180 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं करती है, तो आरोपी को जमानत मिल सकती है. आपको बता दें कि जिस किसी अपराधी पर झाकोका लगेगा, उसे जमानत मिलना काफी मुश्किल होगा. इस कानून के तहत अधिकतम सजा फांसी है, वहीं न्यूनतम पांच साल जेल का प्रावधान है.

आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

बैठक में ममता बनर्जी ने अपनी गुगली से दो-दो विकेट चटका दिए

विश्लेषण

"इंडिया" की चौथी बैठक भी हो गयी. लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं. यह बैठक चूंकि डेढ़ सौ सांसदों के निलंबन की पृष्ठभूमि में हो रही थी. इसलिए उम्मीद थी कि मोदी सरकार के खिलाफ संसद से सड़क तक संघर्षरत विपक्षी दल नयी अंगड़ाई के साथ कुछ योजनाओं, कार्यक्रमों और घोषणाओं के साथ सामने आएंगे. लेकिन हुआ वही- ढाक के तीन पात. इस बैठक में अगर कुछ उल्लेखनीय हुआ, तो यह कि ममता बनर्जी ने अपनी गुगली से दो विकेट चटका दिये और तीसरे को भी सांसत में डालने की सर्प चाल चल दी. जो खबर प्रकाश में आयी है, उसके मुताबिक बैठक के सन्नाटे को तोड़ते हुए ममता ने "इंडिया" के नेता और प्रधानमंत्री पद के लिए मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित कर दिया और अरविंद केजरीवाल ने तपाक से उसका समर्थन कर दिया. शायद ये दोनों नेता पहले से ही योजना बना कर आये थे. इस पेशकश का सीधा उद्देश्य राहुल गांधी को निपटाना था और मुलम्मा यह चढ़ाया गया कि दलित प्रधानमंत्री के चेहरे के सामने मोदी भीगी बिल्ली बन जाएंगे. लेकिन इस फिरकी गोलंदाजी से नीतीश कुमार भी निढाल हो गये. उन्हें यह भरोसा दिलाया गया था कि संयोजक बना दिया जाएगा. केसी त्यागी हफ्ता भर से चिल्ला रहे थे कि नीतीश कुमार इस गठबंधन के सूत्रधार हैं. इसलिए उनका हक बनता है. लेकिन होता वही है जो मंजूर-ए-खुदा होता है. नीतीश को आशा थी कि लालू प्रसाद उनके नाम को आगे बढ़ाएंगे. लेकिन लालू प्रसाद भला खरगे के खिलाफ नीतीश को प्रस्तावित करने का साहस नहीं जुटा पाये. हालांकि लालू चाहते जरूर हैं कि नीतीश बिहार की राजनीति से निकल कर केंद्र की सियासत में रम जाएं तो तेजस्वी का रास्ता साफ हो जाएगा और यदि दुर्योग से तेजस्वी को जन्म स्थान में जाना पड़े तो वह अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना कर जाएं. लालू प्रसाद ने भी यही किया था. लेकिन ममता ने चिकोटी ऐसी जगह काट दी कि न दिखाने बन रहा है, न कराहने. इसका परिणाम यह हुआ कि लालू-नीतीश ने अगल-बगल बैठे होने के बावजूद भरे भवन में ''करत हौं नेनन ही सों बात'' की मुद्रा ओढ़ ली. फिर क्या था बैठक के बाद होने वाली प्रेस कांफ्रेंस से इन दोनों महानुभावों ने कन्नी काट ली. बैठक में एक बात और उठी. सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने खरगे से पूछ लिया कि क्या बसपा को भी इस गंठबंधन में लाने पर विचार हो रहा है. यदि हां, तो फिर इसमें सपा की कोई जरूरत नहीं है. इस पर खरगे ने कहा, बसपा से कोई बात नहीं हो रही है जबकि अंदरखाने कांग्रेस के कई नेता मायावती की टोह ले रहे हैं और सपा को उसकी औकात बताने के लिए बसपा से समझौते के पक्षधर हैं. इसकी भनक लगने के बाद ही राम गोपाल ने सवाल उठाया था. दूसरी घटना यह हुई कि जब तमिलनाडु के सीएम स्टालिन बोलने लगे और राजद सांसद मनोज झा उसका हिंदी अनुवाद करने लगे, तो नीतीश ने मनोज को डपट दिया और स्टालिन को सुझाव दे डाला कि हिंदी में भी बोलने की आदत डालिए. इसमें यह संकेत पढ़ा गया कि नीतीश की नजर में द्रमुक के हिंदी और सनातन विरोध का नुकसान गंठबंधन को उठाना पड़ेगा. बैठक खत्म होने के बाद भी ममता बनर्जी ने राहुल गांधी को फंसाने का उपक्रम रच दिया. -शेष पेज 13 पर

झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जिस राज्य में जन्म हुआ, वहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

खास बातें

- हाईकोर्ट ने प्रार्थी रीना राणा की याचिका खारिज की
- कहा- पति के सर्टिफिकेट से नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि कोई महिला बिहार या किसी दूसरे राज्य में आरक्षित श्रेणी में है, लेकिन उसकी शादी झारखंड में हुई है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा. कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जिस राज्य में किसी का जन्म हुआ, उसे वहीं आरक्षण का लाभ मिलेगा. दरअसल 2016 में जेएसएससी ने नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था. इसमें रीना राणा शामिल हुई थीं. मेंस में सफल होने के बाद प्रार्थी को इंटरव्यू व वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया. जहां उन्होंने अपने पति के कास्ट सर्टिफिकेट के आधार पर आरक्षण का दावा किया. लेकिन रीना को आरक्षण का लाभ देने से इन्कार कर दिया गया. जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. सभी पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस राजेश शंकर ने फैसला सुनाते हुए रीना की याचिका खारिज कर दी. प्रार्थी की ओर से अभिषेक श्रीवास्तव ने बहस की. वहीं सरकार की ओर से अधिवक्ता श्वेता शुक्ला ने अपना पक्ष रखा. जबकि जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजोय पिपरवाल ने बहस की.

पहली से आठवीं के 34, 93,402 बच्चों को दी जानी थी ड्रेस या ड्रेस की राशि

झारखंड के सरकारी स्कूलों के 6,36,785 बच्चों को अबतक नहीं मिली ड्रेस

सत्य शरण मिश्रा। रांची

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के नौ महीने बीत चुते हैं, लेकिन अबतक राज्य के 6,36,785 बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है. क्लास एक से 8 तक के 34,93,402 बच्चों को ड्रेस या ड्रेस की राशि उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने जुलाई 2023 में ही राशि उपलब्ध करा दी थी, लेकिन स्कूलों की लापरवाही से अबतक सिर्फ 28,56,617 बच्चों को ही स्कूल ड्रेस मिल पाई है.अब इस शैक्षणिक सत्र के सिर्फ तीन महीने ही बचे हुए हैं. स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने दावा किया है कि मार्च 2024 तक बचे हुए बच्चों को ड्रेस उपलब्ध करा दी जाएगी. मतलब पूरा सत्र खत्म होने के बाद बच्चे नई स्कूल ड्रेस पहन पाएंगे.

खास बातें

- 2023-24 सत्र के 28,56, 617 बच्चों को मिली पोशाक
- पूरा सत्र खत्म होने के बाद बच्चे पहन पाएंगे नई ड्रेस

लापरवाह पदाधिकारियों का वेतन रोका जा रहा है

बचे हुए बच्चों को जल्द से जल्द स्कूल ड्रेस दिलवाने के लिए शिक्षा विभाग सक्रिय हो गया है. लापरवाही करने वाले पदाधिकारियों और हेडमास्टरों पर कार्रवाई की जा रही है. सितंबर से ही शिक्षा विभाग सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को इस संबंध में कई बार रिमाइंडर भेज चुका है, लेकिन फिर भी इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को ड्रेस नहीं मिली है. कई जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों ने हेडमास्टरों के वेतन पर रोक भी लगा दी है.

ड्रेस के लिए 600 और 750 रुपये दिए जाते हैं

क्लास 1 से 8 तक के बच्चों को स्वयं सहायता समूह, सखी मंडल और डीबीटी के माध्यम से स्कूल ड्रेस या ड्रेस की राशि दी जाती है. क्लास 1 और 2 के बच्चों का बैंक अकाउंट नहीं होने के कारण उन्हें विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम से ड्रेस की राशि दी जाती है, जबकि क्लास 3 से 8 के बच्चों को डीबीटी के माध्यम से ड्रेस की राशि उनके खाते में दी जाती है. क्लास 1 से 5 तक के बच्चों को दो सेट स्कूल ड्रेस, एक स्वेटर और एक सेट जूता-मोजा के लिए 600 और क्लास 6 से 8 के बच्चों को 760 रुपये दी जाती है.

झारखंड शराब घोटाला : ईडी की पीसी पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

रांची। झारखंड शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने ईडी द्वारा दाखिल प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन (पीसी) पर संज्ञान लिया है. रांची ईडी की टीम ने 16 दिसंबर को पीएमएलए की विशेष कोर्ट में पीसी दाखिल की थी. इस पीसी में ईडी ने योगेंद्र तिवारी के अलावा शराब का टेंडर मैनेज कर अवैध कमाई करने वाले लोगों की भी जानकारी दी है. साथ ही किस-किस को कितना हिस्सा मिलता था और किसकी क्या भूमिका थी, यह भी जानकारी पीसी में दी गयी है.

ब्रीफ खबरें

चाईबासा के उत्पाद निरीक्षक को शोकॉज

रांची। उत्पाद विभाग के संयुक्त सचिव गिरिजा शंकर प्रसाद ने चाईबासा के उत्पाद निरीक्षक अजय कुमार से स्पष्टीकरण मांगा है. उत्पाद आयुक्त के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है, उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम के उत्पाद निरीक्षक से यह जवाब मांगा है कि वे कैसे बिना स्वीकृत अवकाश से अनधिकृत रूप से छुट्टी पर चले गये थे. इसको लेकर 12 दिसंबर 2023 को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त को अवकाश से संबंधित आवेदन दिया गया था, जिसकी सूचना मुख्यालय को नहीं दी गई थी.

एक जगह जमे अफसरों का हो तबादला : ईसीआई

रांची। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गया है. चुनाव से पहले ईसीआई ने मुख्य सचिव को पत्र लिख कर तीन साल से एक ही जगह जमे एडीजी से सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों का तबादला करने को कहा है. इलेक्शन कमीशन ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि वैसे अधिकारी जिनका कार्यकाल 30 जून 2023 तक किसी भी जिले में तीन साल की अवधि का हो गया है, तो उनको हटाया जाए. आयोग ने जिन अधिकारियों के तबादले का निर्देश दिया है, उसमें एडीजी, आईजी, जैप, आईआरबी और एसआईआरबी के कमांडेंट, अलग-अलग जिलों में तैनात एसपी, एसएसपी, एएसपी, डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, सार्जेंट मेजर, इस रैंक के समकक्ष पदाधिकारी और स्पेशल ब्रांच में तैनात अधिकारी शामिल हैं.

अरुण उरांव ने दायर की जनहित याचिका

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण उरांव ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है. उन्होंने अपने अधिवक्ता अभय मिश्रा के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि झारखंड में पिछले कुछ समय से केंद्रीय एजेंसी ईडी ने कई बड़ी कार्रवाई की है. इस कार्रवाई में मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामले सामने आए हैं. ईडी ने अपनी जांच के दौरान राज्य सरकार के कई अफसरों के ऊपर कार्रवाई की भी अनुसंशा की लेकिन सरकार की ओर से कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई.

रांची में सबसे अधिक 20,237 केस लंबित

झारखंड में म्यूटेशन के 60456 केस पेंडिंग

रवि भारती। रांची

झारखंड में 23 दिसंबर 2023 तक 60456 केस लंबित हैं. इसमें सबसे अधिक राजधानी रांची में 20237 केस लंबित हैं. पूरे राज्य में कुल 228690 म्यूटेशन के केस आए, जिनमें 168234 केस का निष्पादन कर लिया गया. पूरे राज्य में म्यूटेशन केस के निष्पादन का प्रतिशत अब तक 73.56 फीसदी रहा है. रांची में सबसे अधिक 61816 म्यूटेशन के केस आए, जिसमें 41579 मामलों का निपटारा कर लिया गया.

झारखंड के नौ जिलों में म्यूटेशन के 80 फीसदी से अधिक मामले निष्पादित कर लिए गए हैं. इसमें सिमडेगा अव्वल रहा है. सिमडेगा मं 97.91 फीसदी मामले निष्पादित कर लिए गए हैं. इसी तरह बोकारो में 89.84 फीसदी,गढ़वा में 86.24 फीसदी, गिरिडीह में 84.06 फीसदी,कोडरमा में 89.69 फीसदी,लातेहार में 81.33 फीसदी ,लोहरदगा में 89.62 फीसदी, पाकुड़ में 80.63 फीसदी और सिमडेगा में 97.91 फीसदी म्यूटेशन के केस निष्पादित कर दिए गए हैं.

किस जिले में कितने फीसदी केस निष्पादित

जिला	केस	निष्पादन
बोकारो	6671	5993
चतरा	7524	5853
देवघर	9117	6006
धनबाद	10598	6542
दुमका	7012	5187
पूर्वी सिंहभूम	7996	6271
गढ़वा	9160	7900
गिरिडीह	9232	7760
गोड्डा	5750	4105
गुमला	3807	2585
हजारीबाग	19895	14922
जामताड़ा	6512	2986
खूंटी	12444	9479
कोडरमा	4945	4435
लातेहार	4268	3471
पाकुड़	4673	3768
पलामू	6586	4645
रामगढ़	6867	4638
रांची	61816	41579
साहिबगंज	2815	1926
सरायकेला	6982	5727
सिमडेगा	5928	5804
पश्चिमी सिंहभूम	4777	3681

किस जिले में कितने केस पेंडिंग और प्रतिशत

जिला	पेंडिंग केस	पेंडिंग प्रतिशत
बोकारो	678	0.16
चतरा	1671	22.21
देवघर	3111	34.12
धनबाद	4056	38.27
दुमका	1825	26.03
पूर्वी सिंहभूम	1725	21.57
गढ़वा	1260	13.76
गिरिडीह	1472	15.94
गोड्डा	1645	28.61
गुमला	1222	32.10
हजारीबाग	4973	25.00
जामताड़ा	3226	54.15
खूंटी	2965	23.83
कोडरमा	510	10.31
लातेहार	797	8.67
लोहरदगा	344	10.38
पाकुड़	905	19.37
पलामू	1941	29.47
रामगढ़	2229	32.46
रांची	20237	32.74
साहिबगंज	889	31.58
सरायकेला	1255	17.97
सिमडेगा	124	2.09
पश्चिमी सिंहभूम	1096	22.94

आपकी बात

"समाजसेवा से बड़ा कोई परोपरकार नहीं है. गरीब व जरूरतमंदों की मदद के लिए सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए."

नाम : राम कुमार
पद : समाजसेवी
जन्मस्थल : जयनगर, कोडरमा
कार्यक्षेत्र : कोडरमा

राम कुमार लोगों के बीच सुपर हेल्थ हीरो के नाम से प्रसिद्ध हैं. उनका जन्म कोडरमा जिले के जयनगर गांव में हुआ था. बचपन से ही वह पढ़ाई में काफी होनहार थे. राम कुमार ने अपनी प्राथमिक पढ़ाई सरस्वती शिशु मंदिर जयनगर से की. वहीं आदर्श शिशु प्लस टू उच्च विद्यालय, बाघमारा से मैट्रि व इंटरमीडिएट की डिग्री हासिल की. इसके बाद कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ समाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाने लगे. रक्तदान के प्रति जागरूकता के साथ राम कुमार ने सरकारी अस्पताल में सुदृढ़ व्यवस्था, सरकारी योजनाओं को धरातल पर लाने आदि कार्य को लेकर मुखर रहे. सदर अस्पताल कोडरमा की व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए स्थानीय प्रशासन, सिविल सर्जन, सांसद और विधायक को पत्र लिख कर या बता कर सदैव आगाह करते हैं. वह झारखंड के सभी जिलों सहित अन्य राज्यों में भी रक्त की व्यवस्था निःशुल्क करवाते हैं. कोविड 19 की पहली लहर में उन्होंने राहगीरों की मदद की. इतना ही नहीं कोविड लहर में ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाया. इसके लिए राम कुमार को कई सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है.

बोकारो सिख दंगा : गृह विभाग ने आवंटित की राशि

24 पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

खास बातें

- 24 पीड़ितों को मिलेगा 1.20 करोड़ का मुआवजा
- आयोग की अनुशंसा के आधार पर लिया गया था निर्णय

संवाददाता । रांची

बोकारो सिख दंगे के 24 पीड़ितों को 1.20 करोड़ का मुआवजा मिलेगा. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि आवंटित कर दी है. गौरतलब है कि बीते 22 नवंबर को सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में रांची के प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक हुई थी. जिसमें सिख दंगे के पीड़ितों व आश्रितों के बीच 1.20 करोड़ से अधिक मुआवजा राशि देने के प्रस्ताव पर मुहर लगी थी. वित्तीय वर्ष 2023-24 में रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता वाले सिख विरोधी दंगा आयोग की अनुशंसा के आधार पर यह निर्णय लिया गया था.

जाने किनको कितना मिलेगा मुआवजा

अरविंद कौर	5.64 लाख
हरपाल सिंह	1.30 लाख
अजीत सिंह	5.00 लाख
हरजीत सिंह	3.00 लाख
सबरजीत सिंह	1.50 लाख
जगजीत सिंह	5.24 लाख
बलिंदर कौर	2.50 लाख
मुख्तार सिंह	2.90 लाख
जीत सिंह	2.00 लाख
सुरेन्द्र कौर	2.00 लाख
सुरजीत सिंह	10.00 लाख
भवनीत सिंह	49 हजार
अमरजीत कौर	6.00 लाख
मंजीत सिंह	2.00 लाख
जरनैल सिंह	90 लाख
बलदेव सिंह	03.00 लाख
दर्शन कौर	25 हजार
जोगेंद्र सिंह	18 हजार
नवजीत सिंह	01.00 लाख
सुरेंद्र सिंह	2.15 लाख
मंजीत कौर	03.00 लाख
बलविंदर कौर	25.00 लाख
चरणजीत कौर	25.00 लाख
बलविंदर कौर की दो बेटी	10 लाख
कुल	1.20 करोड़

आज की रैली पर रखें नजर

सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों का सरकार को पत्र

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच ईसाई व इस्लाम धर्म अपनानेवाले आदिवासियों को 'अनुसूचित जनजाति' की सूची से हटाने की मांग को लेकर रैली निकालेगा. इससे पहले सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, रांची डीसी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिख कर रैली पर कड़ी निगरानी रखने की मांग की है. साथ ही उन्होंने रैली में नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण देने पर विधिसम्मत कार्रवाई करने की मांग की है.

नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण देने पर कार्रवाई करने की मांग : सामाजिक कार्यकर्ताओं व जन संगठनों ने पत्र में लिखा कि अगर किसी भी परिस्थिति में रैली में नफरती, सांप्रदायिक व भड़काऊ भाषण दिया जाता है, तो " अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एंड अदर्स" (रिट पेटीशन (सिविल) नंबर 943/2021) मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशनुसार दोषियों व आयोजकों के खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए, 153बी, 295ए, 505(1) समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत बिना शिकायत के सुओ मोटो प्राथमिकी दर्ज कर न्यायसंगत कार्रवाई करने की गुहार लगायी है.

धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश कर रहा जनजाति सुरक्षा मंच

पत्र में लिखा है कि आदिवासियों को सरना-ईसाई के नाम पर आपस में लड़ाना, उनके जमीन को लूटना, आदिवासियों के स्वतंत्र अस्तित्व को खत्म करना और देश को हिंदू राष्ट्र बनाना ही जनजाति सुरक्षा मंच का उद्देश्य है. ईसाई व इस्लाम धर्म को अपनाने वाले आदिवासियों को 'अनुसूचित जनजाति' की सूची से हटाने की मांग तथ्यों से परे है. पत्र में लिखा कि संविधान की धारा 366 और 342 के मध्याम से ही किसी भी आदिवासी समूह को 'अनुसूचित जनजाति' माने जाने का स्पष्ट प्रावधान है. इन धाराओं में धर्म का कहीं कोई जिक्र नहीं है. झारखंड समेत देश के अधिकांश सरकारी उपक्रमों में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटे आधा से ज़्यादा खाली है. लेकिन जनजाति सुरक्षा मंच सोशल मीडिया व कार्यक्रमों में भ्रामक खबरों के जरिये आदिवासी समाज में धर्म के नाम व आरक्षण संबंधित तथ्यहीन बातों पर सांप्रदायिक विभाजन करने की कोशिश कर रहा है. लेकिन इनको रोकने के लिए प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. क्रिसमस से एक दिन पहले जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा डीलिस्टिंग की मांग पर रैली का आयोजन करना आदिवासियों के बीच धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश है. बता दें कि जनजाति सुरक्षा मंच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े वनवासी कल्याण आश्रम की पहल है.

CLASSIFIED

www.lagatar.in रविवार, 24 दिसंबर 2023 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 12, संवत 2080 पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ वर्ष : 1, अंक : 246 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

आकर्षक ढंग से सजाए गए चर्च

संत मारिया चर्च

जीईएल चर्च

क्रिसमस कल, तैयारियां पूरी

संवाददाता। रांची

क्रिसमस पर्व को लेकर रांची के सभी चर्च संत मारिया महागिरजा घर चर्च, सीएनआई चर्च, जीईएल चर्चों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. चर्च को अंदर और बाहर आकर्षक रूप से सजाया गया है. चर्च परिसर में टेंट, क्रिसमस ट्री, और चरनी बनायी जा रही है. मसीही समुदाय के लिए रविवार की मध्य रात्रि खास रहेगी. बालक यीशु मसीह शांति का राजकुमार प्रेम का संदेश बांटने के लिए इस धरती में आएगा. संत मारिया महागिरजार चर्च के अंदर और बाहर चरनी बनाई गई है. बिशप हाउस के मुख्य द्वार के सामने भी भव्य रूप से चरनी बनायी गयी है. जिसमें प्राकृतिक दृश्य को दिखाने का प्रयास किया गया है. रविवार सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे विशेष मिस्सा का आयोजन किया गया है. और सोमवार को सुबह से ही पवित्र मिस्सा के साथ कैरोल गीत गाये जाएंगे. 25 दिसंबर को शांति के राजकुमार यीशु मसीह के जन्म की खुशियां मनाई जाएंगी.

क्रिसमस पर बाजार हुआ गुलजार

बाजार में सजावटी सामानों में चरनी ,सांता क्लॉज के मुखौटे, क्रिसमस ट्री, बॉल्स, कैंडल, आर्टिफिशल लाइट्स, रंग-बिरंगी झालरें, कलर पेपर, जिंगल बेल, बैलून बाजार में खूब खरीदारी की गई. वहीं पुरुलिया रोड,मेनरोड ,चर्च रोड ,हरमु बाजार ,सर्जना चौक के सड़कों पर भी सांता की कैप, मुखौटे और छोटे क्रिसमस ट्री की लोग खरीदारी करते नजर आये. स्कूल कॉलेज और बिशप हाउस में पहले ही क्रिसमस को लेकर गैदरिंग मनाया गया.

आर्चबिशप हाउस पहुंचे सीएम

राज्यवासियों को दी क्रिसमस की बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को पुरुलिया रोड स्थित आर्चबिशप हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो से मुलाकात कर उन्हें क्रिसमस पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. सीएम ने आर्चबिशप हाउस परिसर में बालक प्रभु यीशु के दर्शन किये. आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने भी मुख्यमंत्री को क्रिसमस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. सीएम ने कहा कि क्रिसमस का पर्व हम सभी के लिए बहुत उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व होता है. उन्होंने प्रभु यीशु से राज्यवासियों के लिए अमन-चैन तथा सुख, समृद्धि की कामना की. मौके पर सहायक धर्माध्यक्ष बिशप थियोडोर मास्करेन्हास, फादर मुकुल कुल्लू, फादर असित टोप्पो, फादर अजीत कुमार खेस, फादर सहदेव प्रजापति, फादर सुशील बेक सहित अन्य लोग मौजूद थे.

35 हजार स्कूलों को 15 जनवरी तक खेल सामग्री खरीदने का निर्देश

₹ 28.8 करोड़ की राशि स्वीकृत

शुभम किशोर। रांची

रांची को सबसे अधिक 1.72 करोड़ और लोहरदगा को सबसे कम 44 लाख मिले

किस जिले को कितना आवंटन

जिले का नाम	आवंटन (करोड़ में)	जिले का नाम	आवंटन (करोड़ में)
बोकारो	1.22	कोडरमा	0.59
चतरा	1.27	लातेहार	0.86
देवघर	1.52	लोहरदगा	0.44
धनबाद	1.37	पाकुड़	0.77
दुमका	1.75	पलामू	2.23
गढ़वा	1.17	पश्चिमि सिंहभूम	1.63
गिरिडीह	2.47	पूर्वी सिंहभूम	1.33
गोड्डा	1.25	रामगढ़	0.55
गुमला	1.11	रांची	1.72
हजारीबाग	1.25	साहेबगंज	1.03
जामताड़ा	0.83	सरायकेला खरसांवा	1.15
खूंटी	0.62	सिमडेगा	0.63

सरकारी स्कूलों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए झारखंड के 35,438 स्कूलों को खेल सामग्री खरीदने का निर्देश शिक्षा विभाग की परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने जारी किया है. उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिख कर 15 जनवरी तक खेल सामग्री खरीदने का निर्देश दिया है. खेल सामग्री के लिए 28.88 करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है. जारी पत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए खेल सामग्री खरीदने के लिए जरूरी दिशानिर्देश दिए गए हैं.

जारी पत्र में बताया गया है कि शिक्षा हेतु केंद्र सरकार द्वारा आयोजित प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड में खेल और शारीरिक शिक्षा के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय मद में 22.15 करोड़ तथा माध्यमिक एवं सीनियर माध्यमिक मद में 6.72 करोड़ राशि स्वीकृत की गई है. जिसे सभी स्कूलों में खेल सामग्री खरीदने के लिए ट्रांसफर किया जा चुका है.

किस स्कूल को कितनी राशि का आवंटन : प्राथमिक विद्यालयों को 5 हजार, मध्य विद्यालयों को 10 हजार और माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को 25 हजार प्रति स्कूल की दर से राशि आवंटित की गयी है. बता दें राज्य में 21183 प्राथमिक, 11565 मध्य 1705 माध्यमिक व 985 उच्चतर माध्यमिक सरकारी विद्यालय हैं, जिन्हें 28.88 करोड़ की राशि का आवंटन किया गया है. खेल सामग्रियों को खरीदने के लिए स्कूल स्तर पर समिति का गठन भी किया गया है. जिसमें विद्यालय के प्रधानाध्यापक और प्रभारी प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष, विद्यालय के शारीरिक शिक्षा के शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य शामिल किए गए हैं. गुणवत्तापूर्ण खेल सामग्रियों की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिले के 4 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का दी गई है.

ट्रवेल्स एजेंसी का किया उद्घाटन

रांची। हज व उमराह पर जाने वालों के लिए नेवरी चौक पर अलीजा हज व उमराह टूर एंड ट्रवेल्स एजेंसी कार्यालय का उद्घाटन मंत्री हफीजुल हसन व कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने किया.

मौके पर मंत्री ने कहा कि इस्लाम में हज-उमराह बड़ी इबादत है. ऐसे उम्दा कार्य के लिये एजेंसी का खुलना बढ़िया है. इससे लोगों को हज व उमराह पर जाने में अच्छी सुविधा मिलेगी. महज 1 लाख में दो व्यक्ति और 55 हजार में एक व्यक्ति इस एजेंसी के से उमराह पर जा सकेंगे. दोनों ओर के टिकट, 3 वक्त का खाना, उमराह वीजा व इंश्योरेंस, 7 दिन मक्का व 7 दिन मदीना के साथ जियारत समेत कई अन्य सुविधाएं दी जाएंगी. मौलाना अतहर इमाम ने कहा कि पहले दिन 14 बुकिंग हुई है. मौके पर नेवरी सीरत नगर के अध्यक्ष जाकिर अंसारी, कारी मोइन, मौलाना अतहर इमाम नदवी, सईद अंसारी, इमरान अंसारी, मौलाना समीउल हक, मुफ्ती अबू ओबैदा, मौलाना अहमदुल्लाह, मेराजुद्दीन, मौलाना इस्माइल, मौलाना नईम, मौलाना अरशद, मुफ्ती सोहेल, मौलाना शाहिद नदवी, मो. नाजिश आदि शामिल थे.

सांसद ने सुनी लोगों की समस्याएं

रांची। सांसद संजय सेठ ने रांची के आईटीआई हेहल का दौरा कर वहां के लोगों की समस्या सुनी. लोगों ने बताया कि आईटीआई के ओर से चहारदिवारी का निर्माण किया जा रहा है, जिससे वहां रहने वाले हजारों लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. इस रास्ते से पिछले 5 दशक से लोग आना-जाना करते हैं. रास्ता बंद होने से हजारों लोग प्रभावित होंगे. सांसद ने लोगों को आश्वासन दिया कि वे डीसी से बात कर मामले का समाधान करने की कोशिश करेंगे.

बदला मौसम का मिजाज

कोहरे में लिपटा रहा पूरा राज्य

संवाददाता। रांची

बनी रहेगी कनकनी, शीतलहर करेगी परेशान

कांके का पारा जीरो डिग्री तक जाने की संभावना

झारखंड में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है. राज्य के अधिकांश जिलों में बादल छाए हुए हैं. कई जिलों में कोहरे की स्थिति भी बनी हुई है. मौसम केंद्र के अनुसार 27 दिसंबर तक बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है. बता दें कि ठंड की मार से हर कोई परेशान है. राज्य के दो दर्जन से अधिक जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया है. शनिवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और कांके का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. इसके साथ ही राजधानी का अधिकतम तापमान में 23 डिग्री सेल्सियस व 21.5 डिग्री सेल्सियस कांके का रिकार्ड किया गया है. कृषि मौसम एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग कांके के विज्ञानी डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि जारी अलर्ट के अनुसार राजधानी समेत कांके का न्यूनतम तापमान अगले 15 दिनों में तेजी से नीचे गिरेगा.

जनवरी के पहले सप्ताह में कांके का न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस रिकार्ड करने की संभावना है. जबकि जनवरी के पहले सप्ताह में राजधानी का न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री तक पहुंच जाएगा. मौसम विज्ञानी डॉ. रमेश ने कहा कि फिलहाल राजधानी के अधिकांश क्षेत्रों में सुबह कोहरा छाया रहेगा.

कोहरा छंटते ही चलने लगेगी शीतलहरी : राजधानीवासियों को अगले पांच दिनों तक ठंड से कुछ राहत मिल सकती है. बादल छाने से न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की वृद्धि हो सकती है. कोहरा छंटते ही शीतलहरी चलेगी. इसके बाद पारा नीचे गिरेगा. इससे जन-जीवन प्रभावित हो सकता है. साथ ही हवाएं 8 से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी. शनिवार को रांची का तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया. सबसे कम तापमान पश्चिमी सिंहभूम का 8.9 डिग्री दर्ज किया गया. राज्य के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 के नीचे देखा जा रहा है.

कोविड-19 के मामलों को लेकर अलर्ट जारी

रांची। देश में कोविड के मामलों में दिनों तेजी देखी जा रही है. राजधानी में स्वास्थ्य विभाग ने कोरोनो के प्रसार को रोकने के लिए सामान्य अलर्ट जारी किया है. हालांकि रांची नगर निगम को अभी भी दिशा-निर्देशों का इंतजार है. निगम सामान्य निगरानी और स्वच्छता के माध्यम से कोरोना का प्रसार रोकेगा. नगर प्रशासक अमित कुमार ने कहा कि शहर में लोगों के बीच जागरूकता फैलाई जाएगी. जैसे-जैसे कोरोना के मामले बढ़ेंगे, उसके अनुसार उपाय किए जाएंगे. चिंता करने की कोई बात नहीं है. वैसे नगर निगम भी अपनी ओर से तैयार है.

नशे में युवक ने बाइक से जस्टिस की कार में धक्का मारा, गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

शराब के नशे में एक युवक ने शुक्रवार की रात झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस की कार में धक्का मार दिया. घटना धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित वाईबीएन स्कूल के पास हुई. स्कूल के पास सड़क पर स्पीड ब्रेकर बना था. उस सड़क से जस्टिस आनंद सेन की कार गुजर रही थी. स्पीड ब्रेकर के पास कार धीमी हुई, तो दिनेश कुमार राम नामक युवक ने कार में पीछे से धक्का मार दिया. घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई. पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर युवक दिनेश को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के अनुसार, जस्टिस आनंद सेन अपनी गाड़ी से धुर्वा जेएससीए स्टेडियम होते हुए अपने घर लौट रहे थे. उसी समय दिनेश कुमार राम ने उनकी गाड़ी में पीछे से धक्का मार दिया. दिनेश शराब के नशे में था. उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था. बाइक चलाने का लाइसेंस तक नहीं था.

52 आवेदनों का निबटारा ऑन स्पॉट किया गया

रांची। आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रांची नगर निगम द्वारा शनिवार को वार्ड नं 51, 52 तथा 53 में शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें निगम द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए आवेदन लिया गया तथा शिकायतों का ऑन स्पॉट निबटारा किया गया. निगम स्तर से तीनों शिविर में कुल मिलाकर 52 आवेदनों का निबटारा ऑन स्पॉट किया गया. इसके अलावा तीनों वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 310 कंबल का वितरण भी किया गया.

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल 12 महासचिव और 12 प्रभारी नियुक्त किए, प्रियंका गांधी से छिना यूपी का प्रभार

अविनाश पांडेय गये यूपी, मीर को मिला झारखंड का प्रभार

शुभम संदेश नेटवर्क। रांची

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी बदल गये हैं. प्रभारी अविनाश पांडे को यूपी का प्रभारी बनाया गया है. वहीं गुलाम अहमद मीर को झारखंड की कमान सौंपी गई है. अविनाश पांडेय को यूपी और गुलाम अहमद मीर को झारखंड प्रभारी बनाने पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का आभार जताया है.

राजेश ठाकुर ने कहा कि पांडेय ने एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में यहां कांग्रेस को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का काम किया. यह उसी का परिणाम है कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें यूपी जैसचे बड़े राज्य की जिम्मेवारी सौंपी है. वहीं झारखंड कांग्रेस के

प्रभारी के रूप में गुलाम अहमद मीर के मनोनयन पर राजेश ठाकुर ने हर्ष व्यक्त किया. ठाकुर ने कहा कि उनकी संगठनात्मक क्षमता का लाभ झारखंड कांग्रेस को मिलेगा. मीर एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं. जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष रहते उन्होंने संगठन को गांव तक ले जाने का काम किया. इनकी क्षमता झारखंड में भी देखने को मिलेगी.

प्रियंका गांधी पार्टी महासचिव बनी रहेंगी, सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ में बड़ी जिम्मेदारी

अजय माकन बने रहेंगे पार्टी के कोषाध्यक्ष

कांग्रेस की ओर से जारी की गई लिस्ट के मुताबिक, मुकुल वासनिक, गुजरात भेजे गए हैं, तो वहीं जितेंद्र सिंह को असम और मध्य प्रदेश का चार्ज सौंपा गया है. रणदीप सिंह सुरजेवाला कर्नाटक भेजे गए हैं और दीपक बाबरिया के हिस्से दिल्ली-हरियाणा का चार्ज आया है. वहीं कुमारी सैलजा उत्तराखंड भेजी गई हैं. संगठन में कम्यूनिकेशन देखने की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के हिस्से आई है और केसी वेणुगोपाल संगठन देखेंगे.

अजय कुमार को 3 राज्यों का प्रभार

झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार को तीन राज्यों के प्रभारी बनाये गए हैं. बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को अपनी टीम में बड़ा बदलाव करते हुए 12 महासचिवों और 12 प्रदेश प्रभारियों की नियुक्ति की. पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से यह जानकारी दी गई है. जयराम रमेश भी पार्टी की संचार विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी निभाते रहेंगे.

नए महासचिवों को इन राज्यों की जिम्मेदारी

- रमेश चेन्निथलाः महाराष्ट्र
- मोहन प्रकाश :बिहार
- चेल्लाकुमार :मेघालय, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश
- डॉ अजय कुमारः ओडिशा के साथ तमिलनाडु व पुडुचेरी का भी अतिरिक्त प्रभार
- भरत सिंह सोलंकीः जम्मू कश्मीर
- राजीव शुक्लाः हिमाचल प्रदेश के साथ चंडीगढ़
- सुखजिंदर सिंह रंधावाः राजस्थान
- देवेंद्र यादवः पंजाब
- मानिक राव ठाकरेः गोवा, दमन एवं दियू, दादरनागर हवेली
- गिरीश चोंडाकर- त्रिपुरा, सिक्किम, मणिपुर और नगालैंड
- मानिक्कम टैगोर- आंध्र प्रदेश, अंडमान निकोबार
- रणदीप सूरजेवाला- कर्नाटक
- जितेंद्र सिंह-एमपी
- सचिन पायलट-छत्तीसगढ़
- सैलजा कुमारी-उत्तराखंड
- गुरदीप सिंह- सप्पल प्रशासनिक
- कोषाध्यक्ष- अजय माकन
- संयुक्त कोषाध्यक्ष -मिलिंद देवड़ा और विजय इंदर सिंगला

ट्रैफिक पुलिस के साथ धक्का-मुक्का, प्राथमिकी

रांची। सुजाता चौक के पास तैनात ट्रैफिक पुलिस के जवान राजीव कुमार के साथ धक्का-मुक्की और गाली -गलौज की गयी. मामले में आरोपी मो. अरबाज के विरुद्ध चुटिया थाने में मारपीट करने सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. दर्ज प्राथमिकी में ट्रैफिक पुलिस के जवान राजीव कुमार ने आरोप लगाया है कि 20 दिसंबर की रात 7.30 बजे ड्यूटी के क्रम में सुजाता पोस्ट पर तैनात थे. उसी समय एक कार सिरमटोली चौक की ओर से सुजाता चौक पर आकर लेफ्ट फ्री लेन में खड़ी हो गई. इससे ट्रैफिक जाम हो गया. इसके बाद कार चालक ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात आरक्षी के साथ गाली-गलौज करने लगा. वह यातायात पोस्ट पर चढ़ गया और आरक्षी के साथ धक्का- मुक्का करने लगा. उसने धमकी भी दी की उसकी वर्दी उतरवा देगा.

शहर में आज

1. डिलिस्टिंग महारैली, मोरहाबादी मैदान में 10 बजे से
2. अंजुमन फरोग उर्दू कार्यक्रम, 11 बजे से
3. किताब उत्सव का समापन, टीआरआई में 11 बजे से
4. पौष मेला, आर्यभट्ट सभागार में 11 बजे से
5. जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता, खेलगांव में 10 बजे से
6. राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता, खेलगांव में 10 बजे से
7. एस्कॉट इंटरनेशनल में खेलकूद प्रतियोगिता का समापन, 11 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

आर्यभट्ट सभागार में पौष मेले का आयोजन

रांची। बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में 24 दिसंबर को पौष मेले का आयोजन किया जा रहा है. आरयू के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित इस मेले के आयोजन को लेकर शनिवार को प्रेसवार्ता कर जानकारी दी गई. बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट के संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया की इस मेले रांची में 25 वर्षों के बाद दोबारा शुरू किया जा रहा है.

रिटायर्ड जज को सीआईसी नियुक्त करने का आग्रह

रांची। जन सूचना अधिकार मंच रांची के संयोजक मो अकरम राशिद ने राज्य सरकार से अपील किया है. उन्होंने मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर सेवानिवृत्त जज को नियुक्ति देने का आग्रह किया है. उन्होंने कहा कि सूचना आयुक्त के लिए फिर से आवेदन लेकर विलंब नहीं करें. क्योंकि, बड़ी संख्या में शिकायत अपील राज्य सूचना आयोग में लंबित हैं.

एसआर डीएवी पुंदाग में मना बलिदान दिवस

रांची। एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग में स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस के पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस अवसर पर भजन और सामूहिक हवन का आयोजन किया गया. इसके उपरांत प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. प्राचार्य एसके मिश्र ने स्वामी श्रद्धानंद के जीवन को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि साधना, संकल्प, सत्संग, स्वाध्याय तथा सेवा से अपने जीवन को पावन बनाया जा सकता है. राष्ट्र गान के साथ सभा का समापन हुआ.

जयपाल सिंह की जयंती राजकीय स्तर पर मने

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने शनिवार को मुख्यमंत्री के नाम पत्र देकर मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जंयती को झारखंड आंदोलनकारी दिवस घोषित करते हुए राजकीय स्तर पर मनाने की मांग की है. मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि मारंग गोमके जयपाल सिंह ने वर्ष 1939 में झारखंड अलग राज्य आंदोलन का आगाज किया था. झारखंड सरकार 3 जनवरी की झारखंड आंदोलनकारी दिवस घोषित कर मारंग गोमके जयपाल सिंह को ऐतिहासिक सम्मान दें.

व्यवसायी गोपाल श्रीवास्तव हत्याकांड

व्यवसायी की पत्नी ने कहा : मेरा घर उजाड़ने वाले को मिले कड़ी सजा

पुलिस बोली : अपराधियों की कुंडली उसके पास, एक-दो दिनों में खुलासा

संवाददाता। रांची

मेरा तो सबकुछ उजड़ गया. दो छोटे-छोटे बच्चे हैं. उनका लालन-पालन कैसे होगा, कुछ समझ नहीं आ रहा है. मेरे पति के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिले. उन्होंने किसी का क्या बिगाड़ा था. यह बातें अपराधियों के हमले में जान गंवाने वाले कारोबारी गोपाल श्रीवास्तव की बेवा प्रीति वर्मा ने कहीं.

वह कहती हैं कि घटना के 12 दिन बाद भी पुलिस अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है. पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड की वजहों का खुलासा करे और अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाये. बता दें कि बीते 11 दिसंबर की रात करीब 9 बजे रातू रोड के लाहकोठी में कारोबारी गोपाल श्रीवास्तव को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी थी. गोली लगने के बाद भी गोपाल ने हिम्मत नहीं हारी और अपराधियों से भिड़ गये थे. अपराधियों की पिस्टल छीन कर गाड़ी की डिक्की में रख ली थी. मगर अपराधियों ने पिस्टल छीने जाने के बाद गोपाल पर चाकू से हमला कर दिया था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये थे. उन्हें रिम्स में भर्ती कराया गया था. वहां बीते 14 दिसंबर को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया था.

डॉक्टरों ने बताया था कि गोली तो निकाल दी गई थी, मगर चाकू से उनके मल-मूत्र की नली कट गई थी. उसे जोड़ भी दिया था, लेकिन उनकी जान नहीं बचायी जा सकी. दिवंगत व्यवसायी गोपाल श्रीवास्तव का घर रातू रोड के इंद्रपुरी रोड नंबर एक में पूर्व पार्षद अशोक यादव के घर के पास है.

- घटना के 12 दिन बाद भी अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है पुलिस
- बीते 11 दिसंबर की रात अपराधियों ने मारी थी गोली, चाकू भी गोदा
- रिम्स में इलाज के दौरान 14 दिसंबर को व्यवसायी गोपाल की हो गई थी मौत

कारोबारी स्व गोपाल श्रीवास्तव.

पत्नी प्रीति.

रांची पुलिस कर रही दावा: जल्द सलाखों के पीछे होंगे अपराधी

रांची पुलिस के एक आलाधिकारी ने बताया कि व्यवसायी गोपाल श्रीवास्तव हत्याकांड में पुलिस ने अपराधियों की पहचान कर ली है. अपराधियों की कुंडली पुलिस के पास आ गई है. अपराधी भागे-भागे फिर रहे हैं, लेकिन पुलिस जल्द ही अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजेगी. एक -दो दिनों के अंदर मामले का खुलासा हो सकता है.

डीबीटी से 13 विभागों की 137 योजनाओं का लाभुकों को दिया जा रहा लाभ

एजी ने योजनाओं के डेटा पर उठाए सवाल

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में 13 सरकारी विभागों को कुल 137 योजनाओं में लाभुकों को डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) का लाभ दिया जा रहा है. लेकिन इन योजनाओं के डेटाबेस पर सवाल भी उठ रहे हैं. पिछले दिनों एजी ने राज्य में चल रही स्कॉलरशिप के वितरण में की गई अनियमितता पर आपत्ति जताई थी. स्कॉलरशिप का वितरण डीबीटी के माध्यम से ही किया जा रहा है. इसके बाद भी छात्रवृति वितरण में भारी अनियमितता बरती गई. इसको लेकर अन्य योजनाओं के भी डेटाबेस पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

एजी ने क्या जताई आपत्ति :

एजी ने 2023 की ऑडिट रिपोर्ट में चतरा, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा, पलामू और रांची में स्कॉलरशिप योजना को लेकर ऑडिट किया था, जिसमें फर्जी राशि के वितरण की गड़बड़ी पाई गई थी. यह राशि डीबीटी में माध्यम से अपात्र लाभुकों को ट्रांसफर की गई थी. डीबीटी योजना रैपिड रिएप्लीकेशन रोल ऑउट प्रोजेक्ट के तहत कार्य के दायरे के अनुसार एप्लिकेशन को ईकेवाइसी के साथ जोड़ा जाना चाहिए. ट्रेजरी और बैंक के साथ लिंकअप किया जाना चाहिए, जबकि, राज्य की अधिकांश योजनाओं में इस तरह के प्रावधान नहीं किए गए हैं. राज्य सरकार के कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के 27 योजना, अनुसूचिक जाति,अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के 22, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की 24 योजना, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की 24, महिला, बाल विकास और समाज कल्याण की 25, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार की 10, गृह, जेल और आपदा प्रबंधन की 4, पेयजल और स्वच्छता के एक, पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले की 7, वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की 5, नगर विकास विभाग और आवास की तीन, श्रम विभाग की तीन, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले की 2 योजनाओं का लाभ डीबीटी के माध्यम से दिया जा रहा है.

मिली अनियमितता

- अपात्र लाभुकों को कर दिया गया था राशि का वितरण
- स्कॉलरशिप योजना के ऑडिट में गड़बड़ियों का खुलासा

किस विभाग की कौन सी प्रमुख योजनाएं

कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग : विभाग में कुल 27 योजनाओं चल रही हैं. इनमें लाभुकों को डीबीटी के माध्यम से लाभ दिए जा रहे हैं, जिसमें मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, सुअर विकास योजना, बकरी विकास योजना, बत्तख चूजा वितरण योजना, महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं.

एससी-एसटी, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग : विभाग की 22 योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को लाभ दिए जा रहे हैं. इसमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए हाईस्कूल छात्रवृति,ओबीसी छात्रों के लिए मध्य विद्यालय छात्रवृति,अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए मध्य विद्यालय छात्रवृति,अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए मध्य विद्यालय छात्रवृति,ओबीसी छात्रों के लिए हाई स्कूल छात्रवृति, अनुसूचित जनजाति के लिए प्राथमिक विद्यालय छात्रवृति, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना (अनु.जा. एवं पि.व.), साइकिल वितरण योजना, अनुसूचित जाति के छात्रों के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति,अनुसूचित जनजाति के छात्रों लिए पोस्टट्रिक छात्रवृति योजनाएं शामिल हैं.

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग : विभाग में कुल 24 योजनाओं में डीबीटी के माध्यम से लाभुकों को लाभ दिया जा रहा है. इसमें छठी से अठवीं के छात्रों के लिए जूते और मोजे, स्कूल किट, अतिरिक्त पोषण अंडा राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृति, कक्षा 9 से 12 के लिए मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृति योजना शामिल हैं

महिला, बाल विकास और समाज कल्याण : विभाग की 25 योजना का लाभ डीबीटी से दिया जा रहा है, जिसमें गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (40-79 वर्ष), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना (40-79 वर्ष), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (80 वर्ष और अधिक), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांगता पेंशन योजना (18-79 वर्ष), राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना,आदिम जन जाति पेंशन योजना, राज्य विधवा सम्मान पेंशन योजना, एचआईवी/एड्स प्रभावित व्यक्तियों के लिए राज्य पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना जैसी प्रमुख योजनाएं हैं.

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार : कुल 10 योजनाओं में डीबीटी का प्रयोग हो रहा है, जिनमें प्रमुख योजना कल्याण जननी सुरक्षा योजना, परिवार नियोजन मुआवजा योजनाएं, आशा प्रोत्साहन, निक्षय-टीबी रोगी पोषण सहायता के लिए प्रोत्साहन सहायता जैसी योजना है.

गृह, जेल और आपदा प्रबंधन : विभाग में 4 योजना के लाभुकों को डीबीटी से लाभ दिया जा रहा है. जिसमें जय प्रकाश आंदोलनकारी//आश्रित को पेंशन/लाभ, झारखंड/वनांचल आंदोलन/आश्रित को पेंशन/लाभ, स्वतंत्रता सेनानियों/आश्रितों को विशेष/चिकित्सा भत्ता, 1984 के सिख दंगा पीड़ितों/आश्रितों को पेंशन प्रमुख हैं.

ग्रामीण विकास विभाग : विभाग की 4 योजनाएं मनरेगा, पीएम आवास, अंबेडकर आदि डीबीटी से संचालित हो रही हैं.

पारस एचईसी अस्पताल ने दी नयी जिंदगी

स्क्रब टाइफस से ग्रसित मरीज का सफल इलाज

संवाददाता। रांची

पारस अस्पताल ने सफलतापूर्वक स्क्रब टाइफस के मरीज का इलाज किया है. जानकारी देते हुए अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि एक 32 वर्ष का युवक पारस एचईसी अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा कक्ष में चेतना में कमी एवं 65 प्रतिशत ऑक्सीजन के साथ लाया गया था. मरीज के परिजनों ने बताया कि उसे पिछले दो दिनों से उल्टी, ज्वर एवं सांस लेने में परेशानी हो रही थी. पारस एचईसी अस्पताल में लाए जाने के बाद मरीज़ की जांच की गई. जांच में मरीज स्क्रब टाइफस से ग्रसित पाया गया. जिसके कारण मरीज़ को चलने में भी परेशानी हो रही थी.

सबसे पहले मरीज में गंभीर एआरडिएस के कारण उसे पेट के बल लिटाकर वेंटीलेटर के माध्यम से कृत्रिम सांस दिया गया. मरीज को दो बार प्रोनिम दिया गया. साथ ही व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दिया गया. उसके बाद मरीज को होश आया था. उसके सीने का एक्सरे करने पर चिकित्सकों ने पाया कि उसमें काफी सुधार हुआ है. मरीज की स्थिति में सुधार आने के बाद उसे वेंटीलेटर से हटा कर सामान्य वार्ड में भेज दिया गया. वार्ड में भेजने के तीन दिनों बाद मरीज को फिर से बुखार आ गया. जिसके बाद चिकित्सकों ने मरीज की माइक्रोबायोलॉजिकल जांच की और फिर एंटीबायोटिक में बदलाव किया गया और मरीज फिर ज्वारमुक्त हो गया. स्क्रब टाइफस के इलाज के लिए मरीज को स्टेरॉयड दिया गया, जिसके बाद उसकी हालत में काफी सुधार आई. अब मरीज पूरी तरह से ठीक है और उसे अस्पताल से आवश्यक सलाह के साथ छुट्टी दे दी गई है.

इस मौके पर पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि हमें गर्व है कि पारस परिवार अपने अत्याधुनिक संसाधनों के साथ मरीजों को उत्कृष्ट और सर्वोत्तम इलाज की सुविधा देने में हर दिन नई ऊंचाइयों को पा रहा है.

मरीज स्वस्थ

- 65% आक्सीजन के साथ अचेत अवस्था में लाया गया था मरीज
- उत्कृष्ट व सर्वोत्तम इलाज में पा रहे हैं नयी ऊंचाई : डॉ. नितेश

वीमेंस कॉलेज में युवा महोत्सव का समापन

विजेता छात्रों को किया पुरस्कृत

संवाददाता। रांची

महिला कॉलेज में चल रहे युवा महोत्सव का समापन शनिवार को हो गया. तीन दिनों तक चले इस महोत्सव में विजेता छात्रों की घोषणा कर उन्हें प्राइज दिया गया. कार्यक्रम में मुख्य रुप से कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुप्रिया, शिक्षिकाएं और अन्य उपस्थित थे. हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इतिहास विभाग की आस्था कुमारी, द्वितीय हिंदी की नीतू कुमारी और तृतीय स्थान राजनीति विज्ञान की मुक्ता माला मुखर्जी ने हासिल किया.

काव्य पाठ प्रतियोगिता में कॉमर्स की छात्रा आयुषी ने प्रथम, श्वेता ने द्वितीय और राजनीति विज्ञान की छात्रा इशिका ने तृतीय स्थान हासिल किया. क्विज प्रतियोगिता में प्रथम अनिशा कुमारी, सानिया कुमारी, श्रेया राय, आस्था कुमारी, निशु कुमारी के ग्रुप ने हासिल किया. दूसरे स्थान पर खुशी कुमारी, सोनाली कुमारी, अंजली कुमारी, प्रिया कुमारी, तनु महतो का

ग्रुप और तीसरे स्थान पर श्रुति सौम्या, नूपुर रानी, श्रेया सिंह, प्रेरणा कुमारी, तान्या कुमारी का ग्रुप रहा. मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम अल्वी सभा, द्वितीय अंशु कुमारी और तीसरे स्थान पर खुशी कुमारी रहीं. सॉन्ग में प्रथम म्यूजिक डिपार्टमेंट, दूसरा स्थान बीएड डिपार्टमेंट और तीसरा स्थान भूगोल डिपार्टमेंट को मिला. वन एक्ट प्ले में नंदिनी सहगल के ग्रुप को प्रथम, दूसरा स्थान आरती रानी और उनके ग्रुप को मिला. पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम पूनम कुमारी, द्वितीय कोमल कुमारी और तृतीय स्थान रिचा कुमारी को मिला. पोस्टर मेकिंग में प्रथम श्रावणी कुमारी, द्वितीय निधि कुमारी और तृतीय स्थान पर अनुकूना चक्रवर्ती रहीं. ऑन द स्पॉट पेंटिंग में प्रथम पूनम कुमारी, द्वितीय कोमल कुमारी और तृतीय रिचा कुमारी रहीं. कार्टूनिंग में नानी गुप्ता प्रथम, सोनी प्रकाश यदुवंशी द्वितीय, प्रिया निशमध्य तृतीय स्थान पर रहीं. कोलाज प्रतियोगिता में निधि सलोनी प्रथम, कृति भारद्वाज द्वितीय, सपना महतो तृतीय स्थान पर रहीं.

रेणुका व उमाशंकर फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार के उपाध्यक्ष

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को प्रेस क्लब में दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हुई. इस दौरान संगठन के आगामी कार्यक्रमों और संगठन की रूपरेखा पर चर्चा हुई. पदधारियों को मनोनयन पत्र बांटे गये. संगठन में उपाध्यक्ष के पद पर रेणुका तिवारी व उमाशंकर सिंह चुने गए. महासचिव के पद पर सत्येंद्र प्रसाद सिंह और कोषाध्यक्ष के रूप में विनोद कुमार बेगवानी मनोनित हुए. कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पीयूष अग्रवाल, ऋषभ सिन्हा, मनोज कुमार गोयल, प्रशांत कुमार प्रधान, हरीश नागपाल, श्वेता सांवरिया, शाहिद आलम, संगीता अग्रवाल शामिल हुए. संगठन ने अपने लॉ एंड ऑर्डर सब-कमेटी की जिम्मेवारी सत्येंद्र प्रसाद सिंह को सौंपी, उन्हें इस कमेटी का चेयरमैन, हरीश नागपाल को को-चेयरमैन नियुक्त किया गया. प्रशांत कुमार प्रधान मीडिया सब-कमेटी के चेयरमैन बने. मौके पर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई.

अनाथ, ब्लाइंड, दिव्यांग व स्लम के बच्चों के साथ क्रिसमस गैदरिंग

भाईचारा बनाए रखें : बिशप सीमान

सांस्कृतिक कार्यक्रम

- बच्चों ने प्रभु येशु के अलग-अलग गीतों की दी प्रस्तुति
- गोस्सनर मिडिल स्कूल मैदान में किया गया था आयोजन

संवाददाता। रांची

प्रयाश हमारा संस्थान, एक्ससीएपीएफ ट्राइबल वेलफेयर एसोसिएशन एवं हरमू फूटबॉल अकादमी द्वारा शनिवार को गोस्सनर मिडिल स्कूल ग्राउंड में क्रिसमस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. क्रिसमस गैदरिंग अनाथ, ब्लाइंड, दिव्यांग स्लम एरिया के बच्चों के साथ मनाया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिशप सीमान तिर्की थे.

प्रार्थना व दीप प्रज्जवलित कर गैदरिंग की शुरुआत हुई. इस अवसर पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश एवं ट्रैफिक डीएसपी जीतवाना उरांव भी

उपस्थित थे. क्रिसमस गैदरिंग के मौके पर सृजन ब्लाइंड स्कूल के बच्चों एवं संत माइकल स्कूल के बच्चे व रांची के स्लम एरिया के बच्चे शामिल थे. स्लम एरिया मनातू के बच्चों ने पीले-पीले सरसों जब खिले हां खेतो में, ऐसा लगे प्रभू तू मुस्कुराए, नीले नीले अंबर के तले जो बैठू तो, बाहें फैलाए जैसे तू बुलाएं... गाने पर डांस की प्रस्तुति की. संत माइकल ब्लाइंड स्कूल के बच्चों ने 'झींगुर बोलयना, जुगनू कांदेना आधा राती बैतुलम गोहर घर रे, शीत पानी झराय ए हो...' गाने की प्रस्तुति की. गैदरिंग में सभी बच्चों चेहरे पर मुस्कुराहट थी. बच्चों ने क्रिसमस गैदरिंग को खूब इनजॉय किया.

इस कार्यक्रम के आयोजक में सजीत टोप्पो, विकास तिर्की, आकाश बाड़ा, गोविंद टोप्पो एवं अन्य का योगदान था. बिशप सीमान तिर्की ने अपने संदेश में कहा कि जीवन में कुछ हो जाए आपसी भाईचारा बनाए रखें एवं जरूरतमंदों की मदद हमेशा तत्पर रहे. कोतवाली के डीएसपी प्रकाश ने कहा कि अपनी शारीरिक दुर्बलता को नजरअंदाज कर ताकतवर बनना है.

आयोजन न्यूटन ट्यूटोरियल्स के सेमिनार में आईआईटी और मेडिकल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के दिए गए टिप्स

एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तक पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें : प्रणव

सफलता ज्ञान

- बच्चों को प्रोत्साहित करें अभिभावक : एनके मुरलीधर
- 10वीं कक्षा में बेसिक जरूर सुधार लें : इमरान अली

संवाददाता। रांची

पतरातू डीएवी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय में न्यूटन ट्यूटोरियल्स ने सेमिनार का आयोजन किया. सेमिनार का विषय था आगामी आईआईटी (जेईई) और मेडिकल की परीक्षाओं में कैसे ज्यादा से ज्यादा अंक एवं अच्छा रैंक प्राप्त किए जाएं. साथ ही भविष्य में इन

सेमिनार में पतरातू डीएवी और केंद्रीय विद्यालय के बच्चे.

परीक्षाओं के लिए बच्चे कैसे योजनापूर्ण ढंग से तैयारी करें, ताकि उन्हें सफलता मिल सके.

इस अवसर पर एनके मुरलीधर ने कहा कि अभिभावकों को अपने व्यवहार में बदलाव कर बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए. वहीं, मदन मोहन ने बताया कि बच्चों को किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए. रसायन विज्ञान के शिक्षक पंकज कुमार ने कहा कि लगातार प्रयास की जरूरत है. प्रणव कुमार ने भौतिकी की तैयारी से संबंधित जानकारी दी. समारोह के अंत में न्यूटन ट्यूटोरियल्स के डाइरेक्टर इमरान अली ने बोर्ड और प्रतियोगिता परीक्षा के अंतर को स्पष्ट किया. इमरान अली ने कहा कि जेईई और मेडिकल की तैयारी के लिए सबसे उपयुक्त समय आठवीं कक्षा है. हालांकि अगर योजना नौवीं कक्षा से बनाते हैं, तो बहुत ही अच्छा. मगर 10वीं के बाद तो जरूर से जरूर तैयारी शुरू कर दें. तैयारी शुरू करने से पहले 10वीं कक्षा में अपना बेसिक जरूर सुधार लें, ताकि आगे आपको कठिनाइयों का सामना न करना पड़े.

इस दौरान क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. इसमें डीएवी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय के विजेता बच्चों के बीच पुरस्कार का वितरण भी किया गया. इनमें श्रीशा श्रेया, अमन कुमार, प्रियांशु कुमार साव, आरुषि कुमारी, श्रुति रानी, अनूप कुमार, उत्कर्ष कुमार शीतल कुमारी और प्रिया राज को पुरस्कार प्रदान किया गया.

मेडिकल परीक्षा में 50% प्रश्न काफी आसान

पंकज कुमार और मदन मोहन के अनुसार, लोगों के मन में भ्रम है कि जेईई या मेडिकल की परीक्षा काफी कठिन होती है. जबकि, वास्तविकता कुछ और ही है. इन्होंने पाई चार्ट की मदद से समझाने की कोशिश की कि पिछले पांच सालों में आए हुए प्रश्न पत्र पर नजर डालने से यह प्रतीत होता है कि लगभग 40-50% प्रश्न काफी आसान होते हैं, जो किसी भी मेहनत करने वाले बच्चे से बन सकता है. वहीं 20-30% थोड़े कठिन होते हैं. उसे भी जिस बच्चे का बेसिक सही है वह बना सकते हैं. 20% प्रश्न कठिन होते हैं. अगर कठिन प्रश्न हटा भी दें, तो लगभग 80% प्रश्न सभी से बन सकते हैं और बच्चों को चुनाव 40% अंक लाने के बाद से ही शुरू हो जाता है. प्रणव कुमार के अनुसार, मेडिकल के लिए बच्चे अगर एनसीईआरटी की पुस्तक पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान दें, तो अधिक फायदा होगा. नकारात्मक प्रश्न को छोड़ने में ही भलाई है. उन्होंने कहा कि पढ़ाई को बोझ न समझें. इसका आनंद उठाते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचे.

तारा शाहदेव केस

रंजीत कोहली और उसकी मां ने कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

संवाददाता। रांची

नेशनल शूटर तारा शाहदेव के साथ यौन उत्पीड़न के दोषी रंजीत सिंह कोहली और उसकी मां कौशल रानी ने रांची सीबीआई कोर्ट के आदेश को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी है. हाईकोर्ट में दोनों दोषियों ने अपील दायर की है. रांची की सीबीआई कोर्ट ने रंजीत कोहली को अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा दी है. वहीं उसकी मां कौशल रानी को 10 साल की सजा सुनाई है. दोनों दोषी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं. अपनी याचिका में दोनों आरोपियों ने कहा है कि लड़की पक्ष एवं सभी सम्मानित लोगों के समक्ष उनकी शादी हुई थी. ऐसे में उन पर आईपीसी की धारा 376 (2 एन) नहीं लगाया जाना चाहिए.

स्कूलों में क्रिसमस की धूम, सांता क्लॉज ने बांटी खुशियां

कैंब्रियन स्कूल में गैदरिंग, बच्चों ने दी प्रस्तुति

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में शुक्रवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. ''द बर्थ ऑफ सेवियर'' शीर्षक नृत्य नाटिका के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई. छात्र ईशान कालिंदी ने बाइबिल के प्रमुख अंशों का पाठ किया. विद्यार्थियों ने '' मेरा अजीज आ गया ''शीर्षक क्रिसमस कैरोल प्रस्तुत किया. मौके पर प्राचार्या डॉ. नीता पांडेय ने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी. कहा कि ईसा मसीह पूरी मानव जाति को प्रेम और सेवा के लिए प्रेरित करते हैं. उन्होंने कहा कि सभी धर्म का सार एकता, भाईचारा,सेवा और मानवता है. हमें इसे अपने जीवन में बिना किसी भेदभाव के आत्मसात करना चाहिए. कार्यक्रम का संयोजन चीफ एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर आशा राज जबकि संचालन शौर्य प्रखर और उन्नति भट्ट ने किया. शिक्षिका मोनिका मुंडू, जे.बेरा, विभा सिंह, अर्चना, सतीश कुमार मिश्रा और प्रियंका चक्रवर्ती के निर्देशन में कार्यक्रम प्रस्तुत किया.

संत थॉमस में क्रिसमस का मर्म समझाया

रांची। संत थॉमस स्कूल, हरदाग में क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना ''ओ कॅम ऑल ऐ फेथफुल'' के साथ हुआ. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय रेव्य बिन्सु फिलीप, उप प्रधानाचार्या सुजा सुसैन थॉमस समेत शिक्षक, शिक्षिकाएं और सभी कर्मचारी, छात्र-छात्राओं के साथ उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में कक्षा आठ की छात्रा अपेक्षा श्रेया बारला ने अंग्रेजी में बाईबल रीडिंग एवं कक्षा सातवां के निशि मिंज ने हिंदी में बाईबल रीडिंग किया. कक्षा छह के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया. क्रिसमस के अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका लेखा एम वर्गीस द्वारा क्रिसमस का मर्म समझाया गया. इस कार्यक्रम में सबसे शानदार प्रदर्शन नर्सरी से लेकर कक्षा चार तक के छात्र-छात्राओं ने किया. इस अवसर पर प्राचार्य फॉदर रेव्य बिन्सु फिलीप, उप प्राचार्या सुजा सुसैन थॉमस ने क्रिसमस एवं न्यू ईयर की बधाई दी.

क्रिसमस को लेकर क्यूरेस्टा हॉस्पिटल का रंगारंग कार्यक्रम

रांची। दी क्यूरेस्टा हॉस्पिटल दीपाटोली और क्यूरेस्टा ग्लोबल एसीएमएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल इरबा के डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ और नर्सेज द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर क्रिसमस मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित असेंबली ऑफ गॉड चर्च के चेयरमैन फादर जॉन टोप्पो ने कैंडल जला कर उपस्थित अस्पताल के लोगों के लिये प्रार्थना की और सबको अपना आशीर्वाद दिया. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा से बड़ी कोई और सेवा नहीं है और उन्होंने इसके लिये अस्पताल प्रबंधन की सराहना की. अस्पताल के चेयरमैन अविनाश कुमार ने मुख्य अथिति का स्वागत किया और उपस्थित सभी डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ एवं नर्सेज को क्रिसमस की बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया. वहीं अस्पताल के वाईस चेयरमैन एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. घनश्याम सिंह ने उपस्थित सभी को और बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की प्रेरणा दी.

यीशु ने समझाया प्यार का मतलब

प्रति वर्ष हम ख्रीस्तीयों के लिए ख्रीस्त जयंती आनन्द और शांति का सन्देश लाता है. यह पर्व अपने आपमें एक अद्भुत खुशी और उल्लास हमारे दिलों में भरता है. यह जयंती उस महान घटना की याद दिलाती है जब पिता ईश्वर ने मानव की मुक्ति इतिहास में लोगों के मुक्ति और उद्धार के लिए अपने एकलौते पुत्र येसु मसीह को मुक्तिदाता के रूप में इस दुनिया में भेजा. वे कुंवारी मरियम और जोसफ के साधारण परिवार में जन्म लिये. बाद में वे अपने जीवन और शिक्षा से लोगों को प्रेम का पाठ सिखाया. वे अपने पिता ईश्वर की आज्ञा के अनुसार जीते हुए दुनिया के लिए आदर्श बने. उन्होंने अपने जीवन से सच्चे प्यार का मतलब समझाया कि अपने दुश्मनों के लिए एक अच्छी सोच रखना और उनकी गलतियों को क्षमा करना. हर एक क्रिसमस चरणी और तस्वीर इसी महान घटना को बतलाती है. यह चरणी येसु के जन्म का वर्णन करती है. यदि हम गौर से चरणी को निहारते हैं तो हम बाइबल के जीवित वचन को हमारी आंखों के सामने पाते हैं. हर एक दुखी परिवार को हौसला देता है यह ख्रिस्तमस. चरणी में वर्णित कुंवारी मरियम, जोसफ और अन्य लोगों के जीवन हमें आदर्श मां, कर्तव्यनिष्ठ पिता, आज्ञाकारी पुत्र पुत्रिया बनने के लिए प्रेरित करता है. हमें आदर्श बनाते हैं.

फादर सुशील टोप्पो
पोंतिफिकल यूनिवर्सिटी संत थॉमस अक्विनस (अन्जेलिकुम), रोम, इटली

चेशायर होम में क्रिसमस गैदरिंग

रांची। बरियातू रोड स्थित चेशायर होम में शनिवार को दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों के साथ क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. आयोजन के मुख्य अतिथि कर्नल आकाश राज थे. चेशायर होम के बच्चों ने स्वागत गान सुस्वागतम हार्टी वेलकम सॉन्ग प्रस्तुत किया. फादर सुधीर टेटे ने कहा कि यीशु ख्रीस्त इस धरती पर मानव के रूप में आये तो हमें मानवता का आदर्श सिखाने के लिए आये. यीशु ख्रीस्त हमें दया, क्षमा, प्रेम, सिखलाते हैं.

सीएम ने काटा क्रिसमस केक, कैरोल भी गाया गया

रांची। खिजरी विधायक राजेश कच्छप और जीएल चर्च बिशप सीमांत तिर्की की अगुवाई में युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की. इस दौरान सभी ने सीएम को क्रिसमस की बधाई और शुभकामनाएं दीं. साथ ही राज्य की उन्नति की कामना की. इस दौरान सीएम के हाथों क्रिसमस केक भी काटा गया और क्रिसमस कैरोल गाया गया. मौके पर सजित टोप्पो,रेव निरल बागे,अल्बिन लकड़ा,विकास तिर्की, आकाश तिर्की, गोबिंद टोप्पो अनिल उरांव, आकाश बाड़ा, शमूएल कच्छप, प.सांगा समेत कई लोग उपस्थित थे.

एसपीजी मध्य विद्यालय में क्रिसमस गैदरिंग

रांची। एसपीजी मिशन मध्य विद्यालय चुटिया में चहारदीवारी को संस्कार विधि सह क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीडीईएस सचिव ने विद्यालय का चहारदीवारी संस्कार किया. इसके बाद विद्यालय सभागार में ख्रीस्त मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसका प्रारंभ विद्यालय के अध्यक्ष रेव्ह सामुएल नाग की प्रार्थना एवं प्रभारी प्राचार्य मेडलीन दादेल के स्वागत भाषण से हुआ. इस अवसर पर बच्चों की ओर से रंगारंगा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

न्यूज अपडेट

एसएस मेमोरियल को हरा बीएस कॉलेज बना चैंपियन

रांची। रांची विवि कॉलेज स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में बीएस कॉलेज लोहरदगा ने एसएस मेमोरियल कॉलेज रांची को हराकर पहली बार चैंपियनशिप अपने नाम किया. बीएस कॉलेज लोहरदगा स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता का फाइनल शनिवार को सम्पन्न हुआ. जिसमें बीएस कॉलेज लोहरदगा की टीम ने टॉस जीत कर गेंदबाजी का फैसला किया. एसएस मेमोरियल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में 9 विकेट खो कर 167 रनों का लक्ष्य निर्धारित किया.

टैंडर हार्ट स्कूल में वार्षिकोत्सव 'किलकारी' का आयोजन

रांची। टेंडर हार्ट स्कूल में दूसरी कक्षा के वार्षिकोत्सव ''किलकारी-2023' का रंगारंग आयोजन किया गया. विद्यालय के सभागार ''रंगायन'' में क्रिसमस थीम पर दूसरी कक्षा के बच्चों ने छोटे सांता के रूप में अनेकों प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया. किसान का सम्मान, भारतीय फौज का त्याग, गोवा कार्निवल जैसे अनेकों प्रस्तुतियां देकर बच्चों ने अपने अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया. मुख्य अतिथि झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में विद्यालय के योगदान को सराहा. टेंडर हार्ट के चैयरमैन सुधीर तिवारी ने विद्यार्थियों के प्रगति से अभिभावकों जोड़ने का आह्वान किया.

जेवीएम श्यामली में 'वार्षिकोत्सव परवाज' का आयोजन

रांची। मेकॉन स्टेडियम में जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली का वार्षिक उत्सव 'परवाज़-2023' का रंगारंग आयोजन किया गया. महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग सचिव के साथ परिवहन सचिव कृपानंद झा ने संयुक्त रूप से विद्यालय का ध्वज झंडोत्तोलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कक्षा 3 से 5वीं कक्षा के बच्चों ने 'रिद्म ऑफ ऑरा-बॉडी, माइंड एंड सोल' प्रस्तुत किया. वहीं कक्षा छठी से आठवीं के छात्र हाथों में प्रॉप्स लिए विभिन्न योग आसनों, सूर्य नमस्कार, एरोबिक्स कमल पुष्प और भारत के आकार निर्माण के द्वारा योग के महत्त्व को दर्शाया. इस दौरान नारंगी, हरे, पीले और गुलाबी रंगों के परिधानों में छात्रों का सामूहिक प्रदर्शन ने सबका मन मोह लिया. वहीं नव वर्ष की शुरुआत और वसंत के आगमन का प्रतीक 'रोंगाली बिहू'का 130 छात्राओं ने सामूहिक असमिया नृत्य से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया.

निरजा सहाय डीएवी स्कूल में 51 कुंडीय हवन

रांची। कांके स्थित निरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल में श्रद्धानंद बलिदान दिवस के अवसर पर 51 कुंडीय हवन का आयोजन किया गया, जिसका संचालन विद्यालय के संस्कृत शिक्षक अखण्ड नारायण मिश्र एवं मनोज मिश्र ने किया. कार्यक्रम की शुरूआत में आर्य समाज द्वारा आयोजित प्रभात फेरी में विद्यालय के लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. इसके बाद हवन कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

ब्रीफ खबरें

फिरायालाल स्कूल में मनाया गया सिल्वर जुबली कार्निवल

रांची। फिरायालाल पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह के तहत सिल्वर जुबली विंटर कार्निवल का धूमधाम से समापन हुआ. इस दौरान कई रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. जिसमें विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों से छात्रों ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. शिक्षकों द्वारा लगाए गए गेम्स स्टॉल, जैसे फ्लिप द क्वाइन, थ्रो द डाइस एंड मैच एंड सेव द बलून्स, हेयर एंड देयर, द मेमोरी गेम, ब्रेकिंग द ग्लास पिरामिड, सेगरेशन आफ द पीनट्स एंड आलमण्ड्स आदि खेलों का छात्रों ने जमकर लुत्फ उठाया.

फूलों से सजे बैकुंठ द्वार को पार कर धन्य हुए भक्तगण

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर बाला जी मंदिर, रातू रोड में सुबह से देर शाम तक भक्तों ने जहां सहस्त्रनाम अर्चना कर श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये, वहीं फूलों से सजे बैकुंठ द्वार को पार कर स्वयं को धन्य भी किया. माना जाता है कि इस दिन श्रद्धाभाव से बैकुंठ द्वार पार करने वालों का जीवन धन्य हो जाता है. इसी भाव से बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रीवेंकटेश्वर का दर्शन-पूजन कर भक्ति में रमे रहे.

खेलगांव में एथलेटिक्स प्रतियोगिता हुई प्रारंभ

रांची । रांची जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में खेलगांव में दो दिवसीय रांची जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. शनिवार को प्रतियोगिता का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष मुनचुन राय ने किया. पहले दिन लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता में अंडर 14 ,अंडर 16,अंडर 18 ,अंडर 20 और पुरुष एवं महिला वर्ग का प्रतियोगिता किया जा रहा है. इसी प्रतियोगिता के आधार पर राष्ट्रीय अंतर ज़िला जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए झारखंड अंडर 14 और अंडर 16 वर्ग के बालक एवं बालिका टीम गुजरात जाएंगे.

वीवीपीएस में जुटे 16 स्कूलों को बच्चे, प्रतियोगिता में मनवाया लोहा

जीवन में अनुशासित रहते हुए हमेशा आगे बढ़ते रहें : सुरेंद्र झा

संवाददाता। रांची

कौशल और उत्साह का शानदार दृश्य शनिवार को रांची के बोड़या रोड़ स्थित विद्या विकास पब्लिक स्कूल में देखा गया. स्पर्धा 2023, एक बहुप्रतीक्षित इंटर-स्कूल प्रतियोगिता, ऊर्जा और उत्साह के साथ संपन्न हुई. यह घटना केवल युवा मनों की कच्ची प्रतिभा को ही प्रदर्शित नहीं करती है, बल्कि भाग लेने वाले स्कूलों के बीच साथी भावना को बढ़ावा भी प्रदान करती है. रांची के लगभग 16 स्कूलों के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने सभी प्रतिभागी विद्यालयों से आये छात्रों एवं शिक्षकों का स्वागत किया. उन्होंने बच्चों में कौशल विकास को महत्व देते हुए कहा की विद्यार्थियों को स्वयं में आत्मविश्वास रखना चाहिए तथा नई उचाईयों को छूने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सुरेंद्र कुमार झा, आईपीएस 2010 बैच, झारखंड कैडर उपस्थित थे. विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि ने बच्चों को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित रखते हुए आशावादी दृष्टिकोण रखने की सलाह दी. साथ ही जीवन में अनुशासित रहते हुए जीवन पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. प्रतिभागियों ने बौद्धिक प्रज्ञा का प्रदर्शन किया, जटिल प्रश्नों का सामना करते हुए चर्चाओं में शामिल हुए.

छात्रों ने जीते पुरस्कार

पलोरल सिम्फनी (फ्लावर अरेंजमेंट) में प्रथम स्थान पर डीपीएस पब्लिक स्कूल रांची के राबक्वा फातमा एवं जिया मुखोपाध्याय रहे, द्वितीय स्थान पर विवेकानंद विद्या मंदिर रांची के प्रिया एवं आर्यन कुमार रहे. वहीं तृतीय स्थान पर जी एंड एच हाई स्कूल रांची के बनी गुप्ता एवं तनु गारी रहे.

रंगावली (रंगोली मेकिंग) में प्रथम स्थान पर सिंबायोसिस पब्लिक स्कूल बुंडू के शांभवी प्रसाद एवं सुहानी कुमारी रहीं, द्वितीय स्थान पर डीएवी नंदराज पब्लिक स्कूल रांची के आदित्य शर्मा, निशा कुमारी एवं विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची की प्रभा कुमारी और अनुप्रिया लकड़ा रहीं, वहीं ब्रिजफोर्ड स्कूल रांची कि स्मृति उरांव एवं प्रगति राज तथा संत माइकल स्कूल रांची के श्रेयांश एवं प्रियदर्शनी आर्या तृतीय स्थान पर रहे.

लाकुचीना (फायरलेस कुकिंग) में प्रथम स्थान पर ब्रिजफोर्ड स्कूल रांची के स्वयं शर्मा एवं वैभवी शर्मा रहीं, द्वितीय स्थान पर डीपीएस पब्लिक स्कूल रांची की तिसा रॉय एवं अन्वेष अग्रवाल तथा विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची की एलिना खान एवं युक्ति कुमारी रहीं, वही तृतीय स्थान पर टेंडर हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल रांची के अभिनव कुमार एवं कृष्णा कुमार रहे.

स्प्लस (पेंटिंग) में प्रथम स्थान पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची की खुशी कुमारी रहीं, द्वितीय स्थान पर गुरु नानक पब्लिक स्कूल रांची की रिद्धि भाटिया एवं विवेकानंद विद्या मंदिर रांची के रोहित कुमार रहे, वहीं तृतीय स्थान पर भी दो स्कूलों के प्रतिभागियों ने अपना दावा स्थापित किया जिसमें शारदा ग्लोबल पब्लिक स्कूल रांची की तनीसी प्रसाद एवं विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची के प्रीतम उरांव रहे.

आख्यान (हिंदी स्टोरी टेलिंग) में प्रथम स्थान पर सच्चिदानंद ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल रांची की अनन्या रानी, द्वितीय स्थान पर विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची के प्रिंस झा एवं तृतीय स्थान पर डीपीएस पब्लिक स्कूल रांची की श्रेयसी शर्मा एवं गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल रांची की मानसी दीप रहीं.

प्रेशियस पेरेबल्स (इंग्लिश स्टोरी टेलिंग) में प्रथम स्थान पर डीपीएस पब्लिक स्कूल रांची की शिवानी सिंह, द्वितीय स्थान पर लोयोला कॉन्वेंट स्कूल रांची की अनुष्का तिवारी एवं तृतीय स्थान पर गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल रांची की जानवी वर्मा एवं कैंब्रियन पब्लिक स्कूल रांची की आराध्या सिंह रहीं.

रचनात्मक प्रतियोगिताओं में कला का रंग

रचनात्मक प्रतियोगिताओं में रंग के विविध छटाओं ने दर्शकों को मोहित किया. कला का प्रदर्शन न केवल दृष्टिकोण का आनंद है, बल्कि यह छात्रों में समृद्धि और रचनात्मकता का भी प्रमाण है. स्पर्धा 2023 मन नहीं, शारीरिक क्षमता की भी मिसाल रही. अंग्रेजी एवं हिंदी कथा वाचन के प्रतिभागियों की बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता के साथ-साथ उनके मंच सामग्री ने सबका मन मोह लिया. फायरलेस कुकिंग में भी बच्चों में अपने-अपने व्यंजनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. इस इंटर स्कूल प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. जिसमें ब्रैनियाक ब्लिट्ज (क्विज) में प्रथम स्थान पर विद्या विकास पब्लिक स्कूल के प्रज्वल और सिद्धांत दुबे रहे, द्वितीय स्थान पर डीपीएस पब्लिक स्कूल रांची के ग्रीनोमय कीट एवं दिव्य कुमार सोनी द्वितीय स्थान पर रहे, सरला बिरला पब्लिक स्कूल के निश्चय रतन और अथर्व गुप्ता रहे.

श्री बालाजी महाराज की विशाल हनुमान ध्वजा पदयात्रा 31 से

रांची। श्री नरसिंहबांध बालाजीधाम बर्नपुर द्वारा 31 दिसंबर से 8 जनवरी तक नौ दिवसीय श्रीश्री बालाजी महाराज की विशाल हनुमान ध्वजा पदयात्रा निकाली जाएगी. इस दौरान 31 दिसंबर को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक 21 ब्राह्मणों का पद प्रक्षालन और पूजन के साथ श्री राम कथा की शुरुआत होगी. 4 जनवरी को सुबह 8 बजे से श्री राम चरित्र मानस पाठ होगा. 5 जनवरी को 3 बजे से मंगल पाठ और भजन कीर्तन का कार्यक्रम होगा. 6 जनवरी को दोपहर 3 बजे से सामूहिक सुंदरकांड का पाठ और भजन कीर्तन होगा. 7 जनवरी को सुबह 9 बजे से श्री श्री बालाजी महाराज की ध्वजा पदयात्रा निकलेगी. 8 जनवरी को सुबह 10 बजे से पूर्णाहुति और हवन होगा. श्री नरसिंह बंद बर्नपुर के संतोष भाई ने बताया कि इस दौरान 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक शिव स्थान मंदिर में श्री राम कथा का आयोजन किया जाएगा और कथा मर्मज्ञ राम मोहन महाराज द्वारा श्री राम कथा की जाएगी. इस दौरान आयोजन स्थल पर काली कंबल वाले बाबा के सानिध्य में 2 जनवरी से 6 जनवरी तक शिव स्थान मंदिर स्टेशन रोड बर्नपुर में निःशुल्क धार्मिक चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा.

भक्तों ने लिया श्याम भंडारा का प्रसाद

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में शनिवार को खाटू नरेश का मनोरम श्रृंगार किया गया. साथ ही बड़ी संख्या में भक्तों ने श्री श्याम भंडारा का प्रसाद लिया. इस साप्ताहिक भंडारे का आयोजन श्री श्याम मित्र मंडल ने किया था. सुबह दैनिक पूजन-आरती के बाद भक्तों का तांता दोपहर बाद तक लगा रहा. अपराह्न बाद श्रीश्याम को नवीन बागा पहना कर पुष्प श्रृंगार किया गया. गढ़वा से आये नंदलाल प्रसाद गुप्ता और शोभा देवी ने प्रभु को पोशाक और भोग निवेदित किया. इसके बाद भंडारा शुरू हुआ. कतार में लगे लोगों के बीच प्रसाद स्वरूप स्वादिष्ट भोजन परोसा गया. श्रीश्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, जयंत लाल गुप्ता, अंजू देवी, हेमंत लाल गुप्ता, सुजाता साहू, आर्यन, साक्षी, यशांश ,अविराज, प्रदीप राजगढ़िया, गौरव अग्रवाल मोनू, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनोली , स्नेह पोद्दार, अनुज मोदी, स्नेहा पोद्दार, अमित सरावगी , वेद भूषण जैन, श्याम सुंदर जोशी, कौशल चौधरी, कमलेश सावा, अंकित सिंह, मनोज खेतावत, अभिषेक सरावगी, मनीष वर्मा, झूलन मुंडा, उपेंद्र पांडे, सुक्रा उरांव, संजय शर्मा, अमित महतो, अभिषेक गुप्ता, तरुण शर्मा, नकुल मुंडा, पवन शर्मा, अरविंद सोमानी आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

रफी जैसा फनकार न कोई हुआ न होगा : मंजीत

रेहान अहमद। रांची

रांची के मंजीत सिंह सहानी को कुदरत ने किस्मत विश्व के प्रसिद्ध गायक मो रफी की आवाज दी है. मंजीत उनके गाये गाने को कई ऑर्केस्ट्रा प्रोग्राम समेत 5000 हजार से अधिक संगीत कार्यक्रम में अपने जलवे बिखेर चुके हैं. उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर 1924 को विश्व प्रसिद्ध गायक मो रफी कर जन्म अमृतसर के कोरला सुल्तान सिंह गांव में हाजी अली मोहम्मद के घर छठे पुत्र के रूप में हुआ था. उनके अंदर कुदरत ने संगीत के एक अलग की गुण दिये थे, जो किसी दूजे में नहीं. लोग उनकी आवाज का नकल जरूर कर लेते हैं, मैं भी उनकी आवाज के

गाये गाने दोहरा लेता हूं. लेकिन उनके गाने की जो क्वालीटी थी, गाने में जो दम थे, जो फन उसकी छाया की भी कोई दूजा नकल नहीं कर सकता है. वह फिलिंग तक नहीं ला पाते हैं, दूसरे गायक. मंजीत ने कहा कि रफी साहब संगीत के पुस्तकालय थे. उनकी जगह दुनिया में कोई ले नहीं सकता है. वह जिस फिल्म, संगीत हीरो के लिये गाते थे वह फिल्म, हीरो हिट हो जाते थे.

रफी के चुनिंदा गाने : रफी साहब ने शेरावाली, साई बाबा के लिए भी गाने गये. इन्होंने दुनिया के रखवाले, बैजूबावरा, खोया खोया चांद, जाने बहार हुस्न तेरा बेमिसाल, एहसान तेरा होगा मुझ पर, तूने पुकारा, ये चांद सा रौशन चेहरा, ओ मेरे सोना रे, ओ हसीना जुल्फो वाली, तुमने मुझे देखा, बहारो फूल बरसाओ, लिखे जो खत तुझे आदि शामिल हैं.वह जिसके लिये गाते थे लगता था फिल्म में वही हीरो गाना गा रहा हो, गाने में माहौल भी वैसा ही बनाते थे. उनकी आवाज जब जब सुनी जाएगी हमेशा नई ही लगेगी.

25 साल से मना रहे रफी साहब का जन्मदिन

मंजीत सिंह पिछले 25 वर्षों से मो रफी का जन्म दिन मना रहे हैं. उनकी तस्वीर रख कर केक काटते हैं. अपने साथियों एवं आस पास के लोगों को केक खिला कर रफी साहब के जन्म दिन की खुशियां मनाते हैं. मंजीत गो टारलेंटस में संगीत की तार छेंड़ने कोलकाता गये थे. इसके साथ वे आईपीएस, मिलिट्री, समेत वीआईपी कार्यक्रम में रफी साहब के गाये गाने को सुर देते हैं. जिसे लोग खूब सराहते हैं.

30 हजार गाने गाये

रफी साहब ने हिंदी, उर्दू, बंगाली, पंजाबी, मराठी, भोजपुरी, फारसी, अंग्रेजी, तेलुगू आदि में करीब 30,000 गाने गाये. इसके लिये 6 फिल्म फेयर अवार्ड, पद्माश्री सम्मान, राष्ट्रीय गायन पुरस्कार मिल चुके हैं. 31 जुलाई 1980 को हृदयाघात होने के कारण अस्पताल में भर्ती हुए. इलाज के दौरान उनका निधन हो गया. 56 वर्ष की आयु में दुनिया से रुखसत हो गये. पूरी दुनिया शोक में डूब गई. रविवार को उनकी जन्म तिथि पर उनकी कमी का एहसास करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं.

बायोलॉजी में एप्लीकेशन पर आधारित प्रश्नों पर करें फोकस

रांची। 15 फरवरी से सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा शुरू हो रही है. 12वीं कक्षा की बायोलॉजी की परीक्षा 19 मार्च को होगी. ऐसे में परीक्षा की तैयारी को लेकर सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल में बायोलॉजी की शिक्षिका अनन्या सेन ने इस विषय की तैयारी के लिए छात्रों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है. बायोलॉजी में छात्रों को अच्छे मार्क्स लाने के लिए एनसीईआरटी के हर एक चैप्टर्स के सभी टर्म, टेबल और डायग्राम को अच्छी तरह रिवीजन करना चाहिए. सभी चैप्टर्स के लास्ट पाराग्राफ पर विशेष ध्यान देकर अध्ययन करें.

ब्रीफ खबरें

बाइक चोरी करते चोर सीसीटीवी में कैद हुए

धनबाद । धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर इलाके से जेसी मल्लिक रोड निवासी वीरेंद्र यादव की बाइक चोरी हो गई. वीरेंद्र ने अपनी बाइक जिला परिषद और डा. संगीता करण अस्पताल के बीच में शाम करीब सात बजे लगाई थी. कुछ मिनटों बाद लौटने पर वीरेंद्र ने देखा कि बाइक नहीं है. वहीं आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखने पर एक युवक को बाइक चुराते देखा गया है. पुलिस को उक्त फुटेज दिया गया है.

धुरकी में तालाब में डूबने से युवक की मौत

धुरकी। धुरकी थाना क्षेत्र के बाजार टोला निवासी स्व. घुरबिगन राम के 35 वर्षीय पुत्र चंदन राम की मौत तालाब में डूबने से हो गई. जानकारी के अनुसार मृतक चंदन राम उर्फ पुलर की पिछले कई दिनों से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी. धुरकी मुखिया महबूब अंसारी ने बताया कि शाम में चंदन घर से निकाला था. सुबह घर नहीं आने पर परिजन खोजबीन करने लगे तो पता चला कि तालाब के उपर चप्पल व गमछी रखा हुआ है.उसी के निशानदेही पर तालाब में खोजा गया तो शव पानी के अंदर मिला.

पत्थर लदा ट्रक पलटा यातायात बाधित रहा

निरसा । निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालगंज मोड़ के समीप एनएच मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक विशेष प्रकार का पत्थर लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. जिससे ट्रक पर लदे पत्थर पूरे सड़क पर बिखर गया और कुछ देर के लिए कोलकाता लेन पर आवाजाही पूरी तरह से ठप हो गयी. मौके पर पहुंची निरसा थाना गश्ती दल ने तत्काल इसकी सूचना एनएच पेट्रोलिंग दल को दी. इसके बाद मौके पर पहुंचे एनएच कर्मियों ने तत्काल रोड को साफ कराया और परिचालन शुरू करवाया.

लूट की घटना का उद्भेदन करने का किया आग्रह

धनबाद। बाजार समिति चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को सिटी एसपी अजीत कुमार से मिला और पिछले दिनों बाजार समिति के व्यापारियों के साथ हुई लूट की घटना को विस्तार पूर्वक बताकर जल्द उद्भेदन की मांग की. विदित हो कि इसी महीने बाजार समिति के व्यापारी प्रकाश साव के कर्मचारी से लोयाबाद थाना क्षेत्र में लूट की घटना हुई थी उसके पश्चात व्यापारी शिवकुमार यादव से धनसार थाना क्षेत्र में लूट की घटना हुई.

वृद्ध की गला रेत कर हत्या,शव डैम में फेंका

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला की सोनुआ थाना क्षेत्र के पनसुआं डैम से निकले नहर में शनिवार को एक वृद्ध व्यक्ति का शव मिला. शव का गला रेता हुआ है. शव को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने वृद्ध व्यक्ति की गला रेतकर पहले हत्या की फिर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को एक बोरे में भरकर पनसुआं डैम में फेंक दिया. बताया जाता है कि शनिवार को जब कुछ ग्रामीण डैम से मछली पकड़ने के लिए पनसुआं डैम पहुंचे तो पाइप में शव को फंसा देखा.

10 हजार का धान और पुआल जलकर राख

(गिरिडीह) । तिसरी प्रखंड के बेलवाना पंचायत के गोलगो में एक किसान के खलिहान में रखा धान और पुआल शनिवार की सुबह जलकर राख हो गया. जानकारी के अनुसार गोलगो गांव के शमशीर आलम अपने खलिहान में पुआल और धान दोनों रखे हुए थे. तभी पास में ट्रांसफॉर्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे अचानक खलिहान में आग लग गया. इसके बाद देखते ही देखते आग धान में भी पकड़ लिया. जब तक गांव वाले ने मिलकर बुझाया, तब तक 10 हजार का धान और पुआल दोनों जल गया.

स्कूटी से गिरकर युवती घायल हुई

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर झरझरा मुख्य मार्ग के बांझीकुसुम केरा सड़क मार्ग के जारकी शिव मंदिर के समीप सड़क दुर्घटना में चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय की कंप्यूटर ऑपरेटर पल्लवी बोस स्कूटी से गिरकर घायल हो गई. बताया जाता है कि कंप्यूटर ऑपरेटर पल्लवी बोस शनिवार को चक्रधरपुर के होयहातु पंचायत में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में अपनी एक महिला सहकर्मी इशा हेंब्रम के साथ होयहातु गांव जा रही थी.

जमशेदपुर के शाहबाज समेत 8 संदिग्धों से हो रही पूछताछ

सौरभ सिंह। रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकी संगठन आईएसआईएस बल्लारी मॉड्यूल मामले की जांच कर रही है. इस मामले में एनआईए जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी मो. शाहबाज उर्फ जुल्फिकार समेत आठ संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ कर रही है. गौरतलब है कि बीते दिन झारखंड समेत चार राज्यों के 19 ठिकानों पर एनआईए ने छापा मारा था. एनआईए की टीम ने झारखंड के बोकारो और जमशेदपुर में छापेमारी की थी. वहीं कर्नाटक के बल्लारी व बेंगलुरु में भी छापा मारा था. इस छापेमारी के दौरान एनआईए ने बल्लारी मॉड्यूल के नेता मिनाज सहित आठ आरोपित को गिरफ्तार किया था. सभी आईएसआईएस आतंकी संगठन के समर्थन में आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे. उनका नेतृत्व मिनाज उर्फ सुलैमान कर रहा था.

आईएसआईएस बल्लारी मॉड्यूल मामला

जमशेदपुर समेत कई शहरों से हुई थी गिरफ्तारी

एनआईए ने बल्लारी से मिनाज उर्फ सुलैमान और सैयद समीर, मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मुनीरुद्दीन, सईद समिउल्लाह उर्फ समी और मुजम्मिल, दिल्ली से शयन रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से शहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार किया था. छापेमारी के दौरान एनआईए को इन ठिकानों से विस्फोटक सामग्र (सल्फर, पोटैशियम नाइट्रेट, चारकोल, गनपाउडर, सुगर व इथेनाल), तेज धारदार हथियार, अनगिनत नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज, स्मार्टफोन व अन्य डिजिटल उपकरण मिले थे. इस छापेमारी में एनआईए ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली पुलिस का सहयोग लिया था.

एक-दूसरे से एनक्रिप्टेड एप के माध्यम से जुड़े थे सभी आरोपी

एनआईए को जांच में जानकारी मिली है कि सभी आरोपित विस्फोटक सामग्री से आइईडी बनाने वाले थे, जिससे वे आतंकी गतिविधियों को संचालित करते. सभी एनक्रिप्टेड ऐप के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े थे. हिंसा, जिहाद, खिलाफत व आईएसआईएस की आतंकी गतिविधियों का संचालन इसी ऐप के माध्यम से एक-दूसरे से करते थे. उनके निशाने पर कॉलेज छात्र थे, जिन्हें वे अपने समूह से जोड़ने के लिए प्रयासरत थे. वे छात्रों के बीच जिहाद के उद्देश्य से मुजाहिदीन से जुड़े दस्तावेज भी प्रसारित करते थे.

आओ जानें

किस जिले में कितने मामले अनुसंधान के लिए है लंबित

रांची	10143	चतरा	1513
खूंटी	367	गिरिडीह	2026
गुमला	610	धनबाद	4004
सिमडेगा	193	बोकारो	2290
लोहरदगा	525	दुमका	1085
चाईबासा	806	गोड्डा	709
सराइकेला	964	जामताड़ा	463
जमशेदपुर	1930	देवघर	2630
पलामू	1991	साहेबगंज	1572
लातेहार	927	पाकुड	421
गढ़वा	1652	रेल धनबाद	340
हजारीबाग	3703	रेल जमशेदपुर	87
रामगढ़	524	कुल	41919
कोडरमा	444		

शुक्रवार रात पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पति को मार दी थी गोली

गुमला में गुस्साए ग्रामीणों ने एनएच-23 पर लगाया जाम

संवाददाता। गुमला

भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत सुपा वन गांव में शुक्रवार रात पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इसके विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने शनिवार सुबह एनएच-23 पर जाम लगा दिया. सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गईं. आक्रोशित ग्रामीण हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. बताया जाता है कि अपाची बाइक पर सवार दो अपराधी विजय की दुकान पर आये और उससे पेट्रोल, चॉकलेट, गुटखा खरीदा. इसके बाद पेचकस मांगा. इसी दौरान अपराधियों ने पीछे से विजय उरांव की पीठ में गोली मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

घटना की सूचना पर भरनो थाना प्रभारी कृष्णा कुमार तिवारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की. बाद में एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल भी मौके पर पहुंचे. इस संबंध में गुमला के एसपी एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि बाइक सवार दो अपराधी मुंह ढंककर पूर्व पंचायत समिति सदस्य के दुकान पहुंचे थे. दुकान पहुंचते ही पेट्रोल लिया. इसके बाद कुछ अन्य सामान भी खरीदे. अंत में बाइक खराब होने के नाम पर पेचकस मांगी. विजय उरांव ने बेटे से पेचकस लाने को कहा. इस बीच अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी. अपराधियों के बारे में कुछ जानकारी मिली है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

हाथी के कुचलने से महिला की मौत, बच्ची घायल

गढ़वा (रंका)। गढ़वा के रंका अनुमंडल के सीमावर्ती गांव गोदरमाना चमारटोली में शुक्रवार की रात जंगली हाथी ने एक महिला को कुचलकर मार डाला. वहीं, उसकी तीन वर्षीय बच्ची घायल हो गयी. महिला की पहचान 22 वर्षीय ममता देवी के रूप में हुई है. आवाज सुनकर आस-पास के लोग वहां जुट गये. लोगों ने लुकवारी जलाकर हाथी को भगाया. इसके बाद बच्ची को पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गये, जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद उसको परिजन को सौंप दिया. घटना के बाद जंगलों के आस-पास रहने वाले किसानों में भय का माहौल है.

हाथी को देख बच्चे को लेकर भाग रही थी महिला : जानकारी के अनुसार, हाथी ममता देवी के घर के पास लगे पौधे को खा रहा था. हाथी को देखकर वो अपने बच्चे को लेकर भागने लगी. तभी हाथी ने महिला को उठाकर पटक दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. जबकि उसकी बच्ची झाड़ी में गिरने की वजह से घायल हो गयी. आसपास के लोगों ने बताया कि महिला अकेले अपनी 3 वर्षीय बेटी के साथ रहती थी. उसका पति पलामू जिले के रेहला गांव में मजदूरी करता है.

परिजनों ने चार लाख मुआवजे की मांग की

घटना की जानकारी मिलते ही वनकर्मी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं. पीड़ित परिवार ने वन प्रमंडल पदाधिकारी शशि कुमार से चार लाख की मुआवजा राशि की मांग की है. पंचायत की मुखिया गीता देवी और मुखिया पति शंभू प्रसाद गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचे हैं. इधर, घटना के बाद ग्रामीणों में भी काफी आक्रोश है. वे सड़क जाम करने की तैयारी में हैं. बता दें कि आये दिन वन प्रमंडल क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं. लेकिन वन विभाग जंगली हाथियों को भगाने के लिए कोई पहल नहीं कर रही है.

धनवार के मजदूर की कोलकाता में करंट से मौत, घर में मचा कोहराम

धनवार (गिरिडीह)। धनवार थाना क्षेत्र के बालकिडीह गांव के प्रवासी मजदूर की मौत बुधवार को कोलकाता में हो गया. बताया जाता है धनवार थाना क्षेत्र के गोरहन्द पंचायत के बालकिडीह निवासी महावीर यादव का 45 वर्षीय पुत्र नारायण यादव कोलकाता में भवन निर्माण में एक मजदूर के रूप में काम करता था. बुधवार को कार्य करने के दौरान बिजली के चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. इस दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद समाजसेवी मोहन यादव, माले नेता रामेश्वर चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि भीखी पासवान एवं पूर्व मुखिया संजय साव के अथक प्रयास पर तीन दिन के बाद मृतक के शव को पैतृक गांव लाया गया. मृतक का शव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया. मृतक की पत्नी सावित्री देवी व 10 वर्षीय पुत्री शीतल कुमारी शव को देखते ही चीत्कार कर रोने लगी, बार-बार बेहोश हो रही थी.

हत्या के आरोपी फरार, पुलिस ने घर पर चिपकाया इश्तेहार

- 16 वर्षीय किशोर की अपहरण कर की थी हत्या

संवाददाता। रांची

16 वर्षीय लड़के का अपहरण कर हत्या करने के आरोपियों के घर पुलिस ने शनिवार को इश्तेहार चिपकाया है. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पंडरा ओपी की पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी राहुल दयाल और बिन्नी दयाल के टेंडर ग्राम स्थित घर पहुंचे और इश्तेहार चिपकाया. गौरतलब है कि बीते एक मई 2018 को पंडरा ओपी क्षेत्र के हेसल जतरा टांड़ से रोशन नाम के लड़के का अपहरण किया गया था. इसके बाद झिरी टेंडर ग्राम ले जाकर उसकी गोली मार हत्या कर दी गयी थी. फिर आरोपियों ने उसके शव को चौपारण के जंगल में ले जाकर पेट्रोल डालकर जला दिया गया था. काफी जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने शव बरामद किया था. अनुसंधान के दौरान पाया गया था कि घटनास्थल पर कुछ ही लोगों को देखा गया था.

क्या है मामला

पंडरा ओपी क्षेत्र के रहने वाले फागू कुजूर का 16 वर्षीय पुत्र रोशन कुजूर 25 अप्रैल 2018 को रहस्यमय ढंग से गायब हो गया था. परिजनों ने पुलिस को गायब होने की सूचना दी थी. लेकिन पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखायी. इसके बाद एक मई 2018 को पता चला कि आरोपितों ने उसे गोली मारकर हत्या कर दी है.

व्हाट्सएप के माध्यम से लड़की को प्रेम जाल मे फंसाया था

नाबालिग से किया यौन शोषण,जेल

संवाददाता। तरहसी (पलामू)

व्हाट्सएप के माध्यम से एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को प्रेम जाल में फंसा कर उसका छह माह से यौन शोषण करने का मामला सामने आया है. 22 वर्षीय युवक शादी का प्रलोभन देकर किशोरी का यौन शोषण कर रहा था. मामले में जिले के तरहसी थाना में मामला दर्ज कराए जाने के 24 घंटे के भीतर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. उसके खिलाफ तरहसी थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. प्राथमिकी अभियुक्त की पहचान धीरज मेहता, उम्र 22 वर्ष, पिता सुदेश्वर मेहता, ग्राम बसु, थाना पड़वा, जिला, पलामू के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार 6 माह पहले डालटनगंज में इंटर की पढ़ाई करने के दौरान तरहसी थाना क्षेत्र के सोनपुर पंचायत क्षेत्र की 15 वर्षीय छात्रा को धीरज मेहता ने व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेम जाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर 6 माह तक यौन शोषण किया.

पोक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र के जेरूआडीह से पोक्सो एक्ट के आरोपी किशोर मेहरा उर्फ किशोर कुमार दास को मुफ्फसिल थाना पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. आरोपी के विरुद्ध मुफ्फसिल थाना में 15 दिसंबर 2023 को केस दर्ज किया गया था. केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी किशोर कुमार दास को उसके घर जेरूआडीह से गिरफ्तार किया.

ठंड बढ़ते ही कोयलांचल में बढ़ीं चोरी की घटनाएं

झरिया में एक ही रात डॉक्टर सहित 4 के घरों में लाखों की चोरी

संवाददाता। झरिया

ठंड बढ़ते ही कोयलांचल में चोरों का आतंक बढ़ गया है. झरिया में शुक्रवार की देर रात चोरों ने कोयरीबांध में एक डॉक्टर समेत चार घरों में नकदी समेत लाखो रुपये के आभूषण व कीमती सामान पर हाथ साफ किया. सुबह सोकर उठने पर परिवार के लोगों को घटना की जानकारी हुई. झरिया थाना के एसआई कामता प्रसाद यादव ने दल-बल के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की. चोरों ने डॉ सुनील गुप्ता, संजीव साव, कृष्णा केसरी और धीरन प्रसाद केसरी के घरों में घटना को अंजाम दिया. डॉ. सुनील गुप्ता ने बताया कि चोर पीछे की तरफ से छत पर चढ़कर घर में घुसे. बेटा रात में पढ़ाई कर रहा था. इसी बी उसे नींद लग गई और मेन दरवाजा खुला रह गया. चोर घर में रखे 15 हजार रुपए नकद, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, कपड़े समेत करीब 30 हजार रुपए के समान ले गए हैं.

चोरों ने संजीव साव के घर से दो सोने के लॉकेट, दो मोबाइल व 8 हजार रुपए नकद समेत करीब 50 हजार के सामान चोरी कर ली. इसी तरह धीरन प्रसाद केसरी और कृष्णा केसरी के घर से चोरों ने कीमती सामान पर हाथ साफ किया और चलते बने. झरिया थाना के एसआई कामता प्रसाद यादव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है.

गुमला में वाहन के धक्के से ग्रामीण की हुई मौत

गुमला । गुमला-पालकोट रोड में कार्तिक उरांव कॉलेज गुमला के समीप शनिवार की सुबह अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मार्निंग-वॉक पर निकले ग्रामीण बबलू नरेश टोप्पो उर्फ चारो की मौत हो गई. मृतक चारो पुगू पंचायत के ढावंठाटोली गांव का रहने वाला था. परिजनों के अनुसार प्रत्येक दिन सुबह में वह मार्निंग-वाक में निकलता था. मार्निंग-वाक में निकले अन्य लोगों ने ही ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी. मृतक की पहचान ढावंठाटोली निवासी चारो के रूप में पहचान की और उसके परिजनों को सूचना दी. घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई. घटना स्थल पर बोलेरो का कुछ पार्ट्स गिरा हुआ था जिससे संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि मार्निंग-वाक कर रहे चारो को अज्ञात वाहन ने धक्का मारते हुए भाग गया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

जामताड़ा के सहरपुरा पंचायत के जोड़भीठा गांव की घटना

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता। जामताड़ा

जामताड़ा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत सहरपुरा पंचायत के जोड़भीठा गांव के बोनपाड़ा जंगल में एक युवक का शव बरामद हुआ है. ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह युवक का शव पेड़ पर लटकता पाया. जिसके बाद जामताड़ा थाना को घटना की जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर और शव को अपने कब्जे में लेकर जामताड़ा सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी है.

शव की शिनाख्त में जुटी है पुलिस : जामताड़ा थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर रौशन कुमार ने कहा कि अज्ञात युवक का शव पेड़ से झूलता बरामद हुआ है. युवक की हत्या की गयी है या फिर उसने आत्महत्या की है, पुलिस दोनों बिंदुओं की जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा. बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी है.

गोविंदपुर में युवक का गला रेता, गंभीर

धनबाद। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के रामनगर में शनिवार को जमीन विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति बुरी तरह लहू-लुहान हो गया है, उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. बताया जाता है कि रामनगर निवासी नंदू कुमार का जमीन विवाद में कुछ अज्ञात लोगों ने गला रेत दिया. इसके बाद आनन-फानन में परिजन उन्हें इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए. जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने जालान अस्पताल रेफर कर दिया है. घटना की सूचना गोविंदपुर पुलिस को दे दी गई है.

पोड़ैयाहाट में पत्थर से कूच कर अधेड़ की हत्या

गोड्डा । गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट थाना के डहूपघार गांव के बाहरी हिस्से में शनिवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति का मिलने से ग्रामीणों में कोहराम मच गया. शव देखने से प्रतीत होता है कि व्यक्ति की हत्या पत्थर से कूच कर की गई है. चेहरा कुचलने से शव की पहचान नहीं हो पा रही थी. बाद में उसकी पहचान द्रुपद गांव निवासी गिरधारी यादव के रूप में हुई. जिला मुख्यालय से एसडीपीओ जेपीएन चौधरी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया. सदर अस्पताल में ही इस बात का खुलासा हुआ कि शव गिरधारी यादव का है. सूचना मिलते ही द्रुपद गांव से परिजन अस्पताल पहुंचे और शव की पहचान की. गिरधारी यादव अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था. उसकी हत्या कर शव दूसरे गांव डहूपघार के बाहर खेत में फेंक दिया गया.

हादसा मैथन ओपी क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया के बरमुड़ी ओसीपी में हुआ हादसा

अवैध खनन के दौरान चट्टान गिरा, एक की हालत गंभीर

संवाददाता। मैथन

मैथन ओपी क्षेत्र के ईसीएल मुगमा एरिया के बरमुड़ी ओसीपी में शनिवार को सुबह करीब दस बजे अवैध खनन के दौरान बड़ा चट्टान गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. कोयला चोरों ने आनन फानन में उसे उठाकर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. मैथन पुलिस ऐसी किसी घटना से इनकार कर रही है.

घटना के संबंध में बताया जाता है कि रोजाना की तरह शनिवार को भी बरमुड़ी ओसीपी के बंद पड़े इनकलाईन में दर्जनों की संख्या में लोग कोयला काटने के लिए अवैध मुहाने में घुसे थे. कोयला काटने के दौरान एक बड़ा चट्टान युवक के हांथ के ऊपर आ गिरा, जिससे उसका हांथ शरीर से अलग हो गया. इसके बाद वहां अफरा तफरी का माहौल हो गया. आनन फानन में कोयला चोरों ने घायल युवक को वहां से लेकर स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है. घायल युवक चिरकुंडा थाना क्षेत्र के नदी धौड़ा का बताया जा रहा है. बताया जाता है कि लंबे समय से यहां कोयले की अवैध खनन किया जा रहा है. अवैध खनित कोयले को इकट्ठा कर ट्रैक्टर के माध्यम से स्थानीय भट्ठा में कोयला खपाया जाता है. फिर यहां से फर्जी कागजातों के माध्यम से अवैध कोयला को बंगाल, बिहार, यूपी आदि राज्यों में भेज दिया जाता है. यह सारा गोरखधंधा ईसीएल प्रबंधन एवं स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से कोयला चोरों द्वारा अंजाम दिया जाता है. इस घटना के बाद कोयला चोरों द्वारा अवैध मुहाने को ढक दिया गया है. जब इस पूरे मामले में मैथन ओपी प्रभारी विकाश कुमार यादव ने ऐसी किसी घटना से साफ इनकार करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी घटना की कोई सूचना नहीं है.

खास बातें

- पुलिस ने घटना से किया इनकार, कहा-जानकारी नहीं
- आनन-फानन कोयला चोर घायल को लेकर भाग निकला

बीसीसीएल कर्मी के घर के पीछे धमाका,बम विस्फोट का शक

संवाददाता। सिंदरी

सिंदरी थाना क्षेत्र के डोमगढ़ स्थित एफसीआईएल आवास संख्या डीएलटू 41 निवासी शंकर भुईंया के घर के पीछे शुक्रवार की देर रात दरवाजे के नजदीक संभावित बम फटने की घटना प्रकाश में आई है. शंकर भुईयां गोपालीचक स्थित बीसीसीएल कोलियरी में कार्यरत हैं. सूचना के आधार पर सिंदरी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी प्राप्त की. भुईंया के पुत्र विजय कुमार भुईंया ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग बारह बजे घर के पीछे जोरदार आवाज हुई. उसने बताया कि देर रात वह पढ़ाई कर रहा था और आवाज के बाद बाहर आकर देखा तो घर के पीछे दरवाजे के नजदीक दीवार के किनारे यह आवाज हुई थी.

इसके कारण जमीन में गड्ढा हो गया था और उपर लगे एस्बेस्टस शीट टूट गए थे. गड्ढे के नजदीक रखे पानी के पाइप के चिथड़े उड़ गए थे. पड़ोसियों ने बताया कि आवाज इतनी जोरदार थी कि इसकी गूंज लगभग आधे किलोमीटर दूर तक सुनाई दी. स्थानीय लोगों ने मछली मारनेवाले डायनामाइट के फटने की आशंका भी जताई. सिंदरी थाना प्रभारी प्रभात कुमार सिंह ने बताया कि घटना संज्ञान में है और जांच चल रही है. लिखित शिकायत आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन भाव में चंद्रमा है. क्रोध से बचें. कारोबारी बड़ा लाभ होने के योग हैं. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. कोई धनहानि हो सकती है, सावधानी रखें. रोजगार प्राप्ति के प्रयास भरपूर करें. कार्य होगा और सफलता प्राप्त होगी.

वृषभ पैतृक संपत्ति में कोई विभाजन हो सकता है. समय अनुकूल है. लगन व उत्साह से कार्य कर पाएंगे. रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. इत्र का प्रयोग करें.

मिथुन मंगल कुछ विवाद का कारण बन सकता है. स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही न करें. कोई बुरी खबर मिल सकती है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. दुष्टजनों से सावधान रहें. हानि पहुंचा सकते हैं. भावना में बहकर कोई निर्णय न लें.

कर्क समय बहुत ही अच्छा है. चंद्र उच्च के हैं. मान-सम्मान मिलेगा. खोई हुई वस्तु प्राप्त हो सकती है. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

सिंह पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. नौकरी में मातहतों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा. किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या भाग्य का साथ मिलेगा. रोजगार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. विवाद में विजय प्राप्त होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यापार अच्छा चलेगा.

तुला किसी से कोई विवाद हो सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी होने की आशंका है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है. इंद्र गायत्री का जाप करें.

वृश्चिक व्यापार में लाभ होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. संतान पक्ष से अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता का वातावरण बन सकता है. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु खून संबंधित कोई रोग हो सकता है. सावधानी आवश्यक है. आर्थिक उन्नति के लिए योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. रुके कार्य पूर्ण होंगे. मित्रों तथा रिश्तेदारों में सुधार होगा. मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे.

मकर शिक्षा में कोई नया बदलाव हो सकता है. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में लंबित कार्य अनुकूल होंगे. व्यस्तता रहेगी. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

कुंभ किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. लापरवाही न करें, विशेषकर गृहिणियां सावधान रहें. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. आय में निश्चितता रहेगी. शनि को खुश करें.

मीन पराक्रम से राजयोग बनेगा, पर कुछ राजभय रहेगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. कोर्ट-कचहरी के कार्य गति पकड़ेंगे. धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. शनि को खुश करें.

लोक अदालत में 16 मामलों का निष्पादन

पाकुड़ । जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से न्याय सदन पाकुड़ में शनिवार को इस साल की अंतिम मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया. लोक अदालत में कुल पांच बेंच का गठन कर वादों की सुनवाई की गई. अपर जिला सत्र न्यायाधीश प्रथम राकेश कुमार व जिला न्यायाधीश विशाल मांझी की उपस्थिति में सुलह के आधार पर 16 वादों का निष्पादन किया गया. साथ ही 17 लाख दो हजार रुपए की वसूली भी की गई.

शेक्सपियर के नाटक का हुआ मंचन

धनबाद। एसएसएलएनटी महिला कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के छात्रों ने 23 दिसंबर को वार्षिक आयोजन के रूप में विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित नाटक द मर्चेंट ऑफ वेनिस का मंचन किया. सेमेस्टर फाइव की छात्राएं साक्षी, किरण, मीनल, अनु प्रिया, श्रेया, पूजा सिंह, शिल्पी सरकार, महक परवीन और सेमेस्टर थ्री की छात्राएं दीपिका ओजस्वी, रोमा कर्मकार, पूजा कुमारी, आलिया हसन, सावित्री कुमारी, स्नेहा सिंह ने नाटक में भाग लिया. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ शर्मिला रानी, प्रो प्रभारी डॉ सुमिता तिवारी, विभागाध्यक्ष वाणिज्य बिमल मिंज, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी डॉ. कविता धीरहे, डॉ. प्रिया मधुलिका एक्का, डॉ प्रिया आराध्या एक्का, निरजा एंजेला ज़ाक्सा, बिनीता सोरेंग, डॉ. मीता मालखंडी, डॉ. धीरज कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे.

तारगा में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

महुदा। सरकार आपके द्वारा अभियान के तहत शनिवार को बाघमारा प्रखंड अंतर्गत तारगा पंचायत सचिवालय में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए. कार्यक्रम का उद्घाटन अंचल अधिकारी रवि भूषण प्रसाद, मुखिया पिंकी देवी, पंसस रूपदेव रवानी, उप मुखिया लखीराम महली, मुखिया प्रतिनिधि कैलाश रवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. तत्पश्चात सभी विभागों में आवेदन पत्र जमा करना शुरू किया. इस दौरान लोगों ने भारी मात्रा में अबुआ आवास रोजगार गारंटी कानून के तहत जॉब कार्ड, राशन कार्ड, छात्रों के लिए भी गुरुजी क्रेडिट कार्ड का फार्म जमा किये. शिविर में शमीम शेख, एलएस मंजु कुमारी, कृष्णा कुमारी, बीईईओ अशोक कुमार पाल, वार्ड सदस्य यमुना देवी,आदि मौजूद थे.

चिंताजनक : सरकारी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नई गाइडलाइन जारी, पिकनिक स्पॉट से लेकर रिसॉर्ट, मॉल और होटलों में भीड़ का बढ़ना तय

क्रिसमस और नववर्ष उत्सव की धूम में कहीं कोरोना न बना ले पैठ

संवाददाता । धनबाद

कोरोना के केस देश में हर दिन बढ रहे हैं. इस बीच लगातार केंद्र सरकार अलर्ट रहने की बात कह रही है. वहीं क्रिसमस और नववर्ष उत्सव में धूम मचाने की भी तैयारी है. पिकनिक स्पॉट से लेकर रिसॉर्ट, मॉल और होटलों में भीड़ बढना तय है. इसे लेकर सरकार भी चिंतित है. इसे लेकर सभी जिले के आला अधिकारियों और सिविल सर्जन को विशेष निर्देश दिए गए हैं. उधर, आईडीएसपी सेल भी लगातार नजर बनाए हुए है. सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रताप ने जिले के सभी निजी व सरकारी अस्पतालों के अलावा स्वास्थ्य केंद्रों के लिए नयी गाइडलाइन जारी की है. बताते चलें कि केरल में कोरोना के नये वेरिएंट जेएन वन के मरीज पाये जाने के बाद देशभर के सभी जिलों को अलर्ट जारी किया गया है.

धनबाद जिले में कोरोना जांच की व्यवस्था नहीं

कोरोना का नया वेरिएंट अपना पांव पसार चुका है लेकिन जिले में अब तक जांच की व्यवस्था शुरू नहीं की गई है. एक तरफ विभाग के पास रैपिड कीट नहीं है तो वहीं आरटीपीसीआर जांच के लिए उपयोग में आने वाले कीट भी नहीं हैं. ऐसे में जांच की व्यवस्था ठप है. क्रीसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए बाहर से लोग झारखंड आते हैं. इसके लिए ट्रेन, बस और फ्लाइट माध्यम है. लेकिन ट्रेन और बस से आने वाले लोगों की जांच शुरू नहीं किया गया है. ऐसे में अगर एक भी कोविड संक्रमित मरीज का जिले में प्रवेश होता है तो संक्रमण का खतरा बढ जाएगा. विभाग का कहना है कि जांच के लिए मुख्यालय से कीट की मांग की गई है.

आईडीएसपी को गंभीर मरीजों की रिपोर्ट देना अनिवार्य

सिविल सर्जन डॉ सीबी प्रतापन ने बताया कि कोरोना को लेकर सभी निजी और सरकारी अस्पतालों को विशेष निगाह बनाकर रखने का निर्देश दिया गया है. खासकर वैसे मरीज जिन्हें श्वसन संबंधी परेशानी हो, इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और ऑक्सीजन की कमी हो, वैसे मरीजों की रिपोर्ट आइडीएसपी को उपलब्ध कराना है. साथ ही ऐसे मरीजों का आरटीपीसीआर जांच कराने का निर्देश दिया गया है. पॉजिटिव मरीजों को आइसोलेट करने का निर्देश मुख्यालय से मिला है. आईडीएसपी सेल के नोडल पदाधिकारी डॉ राजकुमार सिंह ने बताया कि आइएलआइ और एसएआरआइ की चपेट में बच्चे और बुजुर्ग जल्द आते है. हालांकि, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से युवा भी चपेट में आ सकते हैं. फ्लू से निमोनिया के साथ सांस लेने में दिक्कत होती है. अपने और अपने परिवार की बचाव करना जरुरी है.

सियासत : सभी तैयारियां पूरी, जुटेंगे देश भर के जनजाति समाज के लोग

जनजाति सुरक्षा मंच की उलगुलान आदिवासी डिलिस्टिंग महारैली आज

संवाददाता। रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के बैनर तले उलगुलान आदिवासी डिलिस्टिंग महारैली में देश भर के जनजाति समाज के लोग जुटेंगे. 24 दिसंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में होने वाली इस महारैली की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है. जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेशराम भगत (पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़) ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस महारैली में हजारों की संख्या में जनजाति समाज के लोग राज्य के विभिन्न जिलों से शिरकत करेंगे. अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखने का आह्वान करेंगे.

गणेशराम भगत ने बताया कि धर्मान्तरित व्यक्तियों को अनुसूचित जनजाति के आरक्षण का लाभ नहीं मिले यही मंच का प्रमुख मुद्दा रहेगा. इस मुद्दे को स्वर्गीय कार्तिक उरांव की संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखा था. ताकि जिसने जनजाति परंपरा तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया है और ईसाई या इस्लाम धर्म अपना लिया है. उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जायेगा और उसे अनुसूचित जनजाति का आरक्षण नहीं मिलेगा. देश के 700 से अधिक जनजातियों के विकास एवं उन्नति के लिये संविधान निर्माताओं ने आरक्षण एवं अन्य सुविधाओं का प्रावधान किया था, लेकिन इन सुविधाओं का लाभ अधिकतर वे लोग उठा रहे हैं, जो अपनी रूढ़ि प्रथा छोड़कर ईसाई या मुस्लिम बन गए हैं. इन सुविधाओं का 80 फीसदी लाभ मूल जनजाति समुदाय से छीन रहे हैं.

मीडिया को जानकारी देते जनजाति सुरक्षा मंच के संयोजक गणेश राम भगत

आरक्षित सीट पर धर्मान्तरित व्यक्ति को नहीं दें टिकट

गणेशराम भगत ने कहा कि राजनीतिक दल भी अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित सीट पर धर्मान्तरित व्यक्ति को टिकट नहीं दें. जनजाति वर्ग के लिये आरक्षित सरकारी नौकरियों को हथियाने वाले ऐसे गलत एवं षड्यंत्रकारी धर्मान्तरित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आगे आएं. केंद्र एवं राज्य सरकारों में ऊंचे पदों पर बैठे अफसरों से भी यह अपेक्षा है कि वे समाज के अंतिम छोर पर खड़े इस जनजातीय समुदाय की आवाज बनें. और धर्मान्तरित व्यक्तियों को अनुचित लाभ देने से खुद को रोकें. भारत के प्रत्येक संसद एवं विधानसभा सदस्य से अपेक्षा की जाती है कि वे जनजातियों को उनका हक दिलाने में अपनी ओर से व्यक्तिगत रुचि लेकर पहल करें और धर्मान्तरित व्यक्तियों को बेनकाब करें. प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक राजकिशोर हांसदा, प्रकाश सिंह उईके (पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश), क्षेत्रीय संयोजक संदीप उरांव, प्रांत संयोजक हिन्दुवा उरांव, केन्द्रीय टोली सदस्य मेघा उरांव मौजूद थे.

सांप्रदायिक एजेंडा है डिलिस्टिंग की मांग

रांची। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कहा है कि डिलिस्टिंग किये जाने की मांग आरएसएस-भाजपा का सांप्रदायिक एजेंडा है. माकपा का यह मानना है कि आदिवासी देश व दुनिया के विभिन्न देशों में एथनिक रूप से आदिवासी हैं, जिनका धर्म चाहे कुछ भी हो उनकी जाति नहीं बदलती है. हमारा संविधान धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए आदिवासी भी कोई धर्म अपना सकते हैं. राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा है माकपा ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाए आदिवासियों को जनजाति की सूची से बाहर करने की मांग का कड़ा विरोध करती है. जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित रैली आदिवासियों को धर्म के आधार पर विभाजित करने की सोची-समझी साजिश है. माकपा राज्य की लोकतंत्र पसंद जनता और आदिवासियों से अपील करती है कि वे एकजुट होकर भाजपा-आरएसएस की नफरत व सांप्रदायिक आधार पर बांटने की राजनीति का विरोध करें और उसे परास्त करें.

डिलिस्टिंग से क्या होगा

- झारखंड में 26 .21 प्रतिशत में से 14 प्रतिशत से अधिक ईसाई आदिवासी हैं. इससे 14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों की जमीन सामान्य हो जाएगी. यानि जमीन का हस्तांतरण या लूट होगी.
- **14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों को सामान्य मानने से कई पंचायत, प्रखंड जिला के पंचायत, नगर निकाय और एमएलए व एमपी की एसटी सीटें घटेंगी, जिसकी परिणति आदिवासी जनता के खिलाफ नीति-कानून बनने के रूप में होगी.**
- 14 प्रतिशत ईसाई आदिवासियों को सामान्य मानने से राज्य में पांचवीं अनुसूची के संवैधानिक व्यवस्था पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा.

डिलिस्टिंग महारैली पर कड़ी निगरानी की मांग

रांची। राज्य के विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन के प्रतिनिधि ने शनिवार को पुलिस प्रशासन से डीलिस्टिंग महारैली पर कड़ी नजर रखने की मांग की है, क्योंकि ईसाई और इस्लाम धर्म को अपनाने वाले आदिवासियों को जनजाति की श्रेणी से हटाने की मांग 24 दिसम्बर को मोरहाबादी मैदान से किया जाएगा. लिखित आवेदन में कहा गया है कि जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आदिवासियों को सरना ईसाई के नाम पर लड़ाना, आदिवासियों की जमीन को लूटना, आदिवासियों के स्वतंत्र अस्तित्व को खत्म करना और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर रैली बुलायी गयी है .आदिवासियों के धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश है.

प्रभु यीशु प्रेम एवं शांति के प्रतीक : डॉ. रामेश्वर उरांव

क्रिसमस के मौके पर लोगों को बधाई देते वित्तमत्री रामेश्वर उरांव

संवाददाता। लोहरदगा

झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने शनिवार को विभिन्न विद्यालयों एवं गिरजाघरों में जा कर क्रिसमस की बधाई दी. इस क्रम में वे उर्सुलाइन बीएड कॉलेज, उर्सुलाईन गर्ल्स हाई स्कूल, संत उर्सुला हॉस्पिटल, जीईएल एवं एनडब्लू जीईएल चर्च, लीवेंस एकेडमी, आगमन, सीएनआई चर्च लोहरदगा,आरसी चर्च पेरिस पहुंच कर मसीही समुदाय से मिले. उनका कुशलक्षेम जाना और क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दीं. डॉ. उरांव ने कहा कि प्रभु यीशु प्रेम और शांति के प्रतीक हैं. पूरे विश्व में अहिंसा, सत्य और सेवा का संदेश फैलाया. उसी तर्ज पर आज मिशनरी भाई बहन मानव धर्म की सेवा शिक्षा ,स्वास्थ्य, भाषाओं का संरक्षण एवं कल्याणकारी कार्य हर एक क्षेत्र में कर रहे हैं. हमें अपने जीवन में मसीह यीशु को आदर्श बनाकर चलने की जरूरत है. उन्होंने सभी राज्य वासियों को क्रिसमस एवं नववर्ष की शुभकामनाएं दीं. इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, विशाल डुंगडुंग, अनुराग टोप्पो, सिस्टर शीला, सिस्टर बसंती, सिस्टर आश्रिता, डॉ आइलिन, नेम्हस तिर्की, विश्राम केरकेट्टा, जॉर्ज कुजूर, नेलशन तिर्की, ऊषा मिंज, शांति तोपनो, अमर मिंज, होसियाना तिर्की, असलम अंसारी, सुशीला मिंज, रश्मि तिर्की, लोतेम डुंगडुंग, शबनम तिर्की, पादरी संजय लकड़ा, संदीप किस्पोटा, सत्यवती कुजूर, फादर वीरेंद्र खलखो, संजय लकड़ा, राजू कुजूर, संगीता कुजूर, जेवियर लकड़ा, फादर थॉमस, फादर अजय सोरेन आदि उपस्थित थे.

सर्वधर्म सामूहिक विवाह 17 जनवरी को, तैयारियों पर चर्चा

संवाददाता। धनबाद

सर्व धर्म सामुहिक विवाह समिति के द्वारा शनिवार को महिला विंग की बैठक हिरापुर स्थित वेडिंग विल्स मैरेज गार्डन में हुई.जिसमे 17 जनवरी 2024 को होने वाले सामुहिक विवाह की तैयारी पर चर्चा की गई .बैठक में महिला विंग की सदस्यों ने बताया कि समिति के तरफ से लगातार 10 वे वर्ष सफल सामूहिक विवाह समारोह किया जा रहा है, जिसमें महिला विंग समितियों का भी अहम योगदान होगा. 12 जनवरी को सभी जोड़ों को एक जैसे शादी के जोड़े धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में दिये जाएगे. बैठक में जया सिंह, पिंकी गुप्ता, रमा सिन्हा, पिंकी सिंह, डाक्टर सुनीता सिंह, अर्पिता, मीनु अग्रवाल, रिमा, बिन्दी पाठक, मधु सिन्हा, वर्षा, पुष्पा, कंचन, रूबी, अन्नु, संगीता जयसवाल, अर्चना, बविता सिंह, काजल, मनिषा, दीपाली आदि ने भाग लिया.

कर्मचारी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता । जमशेदपुर

स्थानीय आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कर्मचारियों के लिए चल रहे कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ. कार्यक्रम के पांचवें व अंतिम माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अन्तर्गत सिखाये गये सभी सॉफ्टवेयर टूल्स के लिए सभी कर्मचारियों का एक टेस्ट लिया गया. आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आईक्यूएसी सेल की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार तिवारी ने प्रमाणपत्र वितरण किए. कार्यक्रम में प्राचार्य के अलावा आईक्यूएसी के सदस्य प्रो शैलेंद्र कुमार प्रसाद, प्रो कृष्ण मुरारी, प्रो शरद चंद्र महतो, डॉ शमशीर आलम, प्रो हेमंत कुमार महतो एवं डॉ सुरजीत कुमार आदि उपस्थित थे.

आकर्षण का केंद्र बना अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन गो ग्राम कुंभ

संवाददाता। धनबाद

एकल अभियान धनबाद द्वारा शनिवार को तीन दिवसीय गो ग्राम कुम्भ का आयोजन धनबाद के न्यू टाउन हॉल में किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 1000 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम की शुरुआत गो-ग्राम योजना की केंद्रीय उपाध्यक्ष मीना अग्रवाल द्वारा अखंड ज्योत प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद देशभर से आए सैकड़ों प्रतिनिधियों, गो-पालकों, गो-सेवकों, एकल सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में भारत माता की आरती की गई .उद्घाटन सत्र के उपरांत देश विदेश से जुटे एकल

अभियान के प्रतिनिधि व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख आलोक ने धनबाद के 100 सुदूर गांवों की गोग्राम वनयात्रा के माध्यम से भ्रमण किया. इसके बाद ग्रामोत्थान की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, जिसमें गांव के युवाओं और महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के दिशा में प्रदर्शन देखने को मिला. इसके पश्चात उत्तरखण्ड के बच्चों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया.

10,000 किसानों का जुटान आज : गोल्फ ग्राउंड में 24 दिसंबर को करीब 10,000 किसानों का जुटान होगा, जहां एकल अभियान एवं संघ के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा. इसके पश्चात रात्रि में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुर ताल के कलाकारों द्वारा न्यू टॉउन हॉल में कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा, और 25 दिसंबर को तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा. एकल अभियान के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केदार मित्तल ने कहा कि एकल अभियान का यह अधिवेशन उन किसानों को समर्पित है जो हमारे अन्नदाता हैं, जो वास्तव में गोवंशों की रक्षा कर रहे हैं.

निरीक्षण केंद्रीय संयुक्त सचिव ने की आकांक्षी जिला के अंतर्गत इंडीकेटर्स की समीक्षा

रजिस्टर्ड महिलाओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित हो : सोन

संवाददाता। लोहरदगा

भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव कमल किशोर सोन ने शनिवार को यहां जिला परिषद कार्यालय के सभाकक्ष में आकांक्षी जिला अंतर्गत इंडीकेटर्स की समीक्षा की. बैठक में सर्वप्रथम पिछली बैठक में दिये गये निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की गई. सर्वप्रथम शिक्षा विभाग अंतर्गत विद्यालय भवन निर्माण व उसकी उपयोगिता सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया गया. विद्यालय भवनों के बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया गया, ताकि बिजली की आपूर्ति बाधित नहीं हो. विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देश दिया

लोहरदगा जिला परिषद के प्रांगण में लगे स्टॉल का निरीक्षण करते केके सोन.

गया. जिला के विभिन्न प्रखण्डों में निर्माणाधीन पांच एकलव्य आवासीय विद्यालयों में से मार्च 2024 तक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर उक्त विद्यालयों में पठन-पाठन कार्य प्रारंभ कराने हेतु कार्ययोजना बनाकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने का निर्देश दिया गया. साथ ही, आकांक्षा परीक्षा में आवासीय विद्यालयों की छात्र छात्राओं को अवसर प्रदान करने हेतु वैसे बच्चों को चिह्नित कर लोहरदगा जिला में ही तैयारी कराये जाने का निर्देश दिया गया. इसके लिए आकांक्षा परीक्षा के लिए पढ़ाने वाले शिक्षकों से संपर्क कर शिक्षकों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया. परीक्षा से पहले ओरिएंटेशन कराये जाने का निर्देश दिया गया. सिविल सर्जन लोहरदगा द्वारा जिला में आयुष्मान कार्ड से आच्छादन की समीक्षा की गई. जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों और राशन कार्डधारियों को सौ फीसदी आयुष्मान कार्ड से आच्छादित किये जाने का निर्देश दिया गया. तीन माह में छूटे हुए लाभुकों को सौ फीसदी आच्छादन का निर्देश दिया गया. श्रम अधीक्षक के द्वारा जिला में निबंधित मजदूरों की जानकारी दी गई. इसमें सभी मजदूरों का आयुष्मान कार्ड में आच्छादन का निर्देश दिया गया.

स्टॉल का भी निरीक्षण

बैठक के पश्चात् जिला परिषद कार्यालय प्रांगण, लोहरदगा में विभिन्न उत्पादक समूह द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण संयुक्त सचिव द्वारा किया गयाऔर बातचीत की गई. संयुक्त सचिव द्वारा जिला प्रशासन की ओर से मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने के लिए स्थापित संस्थान होमी जे. भाभा कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया गया. संयुक्त सचिव ने वहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से बातचीत की गई और टिप्स दिये. बैठक में उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता, अपर समाहर्ता सौरभ प्रसाद, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे.

शहीद पांडेय गणपत राय की 215 वीं जयंती समारोह 17 जनवरी को

लोहरदगा । 1857 के क्रांतिवीर शहीद पाण्डेय गणपत राय की 215वीं जयन्ती समारोह सह विकास मेला का आयोजन आगामी 17 जनवरी को पूर्वाह्न 11:00 बजे से भंडरा के ग्राम-भौरो में आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी जिलावासी सादर आमंत्रित हैं. उक्त जानकारी शनिवार को शहीद पाण्डेय गणपत राय की प्रपौत्री सह शहीद पाण्डेय गणपत राय स्मारक समिति की अध्यक्ष डॉ वंदना राय ने दी. उन्होंने कहा कि शहीद पाण्डेय गणपत राय के जन्मदिवस एवं शहादत दिवस को झारखण्ड सरकार राजकीय समारोह के रूप में मना रही है. उन्होंने निवेदन किया है कि उक्त जयंती समारोह सह विकास मेला में पधार कर श्रद्धासुमन अर्पित करें. मौके पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक गणेश लाल, दिलीप पटनायक आदि मौजूद थे.

बागबेड़ा राजेंद्र मध्य विद्यालय को किया जाएगा अपग्रेड : विधायक

संवाददाता । जमशेदपुर

बागबेड़ा कॉलोनी स्थित राजेंद्र मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में अपग्रेड करने की मांग को लेकर पोटका के विधायक संजीव सरदार ने विधानसभा के पटल में आवाज उठाई थी. इस पहल के लिए शनिवार को स्थानीय लोगों ने विधायक को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया. विधानसभा सत्र समाप्त होने के पश्चात अपने आवास पर आते ही विधायक ने बताया कि बहुत जल्द राजेंद्र उच्च विद्यालय को अपग्रेड करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी. उपायुक्त एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी से जल्द ही सारी प्रक्रिया पूरी कर उच्च विद्यालय के कार्य को प्रारंभ करने का आश्वासन प्रतिनिधिमंडल को दिया. पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि विधायक संजीव सरदार इसी तरह क्षेत्र के जनहित से संबंधित समस्याओं को उठाकर समाधान करने की पहल करते रहेंगे. इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों ने उन्हें धन्यवाद भी दिया. इस मौके पर झामुमो जमशेदपुर प्रखंड अध्यक्ष बहादुर किस्कू, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि राकेश सिंह, समाजसेवी रंजन सिंह, राहुल प्रजापति, राजू सहित कई लोगों उपस्थित थे.

जो सदियों से यहां हैं, उनके बच्चों के बारे में भी सोचे सरकार

विधानसभा में पारित 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति बिल पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

ज्यादतर लोगों ने समर्थन किया, हेमंत सरकार को बधाई और शुभकामनाएं दी, कहा- अब मिली है असली पहचान

1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति विधेयक के विधानसभा में पारित होने की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है. हालांकि ज्यादातर लोगों ने इस विधेयक को झारखंड के लिए लाभकारी बताते हुए समर्थन किया है और राज्य सरकार के प्रति आभार जताया है. उनका कहना है कि झारखंडियों के हितों की रक्षा के लिए यह नीति बहुत जरुरी थी. इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए. लेकिन बहुत से लोगों ने इस विधेयक को एक तरफा बताया हुए मौलिक अधिकारों का हनन बताया है. कहा गया है कि यह विधेयक संपूर्ण झारखंडवासियों हितों की रक्षा करने में सक्षम नहीं है. उनका तर्क है कि वैसे बहुत से लोग यहां पिछले सौ सालों से अधिक समय से नौकरी के सिलसिले में यहां निवास करते रहे हैं. पर उनके पास 1932 का खतियान नहीं है. इस विधेयक में उनके बच्चों के भविष्य को लेकर कोई बात नहीं की गई है. सरकार को चाहिए कि वैसे लोग जो लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी सेवा देते आए हैं, उनके बच्चों के बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए. लोगों की प्रतिक्रिया में यह बात भी सामने आई है कि झारखंड गठन के करीब 23 साल होने को है. पर किसी भी सरकार ने स्थानीय या नियोजन नीति के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई. यही वजह से कि ये नीतियां आज तक धरातल पर नहीं आ पाई. वे मानते हैं कि यह नीति राजनीति के पचड़े में फंस गई है और राज्य सरकार आगामी चुनाव को देखते हुए स्थानीय नीति की मार्फत माइलेज लेना चाहती है. शुभम संदेश की टीम ने इस संदर्भ में विभिन्न जिलों में लोगों की राय जानी है. पेश है रिपोर्ट...

लोगों ने सवाल भी उठाए

- यह बिल पूरे झारखंड वासियों के हित की रक्षा करने में सक्षम नहीं
- इस बिल से मौलिक अधिकारों का हो रहा हनन, पुनर्विचार करे सरकार
- पारित बिल राजनीति से प्रेरित, आगामी चुनाव के मद्देनजर यह बिल लाया गया
- 1964 के सर्वे को भी आधार क्यों नहीं बनाती है सरकार

आदित्यपुर

सीएम को पुनर्विचार करना चाहिए : बैजू

बैजू यादव (छात्र) का कहना है कि झारखंड विधानसभा ने फिर से 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक को पास कर दिया है. यह राज्य के लाखों युवाओं के लिए घातक है जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर नौकरी के सपने संजोए हैं. उनके लिए सरकार ने नियोजन के द्वार बंद कर दिए हैं. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पुनर्विचार करना चाहिए. इस समय राज्य में बेरोजगारी चरम पर है. इस नीति के कारण कुछ को नौकरी मिलेगी,पर कुछ को नहीं.ऐसे में सभी युवाओं को उनका हक नहीं मिल पाएगा.

पारित नीति का चौतरफा विरोध हो : राजू कुमार

राजू कुमार (छात्र) कहते हैं कि राज्य सरकार वोट की राजनीति करते हुए राज्य में एक बार पुन: 1932 आधारित खतियान या उससे पहले के सर्वेक्षण में दर्ज खतियान धारकों को स्थानीय निवासी मानते हुए उनके लिए नियोजन की व्यवस्था का विधेयक पारित किया है. यह राज्य के लाखों लोगों के नाइंसाफी है. सरकार ने इस विधेयक में थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित कर दिया है. इससे कुल आबादी का 60 फीसदी आबादी इससे वंचित हो जाएंगे. इसका चौतरफा विरोध होना चाहिए.

अधिकांश आबादी वंचित रह जाएगी : ललित यादव

ललित यादव (छात्र) का कहना है कि1932 आधारित खतियान का विरोध शुरू से किया जा रहा है फिर क्या सोचकर सरकार ने इस विधेयक को पारित किया है यह समझ से परे है. इस विधेयक से राज्य की अधिकांश आबादी स्थानीय नौकरियों से वंचित रह जाएंगी. विधेयक में यह व्यवस्था की गई है कि भूमिहीन व्यक्तियों के मामले में स्थानीय व्यक्ति की पहचान ग्राम सभा करेगी. इसमें भी घालमेल होगा. ग्रामसभा की मनमर्जी चलेगी. यह उचित नहीं है.

1932 से परिभाषित किया जाना बिल्कुल गलत है : श्वेतांक सिंह

श्वेतांक सिंह राठौड़ (छात्र) का कहना है कि राज्य की स्थानीय नीति को 1932 आधारित खतियान से परिभाषित किया जाना बिल्कुल गलत है. इस विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य में सामाजिक सुरक्षा, सामाजीक बीमा और रोजगार के प्रमुख हकदार होंगे. विधेयक के तहत परिभाषित व्यक्ति राज्य के स्थानीय वाणिज्यिक और सांस्कृतिक उपक्रमों जैसे झीलों, नदियों, मत्स्य पालन के भी हकदार होंगे. इस फैसले से ज्यादातर आबादी को उनके हक और हुक़ूक़ से वंचित कर दिया गया है. मेरी राय में सरकार को बड़ी आबादी के बारे भी सोचना चाहिए.

मनोहरपुर

आदिवासियों के लिए कुछ नहीं : आशा देवी

आशा देवी कहती है कि 1932 के खतियान नीति द्वारा झारखंड की वर्तमान सरकार आने वाले चुनाव में बस अपनी पकड़ बनाना चाहती है. यह समझ नहीं आता कि इतने दिनों से हेमंत सरकार ने आदिवासियों व मूलवासियों के लिए कुछ नहीं किया और आज अचानक उनकी हितेषी कैसे हो गई. अमित शाह ने ठीक ही कहा था "इस नीति द्वारा राज्य सरकार झारखंड को दो भागों में बांट रही है" मेरा भी मानना कुछ यही है. अगर यह नीति लागू करनी थी तो इसमें एक पेंच था कि 1932 के खतियान लिस्ट से बाहर रहने वाले लोगों के लिए यह समाधान होना चाहिए कि उनका जन्म झारखंड में होना चाहिए या 2000 से जब झारखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था तब से जो यहां नौकरी कर रहे हैं. उन्हें भी स्थानीय मान जाना चाहिए. क्योंकि लिस्ट से जो बाहर हैं उनकी स्थानीयता खतरे में है.

दिग्भ्रमित कर रही है सरकार : सुमित डागा

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे उन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है.सुमित डागा का कहना है कि स्थानीय का मतलब यह नहीं कि जिसके पास 1932 का खतियान है, जो यहां रह रहे हैं वह भी स्थानीय हैं. यह फैसला एक तरह से मौलिक अधिकारों का हनन ही नहीं बल्कि स्थानीय नीति के नाम पर लोगों को दिग्भ्रमित किया जा रहा है.वर्ष 2000 को झारखंड के साथ ही छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी एक साथ अलग हुए हैं. जबकि छत्तीसगढ़ एवं उतराखंड दोनों ही राज्यों में स्थानीय नीति वर्ष 2000 को ही परिभाषित कर लागू किया जा चुका है.वहीं 1932 का खतियान लागू होने से एक बार फिर से झारखंड में विकट समस्या उत्पन्न होगी.वहीं कई लोगों के पास तो सर्वे और खतियान की कापी भी नहीं होगी. इसका सीधा असर युवाओं पर पड़ेगा.

सभी के हित की रक्षा हो : चंद्रशेखर चौधरी

शिक्षाकर्मी चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि सरकार – के स्थानीय नीति में झारखंड के हर वर्ग के हितों की रक्षा होनी चाहिए. चूंकि झारखंड राज्य में भी छत्तीसगढ और उत्तराखंड राज्य के तर्ज पर स्थानीय नीति लागू होनी चाहिए थी.पर ऐसा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है.जबकि ये तीनों राज्य एक साथ ही अलग राज्य के रूप् में अस्तित्व में आए हैं.यह सही है कि झारखंड में झारखंड के आदवासियों एवं मूल निवासियों को उनका हक और अधिक से अधिक मिलना चाहिए. उनके पूर्वज पुरखों से यहां रह रहे हैं, लेकिन जो लोग बिहार से अलग होने के बाद यहां बस गये, उनके बच्चों का यहां जन्म हुआ. यहां उन्होंने पढ़ाई लिखाई की. उनके बच्चों के लिए स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए, ताकि वे भी सम्मान के साथ झारखंड में रह सकें.

बहुत से आदिवासी, मूलवासी के पास भी दस्तावेज नहीं : शुभम पटेल

शुभम पटेल का कहना है कि यह एक अनुचित निर्णय है इस निर्णय का प्रभाव स्थानीय लोगों को तो मिल जाएगा. लेकिन उनका क्या जो वर्षों से यहां रह रहे हैं जिन्होंने अपने जीवन का पूरा समय इस भूमि को योगदान दिया है. उनसे उनका यह अधिकार छीनने के बराबर है. जो लोग अलग झारखंड राज्य में बिहार राज्य के समय से ही यहां निवास कर रहें है.उन लोगों के साथ बेमानी है.दोनों राज्यों का अलग हो जाना यह उनके हाथ में नहीं था. ऐसे में कई लोगों को इसका लाभ नहीं मिलेगा. क्योंकि कई लोग झारखंड में बाहर से ही आकर बसे हैं.

पारित स्थानीय नीति छात्रों के लिए छलावा है : गोवर्धन ठाकुर

छात्र नेता गोवर्धन ठाकुर का कहना है कि जब तक वर्तमान सरकार इस खतियान आधारित नीति को संकल्प पारित कर लागू नहीं करती है तब तक हम झारखंडी छात्रों के लिए 1932 आधारित स्थानीय नीति मात्र एक छलावा है . इससे थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नोकरियों में हम झारखंडी छात्रों को कोई फायदा मिलने वाला नहीं है. यह मात्र एक चुनावी स्टंट और समय की बर्बादी है. जिसमें हम छात्र फंसने वाले नहीं है. आने वाले वर्ष 2024 के चुनाव में हम झारखंडी छात्र सरकार बदलने का काम करेंगे.

चक्रधरपुर

झारखंड के स्थानीय को मिलेगा लाभ : रविन्द्र

चक्रधरपुर निवासी रविन्द्र महतो ने कहा कि झारखंड विधानसभा में लंबे इंतेजार के बाद 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित हुई है. इससे झारखंड के स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा. स्थानीय नीति पारित नहीं होने के कारण क्षेत्र के युवाओं को अपने ही प्रदेश में नौकरी नहीं मिल पा रही थी. अब स्थानीय युवकों को सरकारी नौकरी मिलने में आसानी होगी. इस नीति को बहुत पहले ही पारित किया जाना चाहिए था.राज्य के मूलवासियों के लिए यह बेहद जरुरी था. इस निर्णय का राज्य के मूलवासी युवा स्वागत करते हैं.

बहाली प्रक्रिया में तेजी लाएं : राफेल बांकिरा

चक्रधरपुर निवासी जवाहर लाल नेहरु कॉलेज के छात्र राफेल बांकिरा ने कहा कि झारखंड में खतियान आधारित स्थानीय नीति पारित तो हो गई है, लेकिन नौकरी की बहाली प्रक्रिया में विलंब नहीं होना चाहिए. बेरोजगार युवा लंबे समय से नौकरी का इंतजार कर रहे हैं. सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी करते हुए कई युवाओं के अब उम्र भी अधिक हो चले हैं, राज्य सरकार अगर झारखंड से बेरोजगारी दूर करना चाहती है तो युवाओं को नौकरी से जोड़ना होगा, अन्यथा पूर्व की तरह पलायन जारी रहेगा.

सरकार बेरोजगारी दूर करे : अभिजीत कुमार

चक्रधरपुर निवासी कम्प्यूटर विषय के शिक्षक अभिजीत जयसवाल ने कहा कि राज्य सरकार को बेरोजगारी दूर करने के उपाय ढूंढने की आवश्यकता है.क्षेत्र में रोजगार नहीं होने के कारण आए दिन रोजाना बड़ी संख्या में युवा दूसरे राज्य का रुख कर रहे हैं. सिर्फ स्थानीय नीति लागू करने से बेरोजगारी दूर नहीं होगी. सरकार सभी के लिए एक बराबर है, इसलिए राज्य सरकार सभी के हित को ध्यान में रखे. झारखंड में पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता मिलनी चाहिए.

बहरागोड़ा

बेरोजगारों के हित में है नीति : राकेश भोल

शिक्षक राकेश भोल का कहना है झारखंड का 23 साल बीत जाने के बाद भी सही और कठोर स्थानीय नीति न बन पाने पर यहां के बेरोजगार युवाओं को अपने हक से वंचित रहना पड़ रहा है. पिछली सरकार को अभिलंब खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू कर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए. जिससे यहां के युवाओं को अधिक से अधिक तृतीय तथा चतुर्थ वर्ग में नौकरी मिल पाए.

युवाओं की उम्र सीमा हो रही खत्म : सुब्रत

झारखंड सरकार द्वारा निकलने वाली वैकेंसी का तैयारी कर रहे विद्यार्थी सुब्रत कुमार घोष का कहना है कि सरकार बिना समय गंवाए जल्द से जल्द स्थानीय नीति लागू कर सरकारी नियुक्तियों में झारखंड के आदिवासी तथा मूल वासी को अपना अधिकार दे. साथ ही नियोजन नीति को भी स्थानीय नीति के साथ जोड़ा जाए.

खतियान आधारित नीति बने: सौरभ कुमार

झारखंड के मूल निवासी सौरभ कुमार का कहना है कि सरकार को झारखंड के बेरोजगारी को देखते हुए अभिलंब एक तय समय सीमा निर्धारित कर खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाहिए. तत्पश्चात ही सरकार द्वारा वैकेंसी निकल कर बहाली करनी चाहिए. जिससे कि यहां के लोग अधिक से अधिक लाभांवित हो सके.

जमशेदपुर

जल्द ही इसका असर दिखने लगेगा : मोईन

मानगो निवासी मोईन कहते हैं कि जब देश के हर राज्य का अपना डोमिसाइल नियम है तो झारखंड में क्यों नहीं. इसके लागू होने के बाद झारखंड में कई सारे बदलाव आएंगे. जो झारखंड के मूलवासी हैं उसके पूर्वजों के नाम 1932 के सर्वेक्षण में तो दर्ज होगा ही. इस नियम को तो काफी पहले ही लागू कर देना चाहिए था. लेकिन झारखंड बनने के 23 सालों बाद इसे लागू किया जा रहा है. नियम के लागू होने के बाद जल्द ही इसका असर जमीनी स्तर पर देखने को मिलेगा.

सरकार चुनावी मुद्दा बना रही है : राहुल

राहुल विश्वकर्मा कहते हैं कि वे बिहार के मूल निवासी हैं पर कई सालों से जमशेदपुर में आकर बसे हैं. फिलहाल उसकी तीसरी पीढ़ी जमशेदपुर में है. इस नीति के लागू होने से उन्हें झारखंड के मूलवासी होने का दर्जा नहीं मिल पाएगा. जिससे काफी समस्या हो सकती है. सरकार इसे चुनावी मुद्दा बना रही है जिससे लोग आकर्शित हो और अगली सरकार भी उन्हीं की बने. सरकार स्थानीय लोगों के साथ धोखा कर रही है. राज्या में स्थानीय नीति के प्रावधान की सख्त जरुरत है.

मूल वासियों को ही नौकरी : श्याम सुंदर

कदमा निवासी श्याम सुंदर कहते हैं कि काफी लंबे समय के बाद स्थानीय नीति लागू हुई है. सरकार इसे पहले भी लागू करने का प्रस्ताव भेज चुकी थी. झारखंड में स्थानीय नीति लागू नहीं होने से कई ऐसे युवा जो स्थानीय हैं उन्हें भी नौकरी के लिए राज्य से पलायन करना पड़ रहा था. अब स्थानीय नीति लागू होने से राज्य के मूल वासियों को राज्य में ही नौकरी मिल सकेगी. इसके लागू होने के बाद सरकार जल्द ही रिक्त पदों को भरने के लिए बहाली निकाले ताकि जल्द से जल्द बेरोजगारी दूर हो सके.

साहिबगंज

नीति राज्य वासियों के लिए वरदान साबित होगी : निरंजन मरांडी

हाविद्यालय के सेमेस्टर 2 के छात्र निरंजन मरांडी का कहाना है कि राज्य सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना चाह रही है . यह स्थानीय नीति राज्य वासियों के लिए एक वरदान साबित होगा .वहीं झारखंड में कई सरकारें आई लेकिन स्थानीय नीति लागू नहीं कर पाई .वहीं झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार ने इस दिशा में एक कारगर पहल शुरू की है. उन्होंने यह भी कहा कि इस विधेयक से झारखंड के युवा वर्ग को रोजगार के लिए दूसरे राज्य में पलायन नहीं करना होगा, क्योंकि इस विधेयक के तहत स्थानीय युवाओं को तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय रोजगार में आरक्षण दिया जाएगा और जिन आकांक्षाओं से झारखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ था वह पूरा होगा.

नीति अभी तक लागू नहीं हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है : प्रशांत पासवान

साहिबगंज,महाविद्यालय के छात्र सेमेस्टर 3 प्रशांत पासवान ने बताया कि स्थानीय नीति झारखंड राज्य के युवाओं के लिए जरूरी है, क्योंकि इस नीति के तहत ही युवाओं का भविष्य निर्भर करता है. झारखंड गठन के 23 साल बीत जाने के बाद भी इस महत्वपूर्ण नीति का अभी तक नहीं बन पाना यहां के मूल निवासियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही सरकार ने कई बार 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का विधेयक विधानसभा से पास तो कर रही है, लेकिन बार बार राज्यपाल इसे लौटा रहे हैं. यह समझ से परे है. किसी भी हाल में 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति बनना जरूरी है. राज्य सरकार द्वारा जो विधेयक पास किया गया है. उसमें झारखंडी मूलनिवासियों को हक़ दिलाने की बात की गई है.

धनबाद

प्रदेश की वर्तमान सरकार विधेयक के बहाने दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहती है : बनखण्डी मिश्र

धनबाद हाउसिंग कॉलोनी के रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार बनखण्डी मिश्र के कहा कि 1932 का खतियान विशुद्ध रूप से राजनीतिक मुद्दा है. प्रदेश की वर्तमान सरकार इस बहाने दोनों हाथों में लड्डू रखना चाहती है. यदि केंद्र सरकार इसे नौवीं अनुसूची में सूचीबद्ध करेगी तब सोरेन सरकार इसे अपनी उपलब्धि के रूप में भुनाएगी. और अगर केंद्र सरकार ऐसा नहीं करती है तो झारखंड की मौजूदा सरकार मोदी सरकार पर दोष मढ़ देगी और 1932 के खतियान को विरोधी के रूप में जनता के सामने पेश करेगी.

सरकार का फैसला स्वागत योग्य, पर सिर्फ एक तबके के लिए है : प्रोफेसर आशुतोष कुमार

धनबाद सिंदरी डीएवी के प्रोफेसर आशुतोष कुमार ने कहा कि 1932 आधारित स्थानीय नीति विधेयक स्वागत योग्य है . लेकिन जो झारखंड में देश के विभिन्न राज्यों से आ कर लगभग 100 वर्षों से विभिन्न पदों में रहकर राज्य के विकास के लिए अपनी सेवा दी है, उनके बच्चों के हित के लिए सरकार ने नहीं सोचा.सरकार का यह फैसला एक तबके के लिए है .झारखंड सरकार को इसके अतिरिक्त बिल पास करना चाहिए.क्योंकि सरकार का काम कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का है.

देश आजाद होने से पहले का खतियान कहीं से सही नहीं लगता, फिर सोचे सरकार : शौरभ मिश्रा

धनबाद हीरापुर के रहने वाले शौरभ मिश्रा ने कहा कि देश आजाद होने से पहले का खतियान कहीं से सही नहीं है. सरकार को इस पर पुन: विचार करना चाहिए .क्योकि झारखंड में बिहार सहित विभिन्न राज्यो के लोग भी लगभग 50 वर्षों से रह रहे है .जिनके बच्चे झारखंड में ही शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं .ऐसे में 1932 आधारित विधेयक पास करना कहीं से सही नहीं है. इससे छात्रों का मनोबल तोड़ने टूट जाएगा .

सरकार का यह फैसला चुनावी मुद्दा है : जयंत कुमार

धनबाद हीरापुर स्थित तेली पाडा के रहने वाले जयंत कुमार ने कहा कि सरकार का यह फैसला चुनावी मुद्दा है .खतियानी युवाओं को बरगलाने की साजिश है .उन छात्रों के लिए धोखा है जो झारखंड में बिना खतियान के वर्षों से पढ़ाई कर नौकरी हासिल करना चाहते थे.सरकार को इस फैसले पर संसोधन करने की जरूरत है.

किरीबुरु

प्रतिभा किसी आरक्षण की मोहताज नहीं होती है: राजकुमार गुप्ता

राजकुमार गुप्ता ने कहा कि प्रतिभा किसी तरह के आरक्षण की मोहताज नहीं होती है. 1932 का खतियान वालों को ही तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में रोजगार व अन्य सुविधा देने की बात सरकार के वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है. सरकार पहले झारखंड में रोजगार का सृजन करे, तब स्थानीय को रोजगार देने की बात करे. शिक्षित जनत बेवकूफ नहीं है. सरकार के इस फैसले से पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम आदि जिलों के लाखों लोग, खासकर सारंडा के हजारों शिक्षित बेरोजगार व परिवारों को इसका लाभ नहीं मिल पायेगा. क्योंकि यहां किसी के पास 1932 का खतियान नहीं है. सारंडा की तमाम प्राइवेट खदानों को बंद कर पहले हीं सरकार हजारों को बेरोजगार कर दी है. अब जले पर नमक छिड़कने का कार्य कर रही है. सारंडा से पलायन चरम पर है.

आरक्षण देश व किसी राज्य के विकास के लिये अभिशाप : अब्दुल रफीक

अब्दुल रफीक ने कहा कि तमाम प्रकार के आरक्षण देश व किसी राज्य के विकास के लिये अभिशाप है. हम इसी धरती पर जन्म लिये, शिक्षा लिये लेकिन आज हम हीं सरकारी लाभ से वंचित होंगे. यह सरकार की कैसी नीति है. हमारे पूर्वज विभिन्न राज्यों से यहां आकर जंगलों में विकट परिस्थिति में रहकर उद्योगों का इन्फ्रास्ट्रक्चर व अन्य संस्थाओं का निर्माण कर विकसित देश अथवा राज्य की निर्माण के लिए कदम बढाय़ा. सरकार को तकनीकी व गुणवता आधारित बेहतर शिक्षण संस्थानों को खोलने का कार्य करना चाहिये, जहां से बेहतर पढाई कर सभी वर्ग के युवा देश अथवा विदेशों में अपनी काबिलियत के बल पर रोजगार पा सके. कहते हैं कि किसी जरुरतमंद को कुछ पैसा देकर मदद करने से अच्छा बेहतर तालीम व हुनर सिखा दें, ताकि वह कहीं भी भूख से मरे नहीं. लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर 1932 का खतियान जैसे मुद्दे लाकर लोगों की आपसी भाईचारा को खत्म करना एवं मुख्य मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाना चाह रही है. पिछले दिनों सरकार ने प्राइवेट रोजगार के लिए नियुक्ति पत्र बांटा.

पश्चिम सिंहभूम व सारंडा के लोगों को नहीं मिल पायेगा लाभ : सोनु सिरका

सोनु सिरका ने कहा कि 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति का लाभ पश्चिम सिंहभूम व सारंडा के लोगों को नहीं मिल पायेगा. उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज का सेटेलमेंट 1964 में हुआ है. इसके अलावे सारंडा एवं सेल, टाटा स्टील की टाउनशिप क्षेत्र में निवास करने वाले हजारों लोगों के पास कोई कागजात नहीं है. हजारों लोग सेल व टाटा स्टील की खदानों को बनाने विभिन्न राज्यों से आये एवं अपना गांव व जमीन छोड़ यहीं परिवार के साथ बस गये हैं. ऐसे में सभी झारखंड सरकार की नौकरियों व योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जायेंगे. अब तो ऐसा ही लग रहा है कि झारखंड के मूल निवासी होने के बावजूद हम रिफ्यूजी की तरह रह जायेंगे और सरकारी लाभ से वांचित होंगे. सरकार की यह नीति गलत है, इस पर फिर से विचार करने की जरुरत है.

लातेहार

नीति में सब का रखें ख्याल: आदर्श कुमार

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे आर्दश कुमार ने कहा कि सरकार ने 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति का लाया है. इसका स्वागत करना चाहिए. उनके बच्चों को झारखंड के सरकारी नौकरियों के तृतीय व चतुर्थ वर्गीय पदों पर उनके लिए आरक्षण होगा.हालांकि जो लोग लंबे समय से झारखंड में रह रहे हैं, उनके लिए भी स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए. आखिर वे भी झारखंड के ही निवासी हैं.इनके बारे में भी सोचने की जरुरत है.

हितों कमी रक्षा जरुरी: अनूप कुमार

अध्यापक अनूप कुमार ने कहा कि झारखंड के हितों की रक्षा आवश्यक है. झारखंड के मूल निवासी जिनके पूरखे पूर्वज यहां पीढ़ी दर पीढ़ी रह रहे हैं, उनके हितों की रक्षा आवश्यक है.झारखंड के मूल निवासियों को उनका हक और अधिक अधिक मिलना चाहिए. लेकिन झारखंड अलग होने के बाद जो लोग नौकरी के कारण बिहार नहीं जा सके, उनके बच्चों का जन्म व पढ़ाई झारखंड में हुआ, उनके बच्चों के लिए स्थानीय नीति में प्रावधान किया जाना चाहिए.

मूलवासियों को हक मिले : अनिल उरांव

कार्यकर्ता अनिल उरांव ने कहा कि सरकार ने स्थानीय नीति में 1932 के खतियान को आधार बना कर झारखंड के जंगल, पहाड़ में रहने वाले मूल निवासियों को उनका हक व अधिकार देने का प्रयास किया है. झारखंड के मूलवासियों को उनका असली हक व अधिकार मिलना चाहिए. जिनके पूर्वज पीढ़ी दर पीढ़ी झारखंड में रह रहे हैं, उनके बच्चों को स्थानीय नीति में प्राथमिकता देनी चाहिए. झारखंड के सरकारी नौकरियों में अब उनके लिए तृतीय व चतुर्थ वर्ग के पद आरक्षित होगें.

सभी को मिले जगह : प्रिंस कुमार

ग्रामीण डाक सेवक प्रिंस कुमार ने कहा कि स्थानीय नीति में समाज के हर वर्ग के लोगों को जगह मिलनी चाहिए. यह सही है कि झारखंड के मूल वासियों को स्थानीय नीति का लाभ सबसे अधिक मिलना चाहिए. सरकार ने 1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाना चाह रही है. लेकिन जो जोग झारखंड बनने से पहले यहां रहे हैं, उनके लिए भी स्थानीय नीति में प्रावधान होना चाहिए. आखिर ऐसे लोगों के बच्चे कहां जायेगें.

हित का फैसला: लालमोहन सिंह

आरटीआई कार्यकर्ता लाल मोहन सिंह ने कहा कि सरकार ने 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति ला कर झारखंड के हित का एक अहम फैसला लिया है. इससे झारखंडियों को उनका असली हक व अधिकार मिल सकेगा. झारखंड के जंगलों व पहाड़ों में रहने वाले मूल निवासी बहुत पहले से ही इसकी मांग कर रहे थे. सरकार को चाहिए कि इसे अब लागू करे. तभी सरकार की मंशा साफ हो सकेगी.

बोकारो

नीति के बगैर भविष्य बर्बाद : रवि कुमार

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के धधकिया निवासी युवा रवि कुमार ने बताया कि स्थानीय नीति बनाने को लेकर झारखंड में पक्ष और विपक्ष सभी को एकजुट होना चाहिए. जब हर राज्य का अपना डोमिसाइल नीति है तो झारखंड में अगर नहीं बना है, तो सदन में इस पर बहस होनी चाहिए. आखिर थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी में इस नीति से यहां के मूल निवासियों को आरक्षण तो मिलेगा. उन्होंने बताया कि स्थानीय नीति के बगैर यहां के युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है.

बिल स्वागत योग्य : प्रसून सारंग

बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के बाराडीह निवासी प्रसून सारंग ने बताया कि हमारे राज्य के निर्माण के 23 वर्ष हो गए, फिर भी आज तक कितनी पार्टियां सरकार में आई गई लेकिन कोई सरकार अभी तक हमारे राज्य झारखंड की स्थानीय नीति व नियोजन नीति परिभाषित नहीं कर पाई. वर्तमान सरकार ने 1932 के खतियान को मानक मानते हुए एक विधेयक तैयार किया है, जो स्वागत योग्य है.

हमारे सहयोगी lagatar पर मिलीं टिप्पणियां

झारखंड के शहरों में अन्य राज्य के लोग ज्यादा संख्या बस गये हैं ,झारखंड मे बसे अन्य राज्य के लोगों का जुड़ाव अभी भी उनके मूल राज्य से है ,ऐसे लोग दोनों राज्यों मे लाभ ले रहें हैं. झारखंड के मूल लोग को सरकारी कार्यालयों में भी यहां की लोकल भाषा नहीं होने के कारण यहां मूल लोग विकास कार्यों में उत्साह से शामिल नहीं हो पाते हैं. झारखंड के मूल लोग अन्य राज्यों की अपेक्षाकृत सदियों से झारखंड में उच्च शिक्षण संस्थान नहीं होने के कारण तुलनात्मक रूप से झारखंड के लोग शिक्षा में भी पिछडे हैं.
जितेन्द्र कुमार, बोकारो

मेरी राय में 1932 का खतियान सही है. साथ ही झारखंड में यह भी हो सकता है कि इसमें सिर्फ और सिर्फ झारखंड के लोगों की ही नौकरी होनी चाहिए. जैसा कि ओडिशा के मूल निवासी हैं तो वहीं के निवासी की नौकरी वहां हो सकती है. दूसरे राज्यों के निवासियों का नहीं हो सकता है. इसी तरह यहां भी होगा.
नितेश रजक, धनबाद

पहले स्थाई लोगों की नौकरी के लिए ग्रुप सी और ग्रुप डी में आरक्षण तय किया जाए. इससे सभी को लाभ होगा.
नकुल ठाकुर, हजारीबाग

1932 वाला खतियान लागू नहीं होना चाहिए. क्योंकि जिसके पास जमीन नहीं थी उस समय या जिसके पास खतियान नहीं है . उसका क्या होगा . वह कहां जाएगा या जो बचपन से झारखंड में रह रहा है उसका क्या होगा.
कुमार शैलेंद्र ,देवघर

झारखंड के स्थानीय लोगों के लिए राज्य सरकार ने बहुत ही अच्छा कदम उठाया है.
शिशुपाल लोहार, रांची

बहुत ही सुंदर काम किया है इस सरकार ने, बधाई
भानु प्रताप सिंह, हजारीबाग

झारखंड मुक्ति मोर्चा फिर कभी भी सत्ता में नहीं आएगा, यह एक खतियानी का श्राप है. उसने अपने मेनिफेस्टो का कोई भी वादा पूरा नहीं किया.
कुनाल कुमार महतो, धनबाद

1932 आधारित स्थानीय नीति किसी भी प्रकार से हितकारी नही है. इसमें कानूनी बहुत सी खामियां हैं. न्यायालय/केन्द्र के पटल पर ये मामला बिल्कुल टिक नही पाएगा. हेमंत सरकार सिर्फ इस मुद्दे का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है.
प्रमोद यादव,रामगढ़

उपरोक्त बातें अच्छी बात है, लेकिन आवासियों का राजनीतिकरण न किया जाएगा तो झारखंड प्रदेश नित्य आगे बढ़ता रहेगा.
अजय कुमार, सिंदरी

मेरा जन्म झारखंड में हुआ. मेरी ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई झारखंड में हुई. मैं वोट देता हूं जेएमएम को. लेकिन जेएमएम ने ही मुझे यहां का मानने से इनकार कर दिया. मैं बहुत गुस्से में हूं. अगर मुझे जेएमएम का कोई नेता मिल जाए तो उससे यह बात पूछुंगा कि आखिर इस तरह क्यों हो रहा है.
संतोष कुमार सिंह, धनबाद

बहुत अच्छा, यह उन झारखंडियों के लिए सौ प्रतिशत न्यायसंगत है, जिन्हें बहुत चालाकी से दरकिनार कर दिया गया था.इससे अब उन्हें लाभ मिलेगा.
केके दास ,चाकुलिया

पिछड़ों के लिए बहुत अछ्चा है. आयुसीमा बढ़ाने का मौका मिलेगा.
परमेश्वर महतो , खूंटी

सब कुछ सही होना चाहिए.
टेकलाल महतो, गोमिया

1932 होना चाहिए. **संजय महतो, बोकारो**

यह बिल्कुल सही है.
लाखो उरांव, रांची

100 प्रतिशत सही है. यह पास होना चाहिए. लागू होना चाहिए.
राजीव, जमशेदपुर

पहले तो मैं आपको बहुत सारी शुभकामनाएं देती हूं.यह सही कदम है.
ज्योति, सीतापुर

बिल्कुल सही फैसला है.लेकिन मंजिल दूर है. अभी इस विधेयक को लागू करने में कई अड़चनें है. सरकार को पूरी कोशिश करनी चाहिए उन अड़चनों को दूर करने की.
अमरलाल महतो, हजारीबाग

1932 आधारित खतियान बहुत अच्छा है.
सुनील , रामगढ़

1932 के आधार पर सरकार का फैसला बहुत अच्छा है.
अरुन, पालामू

विधेयक अच्छा है, राज्यपाल महोदय को सकारात्मक पहल करनी चाहिए।.
हरेंद्र कुमार, बोकारो

इस नीति के तहत झारखंड की जनता झारखंड में अच्छी तरह से रह सकेगी.
रुपेश कुमार, धनबाद

स्थायी नियोजन नीति को स्पष्ट करने , स्थाई लोगों को रोजगार देने के लिए व असली झारखंडी की पहचान दिलाने के लिए इस नीति को लागू करना बेहद जरूरी है अगर आप प्रत्येक स्थानीय जिसके पास 1932 का खतियान है .इस नीति का समर्थन करेगा. मैं भी इस नीति को लागू करना चाहता हुं.
हिलेरियस पांडू, खूंटी

मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं. मुझे लगता है कि यह झारखंड में बहुत कारगर होगा. इस मामले को लेकर झारखंड के लोगों ने काफी संघर्ष किया है.
स्वाति ,रांची

आज जमीन है. कल नहीं रहेगा तो कहां से लाओगे. 1932 का खतियान वोट के लिए इस्तेमाल करना छोड़े.
मनोज दास, धनबाद

थर्ड और फोर्थ ग्रेड की नौकरी 1932 के खतियानधारियों के लिए आरक्षित हो. तभी झारखंड बनने का सार्थक परिणाम निकलेगा. ये विधेयक जितना जल्दी लागू होगा उतना ही ठीक रहेगा.
अभिषेक आनंद, सिंदरी

झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार के द्वारा लिया गया सही निर्णय है. इसका समर्थन करते हैं.
कृषणा महतो , सरायकेला

सही है यह होना जरुरी है. सबके लिए.
मो. साबिर एसके, साहिबगंज

इस तरह करने वाले को बहुत बहुत धन्यवाद.
लखीकांत महतो, बोकारो

राज्य के मूलवासी आदिवासी के लिए महत्वपूर्ण है 1932. देश विभिन्न प्रदेशों में स्थानीय नीति बनी है.
नील कमल भुमिज, जमशेदपुर भाया चांडिल

शतप्रतिशत झारखंडी 1932 खतियान वालों को प्राथमिकता व अधिकार मिलना चाहिए.
असीम पंकज,रांची

यह एक दम सही कदम है इससे झारखंड के लोगों विकास होगा अभी यहां बहुत से लोग ऑफिस में लोगों कहते सुना है कि हम लोग वहां पैसा कमाने आए हैं सेवा देने नहीं यहां विकास हो या नही इससे मतलब नहीं.
अविनाश भेगरा, सोनुआ

1932 ही क्यों ? जब प्रथम व्यक्ति भारत में अफ्रीका से आया तब से क्यों नहीं. भारत मनुष्य की उत्पत्ति का केंद्र नहीं है. कोई साक्ष्य हो आर्कियोलॉजिकल किसी के पास हो तो बताइएगा.
रजनीश मिश्र, रांची

क्या झारखंड में 1932 खतियान वाला ही वोट देगा. दूसरे लोग वोट नहीं देंगे. यह सोचने की जरुरत है. सरकार इस पर ध्यान दे. सभी के लिए अच्छा होगा.
स्वरुप, टाटा

झारखंडियों के हित में बहुत जरूरी है 1932 का खतियान के अनुसार स्थानीय नीति और नियोजन नीति.
बच्चू कुमार राणा, चौपारण, हजारीबाग

1932 का खतियान झारखंड में लागू होना चाहिए .बाहरी को नौकरी नहीं देनी चाहिए. केवल झारखंड वासियों को जॉब होना है. स्थानीय के आधार पर नौकरी झारखंड में होनी चाहिए. केवल झारखंडी. मेरी उम्र अब 40 हो गई है. हमने बीएड किया है. टीजीटी 2016 में मेरे से कम नंबर वालों की नौकरी हुई. लेकिन मेरी नहीं हो पाई. अभी हमलोग सुप्रीम कोर्ट में केस किए हैं नौकरी के लिए. क्यों नहीं सरकार देगी. नियम सबके लिए एक है.
संजीव कुमार, हजारीबाग

1932 के आधार पर बाद में जो सर्वे हुआ हैं ,वह किया खत्म हो सकता हैं और अगर यह कानून खत्म हुआ तो आगे चलकर 1932 भी अपने आप समाप्त हो जाएगा झारखंड सरकार आम जनता को सिर्फ बेवकूफ बना रहीं हैं.
दिनेश चन्द्र गुप्ता, गोमो, धनबाद

जिस प्रदेश का उद्भव 2000 में हुआ,वह 1932 के खतियान के आधार पर नौकरियों में युवाओं को आरक्षण दें. **पप्पू कुमार गुप्ता, धनबाद**

1932 के आधार पर बाद में जो सर्वे हुआ हैं ,वह किया खत्म हो सकता हैं और अगर यह कानून खत्म हुआ तो आगे चलकर 1932 भी अपने आप समाप्त हो जाएगा झारखंड सरकार आम जनता को सिर्फ बेवकूफ बना रहीं हैं.
दिनेश चन्द्र गुप्ता, गोमो, धनबाद

अब चुनाव आ रहा है तो राजनीति तो होनी ही है.यह काम बहुत पहले होना चाहिए था. जिस काम के लिए सीएम बनाया था, वह नहीं किया. सरना धर्म कोड कहां है. सब आदिवासी होने का ढ़ोंग करते हैं. आदिवासियों को ठगने का काम किया है इस सरकार ने. मजबूत इच्छा शक्ति नहीं है इसके पास. खिचड़ी सरकार क्या कर सकती है हम आदिवासियों के लिए. उपर से माइनिंग पर रोक लगाकर जनता की जान ले रही है. सारे एक दूसरे की टांग खींचने में मस्त हैं. और हम जनता पस्त हैं, कह सकते हैं कि काफी परेशान हैं. पता नहीं ऐसे में कैसे काम चलेगा. इस सरकार से कुछ होने वाला नहीं है. अब यह कहना मुश्किल है कि यह सरकार आगे क्या करेगी.
जयंत कुजूर, रांची

1932 खातियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना झारखंड के लोगों के लिए अति आवश्यक है. वर्षों से इसकी मांग है. यहां रोजगार की अपार संभावनाएं के वावजूद यहां के स्थानीय नीति के अभाव में न्याय से वंचित हैं. बाहरी लोग यहां आ कर उन्नति करते जा रहे हैं और यहां के लोग अपने ही राज्य में भेदभाव का शिकार हो रहे है.
सुखलाल बोदरा, जमशेदपुर

"अपने दुश्मनों से प्यार करो और उनके लिए प्रार्थना करो जो तुमको सताते हैं. इससे तुम उस पिता की संतान बन जाओगे जो स्वर्ग में है. वह अपनी नजर बुराई और अच्छाई दोनों पर डालता है और न्यायी व अन्यायी दोनों पर अपनी दया की वर्षा करता है. -ईसा मसीह"

डोलती इक नाव सी, मझधार पर ये जिंदगी!

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जिंदगी तो हर कोई जाने-अनजाने जी लेता है, लेकिन जिंदगी को हर कोई समझ नहीं पाता. कम ही लोग होते हैं, जो इसे समझ पाते हैं और उसका लुत्फ भी उठाते हैं. जिंदगी क्या है, जबतक मनुष्य समझ पाता है, तबतक जिंदगी निकल जाती है. वैसे जिंदगी को लेकर सबका अपना-अपना नजरिया होता है. कोई कहता है, जिंदगी एक सुहाना सफर है, कोई कहता है जिंदगी एक पहेली है. कोई कहता है जिंदगी फूलों की सेज है तो कोई कहता है जिंदगी कांटों का ताज है. जिंदगी का एक दौर अबोधपन का होता है, जब मनुष्य के पास कोई द्वंद्व नहीं होता. कोई राग-द्वेष नहीं होता. इसके बाद उमंगों का ऐसा दौर आता है कि पांव जमीन पर पड़ते ही नहीं. इस दौर के बीतते ही संघर्ष का दौर शुरू हो जाता है. यही दौर निर्णय करता है कि हम सफलता पाने के योग्य हैं भी या नहीं. जो संघर्ष से घबरा जाता है, वह पीछे हट जाता है और पीछे ही रह जाता है-जो बौरा डूबन डरा रहा किनारे बैठ, लेकिन जो संघर्ष के गहरे पानी में पैठ जाता है, वह मोती चुन ही लेता है. इस दौर में यदि कुछ उपलब्धि हो गयी, तब तो वारे-न्यारे, नहीं तो संघर्ष का दौर मुसीबतों के दौर में बदल जाता है और जिंदगी में वह दौर भी आ जाता है, जब मनुष्य कुछ भी करने योग्य नहीं रह जाता. जिंदगी क्या है इसे बहुत गंभीरता से समझ पाये हैं डालटनगंज के वरिष्ठ कवि **हरिवंश प्रभात**. जिंदगी के मर्म को बतानेवाली इनकी यह गजल पढ़ने और सुनने योग्य है. कवि प्रभात कहते हैं-

डोलती इक नाव सी, मझधार पर ये जिंदगी.
चल रही तलवार की इक धार पर ये जिंदगी.
कल्पना के पंख लेकर उड़ते हैं आकाश में,
जल रही है आग की बौछार पर ये जिंदगी.
हमने खुद को भी मिटाकर आपको पाया सनम,
बस टिकी है आपके ही प्यार पर ये जिंदगी.
जिंदगी जीने की खातिर, यह सबब मालूम है,
फिर भी मरने के मधुर इकरार पर ये जिंदगी.
जिंदगी मायूस हो सकती, गुलों की सेज पर,
मुस्कुराती हमने देखी, खार पर ये जिंदगी.
रहना है प्रभात जिन्दा, गर तुझे संसार में ,
अच्छे रख स्वभाव और किरदार पर ये जिंदगी.

जिंदगी मायूस हो सकती गुलों की सेज पर, मुस्कराती हमने देखी खार पर ये जिंदगी. कवि हरिवंश प्रभात जी स्वयं जिंदगी के उस दौर में पहुंच चुके हैं, जहां जिंदगी के अधिकांश रहस्यों पर से परदा उठ चुका होता है. ये जितने अच्छे कवि और शायर हैं, उतने ही अच्छे अध्यापक भी. झारखंड के प्रथम राष्ट्रपति पुरस्कार से 2004 में सम्मानित हुए. झारखंड रत्न, विधानसभा पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं. दस काव्य पुस्तकों के रचयिता हरिवंश प्रभात आकाशवाणी, दूरदर्शन और काव्यमंचों पर प्रतिभासित तो होते ही रहते हैं, कई साहित्यिक संस्थाओं में जिम्मेदार पद संभालते रहे हैं. सेवा निवृत्ति के बाद विभिन्न मौसमों का आनंद ले रहे हैं. भारतवर्ष ऐसा देश है, जहां छह ऋतुएं होती हैं. कभी चिलचिलाती धूप मिलती है तो कभी हड्डियों को कंपा देनेवाली कड़कड़ाती ठंड तो कभी हहराती घहराती बरसात. वर्तमान में शीत ऋतु का भी अपना अलग आनंद है. इसको गहराई के साथ महसूस करने के लिए जमशेदपुर निवासी कवयित्री **माधवी उपाध्याय** की इस रचना की शरण में चलते हैं, जो सार छंद में रचित है.

त्योहारों का शोर थमा अब, सुस्त पड़े सब प्राणी .
आहिस्ते तन-मन सिहराये,आई शीत सुहानी ..
छटा कुसुम की मनभावन है, धूप गुनगुनी भायी.
ठंढी -ठंढी सर्द हवाएं, ठिठुरन भी ठिठुराई ..
कमल सरोवर खिल-खिल जाते,पक्षी कलरव भाते .
चाँद-चाँदनी रही विहँसती, अठखेली कर जाते ..
अल्प दिवस हैं रातें लम्बी, सपनें नित-नित जागे.
स्याह निशा यूं झन-झन करती, सरमें मन-तन कांपे ..
नर्म- नर्म पातों पर चमकी, ओस बूंद मोतिन से.
स्वर्ण रश्मियां पड़ी निखरकर,बिखर गईं तब छन से..
लगे निकलने गर्म कलेवर, गर्म पेय मन भाये .
ठहरी -ठहरी लगे जिंदगी, शीतलहर जब छाये..
जाड़े का ये मौसम लगता, दीन -हीन दुखदाई .
ठिठुर -ठिठुरकर रातें कटतीं,मिले न गर्म रजाई..
सोने को न मिले ठिकाना, जीवन उलझा जाता.
पर पीड़ा न समझे कोई, श्वास, आस मर जाता..
सो जाते वे फुटपाथों पर,ले संघर्ष की छाया.
सुबह सूर्य की धूप तापती, निर्बल ठिठुरी काया..
काम करें कुछ ऐसा मिलकर ,कष्ट उन्हें न व्यापे.
सबका जीवन सुखमय बीते, निर्धन के तन ढापे..

फिल्म हेराफेरी में एक गाना याद आ रहा है- ऊपरवाले तेरी दुनिया में कभी जेब किसी की न खाली मिले, कोई गरीब रहे जग में हर पॉकिट में हरियाली मिले. यही कामना तो सभी लोग करते हैं, सभी राजनीतिक दल करते हैं. सरकार भी करती है. इसी केलिए आरक्षण पर जोर दिया जाता है, जो आजकल वोट हड़पने के लिए एक बड़ा हथियार बन चुका है. आरक्षण के समर्थक जाति के आधार को अधिक महत्व देते हैं, लेकिन महिलाओं के आरक्षण पर किसी को आपत्ति नहीं होती. अगर किसी को आपत्ति है तो वह हैं रांची की कवयित्री **रेणु झा रेणुका**. आपका कहना है कि महिलाओं को आरक्षण नहीं संरक्षण की आवश्यकता है-

आरक्षण नहीं, संरक्षण दें, नित मसलती, कुचलती,
सुलगती कलियों को, आरक्षण नहीं, संरक्षण दें.
दशकों पहले की स्वछंदता दें, वे सखियों संग मेले के झूले,
पाठशालाओं की छुट्टी और बिखरते, बाग, बगीचे
जल क्रीड़ाओं संग, रेत के, घरौंदे भी खूब बनाते,
बेर, अमियां छुपाकर खाते, खूब भागते तितलियों के पीछे,
पुरबइया संग दौड़ लगाते,
दिन हो या रात हम रीति रिवाज भी खूब निभाते,
खुशियों से आंगन सजाते.
अब तो खुद ही लग गए जीवन पर पहरे, बेकाबू हो गए भेड़िए,
गलियों, सड़कों पर, घर के, चौबारे में भी अपने बनकर मिलते,
पलक झपकते नोंच लेते नारी की खुशियां,
ऐसे में आरक्षण का औचित्य क्या? हमें चाहिए संरक्षण खास,
बनी रहे जीवन में, आत्मशक्ति और विश्वास..

रेणुका जी की बातों से मैं भी सहमत हूं. महिलाओं को आरक्षण के बजाय संरक्षण दिया जाना चाहिए. अगर ऐसा नहीं हो पाया तो सारे ख्वाबों का महल किसी पल खंडहर में बदल जाएगा.

बात जब ख्वाबों के महल की उठी है तो उसके अनुभव को लेकर आपसे कुछ कहने को तैयार हैं रांची के जानेमाने कवि **हिमकर श्याम**. संयोग की बात है कि इनकी इस कविता का शीर्षक भी ख्वाबों का महल ही है.

कल्पना जब लहराती है पुर-ज़ोर, तब जुड़ जाते हैं हम
ख़्वाबों का महल बनाने में, यह भूल जाते हैं कि
सामने खड़ा क्रूर यथार्थ कर रहा है
नींव खोदने की तैयारी, यथार्थ का सामना होते ही
संभावनाओं के आकाश में घिर आते है, नाउम्मीदी के काले बादल
टूट जाता है ख़्वाबों का महल, नज़र आने लगती है
कल्पनाओं और यथार्थ की दूरी, घर करने लगती है मन में हताशा
कोसते हैं हम ख़ुद को बार-बार
और करते हैं हम तौबा हर बार
लुभावनी होती है, कल्पनाओं की दुनिया
तभी तो जुड़े रहते हैं हम , ख़्वाबों का महल बनाने में.

कल्पनाओं की दुनिया सचमुच लुभावनी होती है और हम ख्वाबों के महल बनाने में उससे जुड़े रहते हैं. कवि ने साधारण शब्दों में असाधारण बात कह दी है. हिमकर श्याम जी को साहित्य सृजन की क्षमता विरासत में मिली है. इन्हीं शब्दों के साथ अगले सप्ताह तक के लिए आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

भारतीयता की प्रतीक जगज्जननी सीता

संपूर्ण भारतवर्ष में सैकड़ों अद्भुत प्रतिभाओं की महिलाएं हुई हैं. किंवदंतियों में, लोककथाओं में, लोकगाथाओं में, लोकगीतों में इन अद्वितीय प्रतिभा, योग्यता और विशेषता की महिलाओं की चर्चा होती रही है. भारतीय परंपरा में यूं भी मातृ-शक्ति के रूप में महिला शक्ति सम्मानित रही हैं, पर एक नाम है जो पूरे भारत वर्ष में, इंडोनेशिया में, जावा-सुमात्रा में, कंबोडिया में, नेपाल में और बहुत अन्य देशों में भी श्रद्धा, सम्मान और निर्विवाद समर्पण के साथ लिया जाता है, वह नाम है जगज्जननी सीता का! प्रसन्नता की बात है कि पिछले दस सालों में लोगों का विशेष ध्यान देवी सीता की ओर गया है. यूं राम कथा की अब तक अनेक भारतीय भाषाओं को मिलाकर पचास से अधिक पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं. पिछले एक दशक में सिर्फ अंग्रेज़ी में सीता पर केंद्रित एक दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखी गयी हैं. निश्चित रूप से शोधकर्ताओं और उपन्यासकारों को भगवती सीता के बहुआयामी चरित्र की विशिष्टता का आभास हुआ होगा! सीता को अलग-अलग भाषाओं की राम कथाओं में अलग-अलग ढंग से दर्शाया गया है. कम्ब रामायण की सीता का व्यक्तित्व बाल्मीकि रामायण में प्रदर्शित चरित्र से बिल्कुल भिन्न है. हमारे पुराणों में भी सीता का उल्लेख कृषि की देवी के रूप में हुआ है.

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

अब तक उत्तर भारत के गांव में सीता त्याग, सहिष्णुता, सलज्जता, पतिव्रता, मर्यादा इत्यादि का प्रतिरूप मानी जाती रही हैं. बहुत संतोष का विषय है कि अब विभिन्न भाषा के लेखकों ने भगवती सीता को पहली एकल अभिभावक(सिंगल पैरेंट मदर), योद्धा, कुशल धनुर्धर, सशक्त स्त्री, दृढ़ निश्चय और प्रतिज्ञा की स्वामिनी के रूप में प्रतिस्थापित किया है. स्मरण करें वह प्रसंग जब रावण वध के बाद सहस्रावण का संहार करने की याद सीता ने राम को दिलाई. राम मूर्छित हो गए. तब देवी सीता ने मां काली का रूप ग्रहण किया. उन्हें देखते ही सहस्रावण को अनुमान हो गया कि उसने देवी काली को अप्रसन्न कर दिया है. क्षमा की भिक्षा मांगने लगा, पर काली रूप में देवी सीता ने उसका संहार कर दिया. राम के अश्वमेध यज्ञ के अश्व को लव-कुश ने रोक लिया. युद्ध में हनुमान को बंदी बनाकर पेड़ से बांध दिया. राम पर तीर साधा ही था कि माता सीता ने बेटों को रोका और पिता के चरण स्पर्श करने का आदेश दिया. अग्रज हनुमान को चरण स्पर्श कर मुक्त करने का आदेश दिया था. लव-कुश को इतने महान योद्धा बनने की शिक्षा-दीक्षा भी माता सीता ने ही दी थी. तो ये थी धनुर्धर गुरु सीता का रूप! इक्कीसवीं सदी के विकसित भारत में मां सीता के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर विशद अध्ययन की आवश्यकता है. .विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में भगवती सीता पर विश्लेषणात्मक अध्ययन एक विशिष्ठ जीवन दर्शन की प्रेरणा देगा. उनके जीवन के सिद्धान्तों का अध्ययन, अनुसरण एक प्रगतिशील भारत के निर्माण में सहायक होगा.

खुशियां बांटने को आया यह क्रिसमस का त्योहार

पर्व विशेष

सूर्यदीप कुशवाहा

क्रिसमस ईसाई समुदाय के लिए बहुत महत्व का पर्व है. यह हर साल पूरे विश्व में अन्य पर्वो की तरह बहुत खुशी- खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है. यह हर साल सर्दियों के मौसम में 25 दिसंबर को पड़ता है. क्रिसमस न केवल यीशु मसीह के जन्म का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन के एक नए तरीके की शुरुआत का भी प्रतीक है. यह हमें आध्यात्मिकता के महत्व को सिखाता है और कैसे यीशु मसीह ने लोगों को अज्ञानता, लालच, घृणा और अंधविश्वासों से लड़ने के लिए शुद्ध और आध्यात्मिक जीवन जीने में मदद की. उन्होंने समाज की बुराइयों के अंधेरे के बीच लोगों के जीवन को बदलने के लिए काम किया. यीशु मसीह को दुनिया की रोशनी के रूप में भी माना जाता था और कैसे उनकी आध्यात्मिकता और ज्ञान की रोशनी अज्ञानता, घृणा और लालच के अंधेरे को मारने में मदद करती है.

क्रिसमस का जश्न पूरे विश्व में मनाया जाता है. इस अवसर पर सभी घरों और चर्चों को साफ किया जाता है और बहुत सारे रंगीन प्रकाश, मोमबत्तियों, फूलों और अन्य सजावटी वस्तुओं के साथ सजाया जाता है. हर कोई अपनी स्थिति के बावजूद एक साथ हो जाता

है और बहुत सारी गतिविधियों के साथ इस त्योहार का आनंद लेता है. इस दिन लोग क्रिसमस ट्री सजाते हैं और उसे रोशनी, उपहार की वस्तुओं, गुब्बारों, फूलों आदि से सजाते हैं. क्रिसमस ट्री बहुत ही आकर्षक और सुंदर दिखता है.

इस अवसर पर सभी चर्चों में समारोहों का आयोजन होता है. लोग चर्चों में जाते हैं और प्रभु को प्रार्थना करते हैं. समृद्धि और खुशी के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं. लोग अपने प्रभु यीशु की प्रशंसा में क्रिसमस कैरोल भी गाते हैं और अपने पापों के लिए कबूल करते हैं और प्रभु से क्षमा चाहते हैं. बाद में वे अपने मेहमानों और बच्चों को क्रिसमस उपहार वितरित करते हैं. इस अवसर पर दोस्तों और रिश्तेदारों को क्रिसमस की बधाई और क्रिसमस कार्ड देने का चलन है और उन्हें मेरी क्रिसमस की शुभकामनाएं दी जाती हैं. हर कोई क्रिसमस की दावत के महान उत्सव में शामिल होता है और परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ स्वादिष्ट खाना खाता है. लोग इस अवसर पर कुकीज, केक और अन्य मुंह में पानी लाने वाले व्यंजनों को सेंकते हैं ताकि वे मौसम के उत्सव का आनंद ले सकें. वे क्रिसमस की दावतों का आयोजन भी करते हैं और अपने परिवार और दोस्तों को इस अवसर का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते हैं.

बच्चे इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, क्योंकि उन्हें सांता क्लॉज़ से और उनके परिवार और दोस्तों से बहुत सारे उपहार और चॉकलेट मिलते हैं. क्रिसमस का जश्न स्कूलों और कॉलेजों में एक दिन पहले होता है, जो कि क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, 24 दिसंबर को होता है, जब छात्र सांता ड्रेस और क्रिसमस की टोपी पहनकर स्कूल जाते हैं और अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ उपहार साझा करते हैं. ईसाई समुदाय के लोग यीशु के महान कार्यों को याद करने और बहुत सारा प्यार और सम्मान देने के लिए इस त्योहार को मनाते हैं. वह दिन है जब लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलते हैं और खुशी, उत्साह और खुशी के साथ इस अवसर को मनाते हैं और शांति, प्रेम और क्षमा का संदेश भेजते हैं.

टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे

नश्तर

सुधीर राघव

सेठ दुलीचंद सुनामी ने अपनी कंपनी केलोबेलो के सीईओ झेंगा झकोई को बुलाकर पूछा, "गधे को सबसे ज्यादा वोट जंगल के किस हिस्से में मिले।" झेंगा ने बेहिचक जवाब दिया, "हजूर उत्तरी भाग से!" यह सुनकर सेठ सुनामी ने झेंगा को निर्देश दिया कि जंगल के उत्तरी हिस्से के सभी फलदार पेड़ काट दिए जाएं और बाकी पेड़ों के भी पत्ते झाड़कर घास को आग लगा दी जाए.

झेंगा 'जी' कहकर चला गया तो सेठ सुनामी ने अपनी दूसरी कंपनी बाबा इंटरप्राइजेज के सीईओ बाबा को बुलाया. बाबा इंटरप्राइजेज देसी दवाएं बनाने और बेचने का धंधा करती थी. इसके अलावा योग-प्राणायम सिखाने की सेवाएं देती तथा धर्म स्थलों का निर्माण और रख रखाव करती थी. जब से गधे ने जंगल में टनाटन धर्म की स्थापना की तब से सुनामी की बाबा इंटरप्राइजेज सबसे मोटा मुनाफा कमा रही थी. उसके शेयर हर हफ्ते उछलकर दोगुना हो जाते. सुनामी ने बाबा को निर्देश दिया कि वह खुद जंगल के उत्तरी हिस्से में जाकर टनाटन धर्म के उत्थान के लिए काम करें. सब जानवरों से चंदा एकत्र कर वहां एक भव्य धर्मस्थल बना दें तथा जानवरों को फल पत्ते तथा भोजन त्यागकर स्वेच्छा से जन्नत यात्रा के लिए प्रेरित करें, जहां 72 सुंदर शेरनियां उनकी सेवा के लिए तत्पर हैं. अपने सेठ से आदेश पाकर बाबा ने जंगल के उत्तरी हिस्से में दरबार जमा दिया. उसने सामने बैठी भूखी-प्यासी बेरोजगार जानवरों की भीड़ में उत्साह भरते हुए जयकारा लगाया - हमारा धर्म टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे! सभी जानवरों में एकदम से जोश भर गया. वे मिलकर चिल्लाए - टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे! खुश होकर बाबा ने प्रवचन शुरू किया - राज गधे की कृपा से सभी जानवरों के लिए मुक्ति के द्वार खुल गए हैं. वहां बला की खूबसूरत शेरनियां आपकी सेवा का अवसर चाहती हैं, जो भी भोजन जल त्यागकर जन्नत की राह चुनेगा, अमर हो जाएगा. बाबा की बात का जंगल के उत्तरी हिस्से में जबरदस्त असर हुआ था. भोजन और जल त्यागकर जानवर अमर होने के लालच में स्वेच्छा से दम तोड़ रहे थे. केलोबेलो कंपनी का हर न्यूज़ चैनल जानवरों के इस परम त्याग का लाइव प्रसारण कर रहा था. पूरे जंगल में गूंज रहा था- टनाटन हमेशा टनटनाटन रहे!

गुंजन की फिगरेटिव कलाकृतियों में है सौंदर्य

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

कला मनुष्य के इतिहास और विश्व की संस्कृति से जुड़ी है. समय की धारा के साथ-साथ कला का यह स्वरूप सदैव परिवर्तित होता रहता है. कभी कलात्मकता के आधार पर, कभी राजनीतिक उथल-पुथल के आधार पर, कभी सामाजिकता और विचारों के आधार पर तो कभी रूप-रेखा तथा विषय-वस्तु के आधार पर. कला इतिहास के साक्ष्यों के अनुसार हमेशा कलाकार चले आ रहे वादों के प्रतिकूल अपनी-अपनी अभिव्यक्तियों को मूर्तरूप प्रदान करते रहे हैं. तब एक नई कला का जन्म होता है. आज झारखंड के कुछ प्रतिष्ठित चित्रकार नई पृष्ठभूमि तैयार करने और कला में स्पंदन लाने हेतु अपनी कल्पनाओं को रंगों-रेखाओं के माध्यम से मूर्तरूप दे रहे हैं. इनमें से एक हैं-ममता गुंजन. रांची की ममता गुंजन के सधे हाथों ने कैनवस के फलक पर जो भी चित्र उकेरे हैं, वे वास्तव में वर्षों की कठिन साधना का प्रतिफल है. इनके वाटर कलर, ऑयल कलर, एक्रेलिक आदि में अपनी एक अलग शैली की झलक मिलती है. चित्रों में रंग संयोजन, रेखाओं के उभार और भावों का अद्भुत मिश्रण दिखता है. बाल्यकाल से ही ममता गुंजन का कला के प्रति लगाव रहा है. पेंसिल से इधर-उधर रेखाएं खींचना और उसमें रंग भरना इन्हें बचपन से ही अच्छा लगता रहा है. पढ़ाई के दौरान जब ये पेंटिंग बनाने लगीं तो लोगों ने प्रोत्साहित करने के बदले ये ताना कसना शुरू कर दिया कि ये बच्ची क्या पेंटिंग बनायेगी? तब रांची में ही इन्होंने चित्रकला का प्रशिक्षण अजित पंडित एवं प्रवीण कर्माकर से लिया और आज खुद बच्चों को कला का प्रशिक्षण दे रही हैं. इसके लिए इन्होंने रंग सृजन नाम से अपने प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की, जहां आज सैंकडों बच्चे कला की बारीकियों को सीख रहे हैं. इनकी कला की प्रदर्शनी रांची, कोलकाता, कोटा, पटना, वाराणसी के अतिरिक्त कई अन्य जगहों में लग चुकी है. कई बार इन्हें विभिन्न स्थानों में आयोजित वर्कशॉप में भी भाग लेने का अवसर मिला. इनकी कलाकृतियों में आदिवासी समाज की झलक देखने को मिलती है. इनका अधिकांश कार्य फिगरेटिव रहा. मनुष्य की उपस्थिति न भी हो तो उसका आभास रहता है. मनुष्य प्रकृति की सबसे सुंदर कृति है. चरित्र विशेष के आंतरिक सौंदर्य की अनुभूति को अभिव्यक्त करना ही इनकी प्राथमिकता है. ममता की पेंटिंग न केवल अर्थवत्ता प्रदान करती है, बल्कि उसमें अर्थों के लिए नये-नये आयाम खोलती है. इनकी कलाकृतियां दर्शकों के चित्त में उल्लास जगाती हैं. ममता कहती हैं कि पेंटिंग का मतलब सिर्फ रंग भरना नहीं है, यह ऐसा माध्यम है, जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाता है. लोहरदगा जिले के जिंगी तथा हजारीबाग के कदमा के ग्रामीण परिवेश में इन्होंने अपने जीवन के क्षण गुजारे हैं, इसलिए झारखंड के अप्रतिम सौंदर्य इन्हें रोमांचित करता है और इनके चित्रों में मूल रूप से झारखंड की कला संस्कृति पूरी तरह से आत्मसात किये दिखती है. इनकी बहुत सारी कलाकृतियां हमें सहज ही झारखंड की गलियों के दृश्य की याद दिलाती है. ममता को उम्मीद है कि वे अपने प्रयासों से समाज में परिवर्तन ला सकते हैं. ये कहती हैं अभी रुकना नहीं है, बहुत कुछ करना है और बहुत आगे जाना है.

आदिवासी, आदिवासियत और झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि में रची-बसी रचनाएं

रणेंद्र

लेखन के शुरुआती दौर से जो लेखक प्रेरक रहे हैं, उनमें पहला नाम महाश्वेता देवी का है और दूसरा नाम संजीव का. यह सच है कि मैं प्रोफेसर के घर जन्मा, प्रेमचंद, रेणु, अज्ञेय... सरीखे तमाम बड़े लेखकों को पढ़ा. धर्मयुग, सारिका, दिनमान जैसी स्तरीय पत्रिकाएं भी घर में नियमित आती थीं. मैला आंचल, राग दरबारी जैसी उत्कृष्ट रचनाएं मनोभाव पर छा गईं. लेकिन आदिवासी जीवन के हर रंग में डूबी महाश्वेता देवी का लेखन और फिर संजीव की रचनाओं ने जितना प्रभावित किया, शायद अन्य किसी ने नहीं.

संजीव के चार उपन्यास- सावधान नीचे आग है (1986), धार (1990), पांव तले दूब (1995) और जंगल जहां शुरू होता है (2000) में झारखंड और आदिवासी जीवन जिस तरह से प्रकट होता है, आप भौचक्के रह जाते हैं. ऊपर उल्लेखित तीन उपन्यास जहां झारखंड के कोयला खदान, आदिवासी, आदिवासियत और झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि में रचे-बसे कथ्य-भाषा-पात्र पाठक के दिल-दिमाग पर छा जाते हैं. वहीं "जंगल जहां शुरू होता है" बिहार के चंपारण के थारू आदिवासी समुदाय की दुख भरी दास्तां है जो पुलिस और डाकू, दोनों से प्रताड़ित थे. सबसे अधिक पीड़ित थारू समुदाय की महिलाएं थीं जिन्हें जाने क्या-क्या नहीं सहना पड़ा.

"सावधान नीचे आग है" धनबाद की चासनाला कोयला खदान की दुर्घटना (27 दिसंबर, 1975) पृष्ठभूमि पर लिखित उपन्यास है जिसमें हजारों खनिक मजदूरों की हृदय विदारक मौत हुई थी.

"धार" उपन्यास देवघर के निकट " सहारजोड़ " के संथालियों की सहकारी "जन खदान" के विध्वंस के त्रासदीपूर्ण यर्थाथ की दास्तां है. दरअसल यहां एक खदान की शुरुआत की गई थी. जिसके संचालन के बाद आदिवासियों के संगठन ने खुद कोल इंडिया को राष्ट्रीयकरण के लिए खत लिखा था, इस उम्मीद के साथ कि इससे रोजगार के नए अवसर यहां के लोगों को मिलेंगे. कुल मिलाकर लोग बेहतरी की उम्मीद में बेहद उत्साहित थे. आदिवासियों की यह मासूम और ईमानदार कोशिश माफिया व सिस्टम को पसंद नहीं आई और एक रात बुलडोजर चला कर उसे विध्वंस कर दिया गया.

"पांव तले दूब" झारखंड आन्दोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास है. संजीव के लेखन की खासियत है फील्ड में उतर कर, घूमकर वस्तुस्थिति को समझना और लिखना. गठिया से पीड़ित संजीव के लिए यह आसान नहीं रहा है. इस शारीरिक सीमा के बाद भी उनकी लेखनी बंद कमरे की कोरी कल्पना नहीं है. भिखारी ठाकुर पर जब लिखने की सोची तो केवल भिखारी ठाकुर के जन्मस्थली ही नहीं गए, बल्कि उन तमाम गांवों में भी घूमे जहां भिखारी ठाकुर विदेसिया की प्रस्तुति के लिए जाया करते थे. उनके लेखन में यही संघर्ष, यही जिजीविषा शिद्दत से नजर आती है. कुल्टी में कारखाना बंद होने उसी प्रकार के विदर्भ के किसानों की आत्महत्याओं को समझने के लिए वे दो वर्षों में लगभग सभी पीड़ित परिवारों के घरों गए. उनके दुःख को महसूस किया. तब "फांस" उपन्यास आया. नौकरी छूटने के बाद हंस के कार्यालय में एक छोटे से कमरे में अपनी शारीरिक सीमा (गठिया) के बावजूद उन्होंने जो साहित्यिक योदगान दिया, वह भी अमूल्य है. बंधुआ मजदूर के परिवार से निकला यह शख्स हिंदी लेखन के इस ऊंचाई तक पहुंचा, अपने आम में एक मिसाल है.

२०२३ का साहित्य अकादमी पुरस्कार और संजीव

रामचंद्र ओझा

यथार्थ ज्ञान के सहारे अखबारों में रपटें लिखी जा सकती है, बड़ा रचनाकार बनना संभव नहीं है. इसके लिए भाषा, भाषा के भाव, निजी संवेदना, रचना-दृष्टि और रचना-कौशल बेहद जरूरी है. ये बातें संजीव बखूबी जानते हैं और इसपर अमल भी किया.

वैसे तो संजीव मूलतः एक कथाकार रहे किंतु बाद के वर्षों में उन्होंने कई महत्वपूर्ण उपन्यास भी लिखे. यह साहित्य अकादमी पुरस्कार भी उनके सद्यः प्रकाशित उपन्यास 'मुझे पहचानो' की बदौलत मिला है.

संजीव ने पहला उपन्यास ' सावधान नीचे आग है ' लिखा जो धनबाद के चास नाला में पानी भर जाने से मजदूरों की मृत्यु और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी पर केन्द्रित है.

इस उपन्यास में चित्रित एक आदमी की 11 दिनों की 'लंबी मौत ' की दास्तान भुलाए नहीं भूलती. कितने लोग मरे और उसकी परिणति क्या हुई इसे संजीव उपन्यास में कैसे चित्रित करते हैं, इससे उनके क्रांतिकारी दृष्टि का पता चलता है.

" क्रिकेट की कमेंट्री चल रही है, इंडिया इज आल आउट फार फोर फिफ्टी थ्री, ...इसी बीच एनाउन्सिंग होती है, इन्दिरा हैज बीन शाट डेड बाइ हिज सेक्युरिटी मेन ! "

इसके बाद इन्होंने धार, पांव तले की दूब (गोरख पाण्डेय के जीवन पर आधारित), जंगल जहां से शुरू होता है (बेतिया के दस्यु उन्मूलन पर आधारित) , फांस (किसानों की आत्म हत्या), रह गईं दिशाएं इसी पार (स्लाटर हाउस में जानवरों पर किए जा रहे अत्याचार पर केंद्रित), प्रत्यंचा और लोक गायक भिखारी ठाकुर के जीवन पर आधारित सूत्रधार जैसे कई महत्वपूर्ण उपन्यासों का रचना की.

वस्तुतः संजीव को मैं स्कूल और कालेज के दिनों से जानता हूं. सुल्तानपुर (उ.प्र.) के एक छोटे से गांव बांगरकला के साधारण परिवार में जन्मे संजीव की स्कूली शिक्षा बंगाल के एक कस्बे कुल्टी की लौह नगरी में और फिर कालेज की पढ़ाई आसनसोल में हुई. इस प्रकार कुल्टी, आसनसोल और बंगाल का परिवेश ही इनकी कर्म भूमि रहा, जहां इनके व्यक्तित्व का निर्माण हुआ. इस्को के कुल्टी कारखाने में ही एक केमिस्ट के रूप में नौकरी भी की. बाद में नौकरी छोड दिल्ली चले गए, हंस पत्रिका में राजेन्द्र यादव से जुड़े और स्वतंत्र लेखन को अपने जीवन का आधार बनाया.

प्रायः सभी बड़े रचनाकारों की तरह संजीव ने अपना साहित्यिक लेखन कविताओं से प्रारंभ किया था. पूत के पांव पालने में ही देखे जाते हैं. उनकी एक प्रारंभिक कविता से उनके व्यक्तित्व की एक प्रमुख प्रवृत्ति का हमें आभास होता है.

" बचपन में सुनी थी एक कहानी/ दो मुंह वाले पक्षी की/ जब एक मुंह अमृत फल पा लिया/ और दूसरे को दिए बगैर ही खा लिया/ तो प्रतिशोध में दूसरे ने विष फल खा लिया/ और मजा

पहले ने भी पा लिया/ आज बड़े होकर चारों ओर उसी दो मुंह वाले पक्षी को देखता हूं."

यह संजीव की केवल प्रारंभिक कविता नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व की एक झलक है. अतः यदि संजीव की कहानियों और उपन्यासों में प्रतिवाद का पुट विशेष रूप में मिलता है तो यह अकारण नहीं बल्कि उनकी अस्मिता का अटूट हिस्सा है. प्रतिवाद उनके साहित्य का स्थाई भाव तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज रचनाओं का प्रमुख स्वर है.

संजीव का हिंदी साहित्य में पदार्पण सातवें दशक में उनकी कहानी "कहानी एक बीमा कंपनी" से होती है, जो सारिका में कथाकार कमलेश्वर ने छापी थी किंतु एक प्रगतिशील लेखक के रूप में उनकी पहचान नक्सलवाद पर लिखी 'अपराध' कहानी से हुई.

बताते चलें कि नक्सलवाद छठे और सातवें दशक में एक प्रमुख राजनीतिक विचारधारा के रूप में उभरा था. नक्सलवाद के महिमा मंडन में लिखी गई 'अपराध' हिंदी जगत की इस मिजाज की पहली कहानी है, एक प्रस्थान बिंदु.

कहानी आदर्शवादी है, जिसकी बुनियाद यथार्थ पर टिकी है. यह कहनी बहुत पसंद की गई जिसे युवा कहानी पुरस्कार प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला और फिर कथा जगत ने इन्हें हाथों-हाथ लिया और ये प्रसिद्धि के शिखर पर चढ़े.

अतः संजीव हमारे समय के ऐसे रचनाकार हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. किसी जमाने में प्रेमचंद, भीष्म साहनी और निर्मल वर्मा, बाद में मोहन राकेश, कमलेश्वर और राजेंद्र यादव की तिकड़ी को जैसे हम नहीं भुला सकते, वैसे ही इसके आगे की पीढ़ी के लेखकों में संजीव को भी नहीं भुलाया जा सकता. इन्हें भुलाना हिंदी वांगमय से एक खास विचार और खास भावधारा के लेखक को विस्मृत कर देने जैसा है.

संजीव की तुलना प्रायः प्रेमचंद से करने की कोशिश होती रही, जो ग़लत है. इसके कारण संजीव विवादों में घिरे रहे. संजीव इसलिए महत्वपूर्ण नहीं हैं कि उन्होंने प्रेमचंद का अनुसरण किया, बल्कि इसलिए कि जैसे सभी बड़े लेखकों की अपनी अलग शैली होती है, वैसे ही इनकी भी शैली अलग है, जो अपने आप अनोखी है. किसी से तुलना क्यों?

दरअसल संजीव पाठकों में जितना लोकप्रिय रहे, और जैसी उनके हृदय मे जगह बनाई, वैसी आलोचकों में नहीं. यदि किसी बड़े आलोचक की संजीव की रचना धार्मिकता की ओर दृष्टि पहले गई होती, जिस प्रकार कथाकार उदय प्रकाश या अन्यान्य कवि, कथाकारों और उपन्यासकारों पर गई, तो साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार संजीव को बहुत पहले मिल गया होता. संजीव को 2023 तक इस पुरस्कार के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी होती.

कहानी और उपन्यास कला विधाएं है जिनका उद्देश्य किसी विषय से संबंधित भावों और विचारों से पाठक को ठीक उसी प्रकार संक्रमित करना है, जिस रूप और गहराई से खुद रचनाकार संक्रमित है. शिल्प और रचना कौशल की यही भूमिका है. यही कला भी है. अतः संजीव की वैचारिक प्रतिबद्धता से हमारी असहमति हो सकती है किंतु कला की दृष्टि से इनकी रचनाएं सभी वर्गों के पाठकों को आकर्षित करती हैं.

संजीव ने विपुल साहित्य रचा है. औरों ने भी तो रचें हैं. किंतु संजीव के लेखन की विशेषता उसकी संवेदन क्षमता है. "कथा एक चिर कुमार की", पुण्य की माटी, कठपुतली, मरोड़, टीस, आप यहां हैं या लौट चलो दुलारी बाई इत्यादि विशुद्ध यथार्थवादी कहानियां हैं, जिन्हें पढ़ते हुए हम भाव विभोर हो जाते हैं. ये उनकी प्रारंभिक रचनाएं हैं, जो वेदना और संवेदना आश्रित हैं, वहीं उनकी बाद की रचनाएं जैसे प्रेरणा श्रोत, मानपत्र, खोह का आदमी, खोज इत्यादि विचारधारा प्रधान हैं, जहां संवेदना का अभाव या इससे दुराव-छुपाव दिखता है. "दुनिया की सबसे हसीन औरत", "टीस" और "आप यहां हैं", वस्तुत : आदिवासी जीवन की बेहद संवेदनशील, खूबसूरत रचनाएं हैं.

संजीव की कुछ रचनाएं प्रतीकात्मक (सिम्बोलिक) भी हैं. वे प्रतीकों के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों का चित्र उकेरने में सफल रही हैं. ऐसी कहानियों में बाढ़, प्याज के छिलके, ट्रैफिक जाम और कहानी पिशाच को उद्धृत किया जा सकता है. शिल्प और ट्रीटमेंट के लिहाज से 'पिशाच' कहानी के उच्चतम मानकों को छूती हैं. यह मुझे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एक श्रेष्ठ कहानी लगी थी.

संजीव ने मिलावट, आक्टोपस इत्यादि नाटक भी लिखे तथा "धर्म क्षेत्रे अंगार क्षेत्रे" शीर्षक से अखबार के प्रारंभिक दिनों में वर्षों एक कालम भी लिखा.

संजीव न केवल अतिवाम विचारधारा से जुड़े रहे बल्कि समय की हवा के अनुसार मन, कर्म और वचन तीनों से विचारधारा उनके जीवन की आस्था का केंद्र रहा है. इन सबके बावजूद वे एक सहज, दोस्त परस्त और मृदुल स्वभाव के व्यक्ति रहे. उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई और ढेरों शुभकामनाएं.

हम सबने उनकी कहानियों का बनना देखा-सुना

कुमार बृजेंद्र

बंगाल के आसनसोल के पास का एक कस्बा- कुल्टी. सातवें दशक का आरंभ. कोयला और लौह उद्योग में खपे उत्तर प्रदेश और बिहार के मेहनतकश. ऐसे ही एक परिवार का जवान होता लड़का, नक्सलबाड़ी उभार की आंच में पकता. संजीव को साहित्य अकादमी मिलना इस पूरे परिदृश्य के प्रति उनकी दृष्टि पर मुहर लगने जैसा है.

'किस्सा बीमा कम्पनी के एजेंट का' पहली कहानी सारिका में छपी. लेकिन चर्चा में आए नक्सलवाद के सैद्धांतिकी की तलाश करती कहानी 'अपराध' से. संजीव के निर्माण में नरेन्द्र ओझा, भोला सिंह, नरेन आदि का बहुत योगदान रहा. भोला सिंह, नरेन, सृजय, मदन कश्यप, नारायण समीर, अनवर शमीम, कुमार बृजेंद्र और संजीव. यही था उनका वृत्त जिसमें उठना-बैठना और जीना में सभी लोग संजीव के बेहद पारिवारिक और संजीव जी के परिवार से भी सबका जुड़ाव. हम सब ने उनकी कहानियों का बनना द ेख ा- स ुन ा. उपन्यासों के पीछे लिए गए नोट्स देखे हैं. एक विद्यार्थी की तरह संजीव अपने पात्रों के आस पास के गहरे उतर कर अध्ययन करते और तब लिखते.

संजीव जी पारिवारिक संबंधों को जीने और बरतने वाले रहे हैं. यथार्थ की कलात्मक प्रस्तुति के संदर्भ में संजीव सर्वश्रेष्ठ हैं. उनका रचनाफलक विविधताओं से भरा है. सहज और प्रवाहमय भाषा उसके स्वाभाविक कवि की सौगात है.

प्रत्येक रचना के पीछे उनकी मेहनत और ईमानदारी उन्हें न सिर्फ हिन्दी बल्कि विश्व - कथा-संसार में बहुत ऊंचे स्थापित करती है.

जंगल : अरण्य का कैलिडोस्कोप

राकेश कुमार सिंह

समीक्षा

अपने समय की महत्वपूर्ण पत्रिकाओं (धर्मयुग, साप्ताहिक हिंदुस्तान आदि-इत्यादि) में कहानियों -कविताओं के द्वारा नियमित उपस्थिति दर्ज करने वाले झारखंड के हिंदी साहित्य की प्रथम पीढ़ी के अग्रपंक्तेय वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी जी ने कहानी, कविता, व्यंग्य, नाटक, गीत, आलोचना, विनिबंध आदि-आदि विधाओं में प्रभूत लेखन किया है और अब लगभग 86-87 वर्ष की आयु में उनके पहले (फिलहाल) उपन्यास का प्रकाशन सुखद ही नहीं, विस्मयकारी भी है.

कैलिडोस्कोप में कोई एक दृश्य आंखों के सामने देर तक नहीं ठहरता अपितु क्षण-क्षण रंग-दृश्य बदलते रहते हैं. यहां भी उपन्यास इक्कीस छोटे-छोटे अध्यायों में है. हर अध्याय का शीर्षक किसी चरित्र का नाम है जिसके सहारे कहानी आगे बढ़ती है. यों हर अध्याय अपने आप में एक मुकम्मल कहानी का आभास देता है और आगे वह चरित्र कथासूत्र को जोड़ने वाला गौण पात्र या फिर नेपथ्य में..! उपन्यास के आदि से अंत तक जो चरित्र उपस्थित है वह है सिसीलिया उर्फ सिसला और यह सिसला...?

सिसला पुरनापानी गांव के जोहन सांगा की तीसरी बेटी है. दो और बेटियां हैं फिलोमिना और स्कोलेस्टिका. जोहन-मरियम दंपति का एक बेटा भी है, ब्रीसियस उर्फ बिरिस. गरीबी रेखा की तलछट इस परिवार के सदस्य सयाने होते ही अपने रास्ते खुद चुन कर एक-एक गांव से निकलते जाते हैं और परिवार बिखरता जाता है.

बिरिस नक्सली संगठन से जुड़ जाता है, फिलोमिना फौजी डेविड के साथ ब्याह कर चली जाती है और स्कोलेस्टिका देह-व्यापार के एजेंट माइकल और सुखमनी के सब्जबाजी बहकावे में आकर दिल्ली निकल पड़ती है. पीछे रह जाते हैं जोहन, मरियम और सिसला. आगे की कहानी सिसला के जीवन संघर्ष और उतार-चढ़ाव... बल्कि उतार ही उतार (दैहिक-भौतिक शोषण) की कथा या व्यथा है.

उपन्यास का कलेवर बड़ा नहीं है परन्तु इसका कथ्य झारखंड विशेष कर जंगल-समाज के अनेक कोनों-अंतरों तक पहुंचता है जहां विस्थापन है, नक्सलवाद के कारण-परिणाम हैं, डायन प्रथा है, जंगल में ईसाई मिशनरियों का प्रवेश एवं उनके प्रभाव-परिणाम हैं, धर्मांतरण है, आदिवासी जीवन-संस्कृति-आहार-व्यवहार हैं... पात्र-चरित्र आते हैं - जाते हैं, पीछे रह जाता है वही जंगल का जंगल जो आदमी के बाहर भी है और भीतर भी...अपनी समस्त बीहड़ताओं, भयावहताओं, विडंबनाओं, विद्रूपताओं और समस्याओं के साथ.

इस उपन्यास में कई स्त्री-चरित्र हैं और ये स्त्रियां निर्द्वन्द भाव से पुरुषों के एकांत में आती-जाती रहती हैं. नैतिक -अनैतिक या योन-शुचिता बोध नागरीय समाज जैसा नहीं है बावजूद इसके "जंगल" यौन-प्रसंगों के ग्राफिक डिटेल (चटखारेदार विवरण) में नहीं जाता. साहित्य के पाठक चित्तकोबरा (मृदुला गर्ग), सूरजमुखी अंधेरे के (कृष्णा सोबती), ट-टा प्रोफेसर (मनोहर श्याम जोशी) या चाक/अल्मा कबूतरी (मैत्रेयी पुष्पा) पढ़ चुके हैं फिर तो जंगल के ऐसे प्रसंग तो दाल में नमक की भांति हैं.

उपन्यास का शिल्प भी कुछ अलग है मानों लेखक उपन्यासकार कुछ लिख नहीं रहा वरन् पाठकों से सीधा संबोधित होते हुए जंगल की देखी-सुनी कहानियां कह रहा है. कुछ इस तरह.. मतवार तो वह था. मतवार समझते हैं न ? मतवाला शराबी समझ लीजिए."

कई संवादों-प्रसंगों की ओट से लेखक का व्यंग्यकार झांकता दिखता है. इस गल्प का शिल्प संस्मरण, डायरी, बतकही और किस्सागोई के यौगिक से रचा गया है.

किस्से में "जो नहीं है" उस पर बात करने से बेहतर होता है "जो है" उस पर बात करना बावजूद इसके उपन्यास पढ़ चुकने के बाद कुछ खलिश-सी रह जाती है. पहली यह कि कलेवर के लिहाज से अवसर था और स्थान भी परन्तु उपन्यास किसी समस्या पर तनिक देर तक नहीं ठहरता. जंगली हवाओं की भांति तने-डालियों-पत्तों को छूता-डुलाता है और आगे निकल जाता है.

दूसरी खलिश कि उपन्यास का हर स्त्री- चरित्र एक ही रंग-सांचे (ग्रे शेड-देहार्पण) में ढला है. वह चरित्र जो उपन्यास में आद्योपांत उपस्थित है...सिसला, वह तो पंचायती हुक्का बन कर रह गई है. जो भी पुरुष उसके जीवन में आता है (जेलर, दिलीप, केंडूलना, तिलकधारी सिंह, स्टीफन, जायसवाल, प्रोफेसर श्रीवास्तव और सलीम मियां) सिसला का दैहिक या भौतिक शोषण कर उसके जीवन से निकल जाता है. सिसला की यह त्रासद नियति सालती है.

चूंकि उपन्यासकार झारखंड से ही आते हैं, लंबे समय तक झारखंड में सुदूर मरमडेंगा (सिमडेगा ?) में ही पदस्थापित एवं कार्यरत रहे हैं और उपन्यास की घटनाएं-चरित्र अनुभवजनित हैं तो...घटनाएं और चरित्र रोजनामचे की भांति दर्ज की जाती रही हैं तो प्रस्तुत उपन्यास में जंगल-समाज को लेकर कुछ पुरानी धारणाएं, स्थापनाएं और रूढ़ियां ध्वस्त हो रही हैं क्योंकि कोई रचना रोजनामचा भले नहीं होती परन्तु रचनाएं जन्मती इसी रोजनामचे से हैं.

खत्म हो गया प्रेम का एक खूबसूरत अध्याय

वीणा श्रीवास्तव

कल प्रेम का एक खूबसूरत अध्याय संपन्न हो गया. एक ऐसा खूबसूरत अध्याय जिसमें प्रेम ही प्रेम था. पंक्तियों में प्रेम और पंक्तियों के बीच रिक्त स्थान से प्रेम. गिनती के कोई पन्ने नहीं, अनवरत लिखा जा रहा था प्रेम का अद्भुत उपन्यास. कल लब्ध प्रतिष्ठित चित्रकार इमरोज़ जी नहीं रहे. वही अमृता प्रीतम वाले इमरोज जी. इतनी शिद्दत से चाहने वाला कोई दूसरा इमरोज़ नहीं हुआ. उनसे पहली मुलाकात करीब दस-ग्यारह साल पहले हुई थी जब मैं दिल्ली अपनी एक मित्र के घर रुकी थी. साहित्यिक चर्चा के अमृता जी और इमरोज़ जी की बात आई. और फिर फोनकर अगले दिन मिलने भी चली गई. हर तरफ अमृता जी की पेंटिंग्स. पहली ही मुलाकात तीन-चार की घंटे रही. उन घंटों में उन्होंने सिर्फ अमृता जी के बारे में ही बात की और उनकी खासियत थी कि जब वह अमृता जी के बारे में बात करते थे तो उन्होंने कभी यह नहीं कहा अमृता ऐसा करती थी या वैसा करती थी. उन्होंने हमेशा कहा अमृता रात में लिखती है. उसकी आदत है लिखते समय चाय पीना और मैंने हमेशा ही बिना कहे बनाकर रख दी. जैसे हर पल उन्होंने अमृता को ही जीया. वापस आने के बाद मेरे मन में इच्छा हुई कि काश मेरे लम्बी कविताओं के संकलन के लिए इमरोज़ जी कवरपेज बना दें. मैं फिर दिल्ली गई और मिली. बड़ी हिम्मत करके अपनी इच्छा जाहिर की. उन्होंने कहा मैं अमृता के लिए ही बनाता था. मैंने कहा, आप अपने हाथ से एक स्ट्रोक लगा दीजिए, एक लकीर ही खींच दीजिए, एक गोला बना दीजिए, वही कवर पेज होगा. मैं उदास हो गई थी. पता नहीं क्या हुआ, कुछ देर बाद बोले, अरे भाई हमें भी तो कविता पसंद आनी चाहिए. तभी तो कुछ बनाएंगे. मैं तो पूरे इंतजाम से गई थी. तुरंत पांडुलिपि निकाली और थमा दी. उन्होंने उलट - पलटकर पांडुलिपि देखी फिर बोले बाद में देखूंगा. कोई कविता पसंद आएगी तभी बनाऊंगा. मैं वापस आ गई थी.

कुछ समय बाद फोन किया तो बोले अभी नहीं बनी. लम्बे इंतजार के बाद मैंने उन्हें खत लिखा. खत लिखे भी एक महीना हो गया, उसका जवाब नहीं आया. मैं लखनऊ जा रही थी. ट्रेन पर बिठाने के बाद राजेंद्र जी जैसे ही घर आए, एक पैकेट मिला. उन्होंने खोला तो उसमें एक पेंटिंग, कविता के साथ एक खत मिला. राजेंद्र जी ने तुरन्त फोन किया और बताया कि इमरोज़ जी ने लड़की की सुंदर- सी पेंटिंग भेजी है. यकीन मानिए मन कर रहा था काश ट्रेन रुक जाए और मैं तुरंत वो पेंटिंग देखूं. फिर राजेंद्र जी ने सबकी फोटे खींचकर मुझे व्हाट्सअप किया. कविता भी खासी चर्चित रही थी और मुझे तो उस कविता का बेशकीमती उपहार मिल गया था. लम्बी कविताओं के संकलन का कवर पेज वही था. उसके बाद भी कई बार मिलना हुआ. कुछ समय पहले जब दिल्ली गई थी तो फोन किया मगर उनकी तबियत खराब थी तो उनकी बहू ने कहा कि बीमार हैं, नहीं मिल सकेंगे. फिर मेरा जाना नहीं हुआ और अब दिल्ली जाकर एक खालीपन लगेगा.

स्मृतिशेष इमरोज

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

बेतिया शहर के बीचों-बीच लगी भीषण आग

बेतिया। बेतिया में कॉस्मेटिक दुकान में आग लगी है. शहर के बीचों-बीच लाल बाजार में भीषण आग को देखकर लोगों में अपरा-तफरी मच गई है. फिलहाल मोहल्ले में कई घरों में लोग फंसे हैं. आग लगने के कारण शहर में कोहराम मचा हुआ है. सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई. चार मंजिला इमारत में आग लगने की वजह से फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों को आग पर काबू पाने में काफी मुश्किल हो रही है. बता दें कि शहर के बीच स्थित लाल बाजार के चर्च रोड के चार मंजिला इमारत में आग लगी है. इमारत में जहां आग लगी है वहां एक कॉस्मेटिक की दुकान है.

दरभंगा: महिलाओं से 30 लाख रु की ठगी

दरभंगा। दरभंगा में महिलाओं से 30 लाख की ठगी हुई है. जिले के सिंहवाड़ा प्रखंड के सिमरी पंचायत में एक आवासीय परिसर में संचालित समृद्धि माइक्रो फाइनेंस कंपनी का कार्यालय बंद कर लाखों रुपये लेकर फरार होने खबर सामने आई है. सूचना पर सैकड़ों महिला-पुरूष खाता धारकों ने स्थानीय थाना पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया. फाइनेंस कंपनी के कार्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी को देख कर खाता धारक ने हंगामा किया और आरोपी के गिरफ्तारी की मांग करने लगे. वहीं सिमरी थाना के प्रशिक्षु दारोगा सुधांशु कुमार ने मकान मालिक शमीम को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

महिला सिपाही ने ट्रक चालक को हंटर से पीटा

बक्सर। बक्सर में महिला सिपाही की दबंगई देखने को मिली है. उसने नो एंट्री में घुसे ट्रक चालक को बेरहमी से पीटा है. महिला सिपाही ने पहले उसको जमीन पर गिराया और उसके बाद हंटर और बूट से जमकर पिटाई कर दी. इस दौरान महिला सिपाही की दादागिरी को किसी ने कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया. वहीं वीडियो वायरल होने के बाद एसपी मनीष कुमार ने उसे सस्पेंड कर विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया है. मिली जानकारी के अनुसार सिपाही का नाम अमृता कुमारी है, जो औद्योगिक थाना क्षेत्र के सिंडिकेट गोलंबर पर ड्यूटी कर रही थी.

विश्व शांति के लिए दलाई लामा सहित कई विद्वानों ने की विशेष प्रार्थना

संवाददाता। बोधगया

33 देशों के बौद्ध धर्म के विद्वान और श्रद्धालु शामिल हुए

राज्य के बोधगया में महाबोधि मंदिर स्थित स्तूप के समीप शनिवार सुबह बोधि वृक्ष के नीचे विश्व शांति के लिए विशेष प्रार्थना की गई. इसमें तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के साथ 33 देशों के बौद्ध धर्म के विद्वान और श्रद्धालु शामिल हुए.

इस दौरान दलाई लामा ने कहा कि बोधगया पावन भूमि है, जो विश्व के विशेष स्थलों में से एक है. यहां बुद्ध भूमि में आने पर हर किसी को शांति मिलती है. इस पावन भूमि में भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी. यहां विश्व से लोग भगवान बुद्ध के दर्शन करने के लिए आते हैं. यहां सभी को शांति मिलती है. बोधगया विश्व की खास स्थली है.

महाबोधि मंदिर में विश्व शांति की कामना को लेकर हुए विशेष प्रार्थना में बुद्धं शरणम् गच्छामि से मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया. विश्व शांति की प्रार्थना बौद्ध विद्वानों एवं श्रद्धालुओं ने अपने-अपने देश की भाषाओं में की. भारतीय भाषा के साथ विश्व शांति की कामना की प्रार्थना शुरू हुई. इसके बाद श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, कंबोडिया, ताइवान, कोरिया, वियतनाम, तिब्बत जापान आदि देशों की भाषाओं में विश्व शांति की प्रार्थना की गई. तकरीबन पांच मिनट अलग-अलग देश की भाषाओं में विश्व शांति की कामना को लेकर विशेष प्रार्थना हुई. उल्लेखनीय है कि तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा 15 दिसंबर को बोधगया पहुंचे थे. वे बोधगया स्थित तिब्बत मंदिर में प्रवास पर हैं. दलाई लामा बोधगया में 26 दिनों के प्रवास पर आये हुए हैं. इस दौरान तिब्बती मंदिर से लेकर महाबोधि मंदिर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- बिहार युवक संघ की स्थापना किस वर्ष हुई थी – **1928**
- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – **जनसंख्या**
- किस बीमारी के इलाज के लिए संकल्प प्रोजेक्ट बनाया गया था – **एचआईवी**
- बिहार केसरी किसे कहा जाता है – **श्री कृष्ण सिंह**
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – **अलाउद्दीन बहमन शाह**
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – **नेपाल**
- बिहार के किस जिले में अभ्रक मिट्टी पाई जाती है – **नवादा**
- भारत में सोंगमो झील कहां पर है – **सिक्किम**
- बिहार राज्य चीनी निगम लिमिटेड कहां स्थित है – **पटना**
- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है – **उत्तर प्रदेश**

गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन एवं राहुल पर बोले हमला

बिहार में जदयू का राजद में बहुत जल्द हो जाएगा विलय

संवाददाता। बेगूसराय

केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने जल्द ही जदयू का राजद में विलय होने का दावा किया है. उन्होंने कर्नाटक सरकार, आईएनडीआईए गठबंधन एवं राहुल गांधी पर भी जोरदार हमला किया है. बेगूसराय प्रवास पर आए गिरिराज सिंह ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए जोरदार हमला किया है. गिरिराज ने कहा है कि बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है. जल्द ही नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का राजद में विलय हो जाएगा. दिल्ली से आने के दौरान हवाई जहाज में लालू यादव ने कान में महत्वपूर्ण बातें कही है. उस पूरी बात का राजनीतिक दृष्टिकोण से खुलासा नहीं करूंगा. लेकिन उनकी बात से यह स्पष्ट हो गया है कि जदयू का राजद में बहुत जल्द विलय हो जाएगा. सिंह ने कहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सिद्धरमैया सरकार ने हिजाब पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा दिया है. यह सिर्फ हिजाब पर से प्रतिबंध हटाना नहीं है, बल्कि इस्लामिक सरिया कानून को स्थापित किया गया है. आईएनडीआईए गठबंधन और राहुल गांधी की जहां भी सरकार बनेगी, वहां इस्लामी कानून और सरिया कानून लागू होगा. इसी तरह की साजिश चल रही है. जहां कहीं भी आईएनडीआईए गठबंधन और कांग्रेस की सरकार बनेगी. वहां-वहां इस्लामी कानून लागू किया जाएगा, भाजपा इसका विरोध करती है. यह सनातन के खात्मे का सुनियोजित तरीका है. एक तरफ हलाल और दूसरी तरफ यह इस्लामी सरिया कानून गलत है. भारतीय जनता पार्टी जहां-जहां ऐसा होगा वहां विरोध करती रहेगी.

उन्होंने कहा कि वीके पांडियन द्वारा प्रतिष्ठित जगन्नाथ मंदिर के भीतर बीफ प्रमोटर को अनुमति देना धर्म, इतिहास और आध्यात्मिकता की उपेक्षा है. जिम्मेदार लोगों पर त्वरित और गंभीर करवाई होनी चाहिए. बीफ प्रमोटर को मंदिर में घुसने का कोई अधिकार नहीं है. पांडियन को मंदिर के पुजारी एवं देश के सभी हिंदुओं से भी माफी मांगनी चाहिए. उड़ीसा में ही नहीं पूरे देश में इसका विरोध होना चाहिए.

बेगूसराय में लगातार हो रही घटनाओं को लेकर भी गिरिराज ने सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में 90 के दशक में जब जंगलराज चल रहा था तो यहां डॉ. रामाश्रय सिंह का अपहरण हो गया. डॉ. प्रेमचंद से फिरौती लिया गया, उसकी फिर से शुरुआत हो गई है. जंगलराज-2 में डॉ. रुपेश कुमार को पत्र लिखकर बदमाशों ने 20 करोड़ की रंगदारी मांगी है. पुलिस अभी तक अपराधी के पास नहीं पहुंची है. उन्होंने कहा कि ऐसे में लालू यादव और नीतीश कुमार बताएं कि यहां के कारोबारी आखिर बेगूसराय में कैसे रहें, वे कहां जाएं. बेगूसराय में चार सौ से अधिक डॉक्टर हैं, सभी डॉक्टर और व्यवसायी दहशत में हैं, परेशान हैं. शराब माफिया पुलिस अधिकारी को कुचलकर मार देते हैं. अपराधियों का तांडव तेज हो गया है.

तेजस्वी को ईडी ने फिर भेजा समन, 5 को बुलाया

पटना। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को समन भेजा है. उन्हें 5 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है. इससे पहले भी ईडी ने तेजस्वी को समन जारी कर 22 दिसंबर को बुलाया था. लेकिन वो ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. उन्होंने अपने वकील के माध्यम से ईडी से पूछताछ के लिए दूसरी तारीख मांगी थी. बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी समन जारी कर 27 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है. हालांकि लालू ईडी दफ्तर पहुंचेंगे या नहीं इस पर संशय बना हुआ है. लालू पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस जायेंगे या नहीं ये तो 27 दिसंबर को ही पता चलेगा. बता दें कि जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई की टीम लालू और उनके करीबियों के घर छापेमारी की थी. सीबीआई के अधिकारी राजद प्रमुख और उनके परिवार वालों से लगातार पूछताछ कर रहे हैं.

क्या ललन को आउट कर जदयू की बागडोर खुद ही संभालेंगे नीतीश

पटना। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद बिहार में सियासत तेज है. इधर जदयू ने भी 29 दिसंबर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक एक साथ बुलायी है. सूत्रों की मानें तो बैठक के बाद राज्य में सियासी भूचाल आ सकता है.

खबर है कि बैठक में राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जदयू पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाया जा सकता है. उनकी जगह नीतीश कुमार खुद यह पदभार संभाल सकते हैं. या फिर किसी ऐसे नेता को पार्टी का अध्यक्ष बना सकते हैं जो उनकी हां में हां मिलाये. सूत्रों की मानें तो इस लिस्ट में सबसे पहला नाम जदयू के सांस रामनाथ ठाकुर का है.

लालू-तेजस्वी से ललन की बढ़ती नजदीकियों से नीतीश नाराज : खबर यह भी है कि ललन सिंह की राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ बढ़ती नजदीकियों से नीतीश कुमार नाराज हैं. वह पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं से भी नाराज हैं. क्योंकि इन लोगों ने इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं के सामने नीतीश की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को अच्छे से नहीं रखा. ऐसे में नीतीश कुमार 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में खुद पार्टी अध्यक्ष का पद संभालेंगे या फिर जो उनकी हां में हां मिलाये उसे पार्टी की बागडोर का जिम्मा देंगे. इन सभी अटकलों पर 29 दिसंबर को बैठक के बाद विराम लग जायेगा.

यूट्यूबर मनीष कश्यप नौ महीने के बाद जेल से रिहा

संवाददाता। पटना

यूट्यूबर मनीष कश्यप करीब नौ महीने के बाद जेल से बाहर आ गए. इस दौरान पटना में उनके समर्थकों ने हीरो की तरह उनका स्वागत किया. मनीष कश्यप ने हुंकार भरते हुए कहा कि वह जो काम करते थे आगे भी वही काम करेंगे. बिहार के आम लोगों की आवाज बनेंगे. साथ ही कहा कि उनके समर्थकों के दुआ और आशीर्वाद के कारण वह आज बाहर आए हैं. उनके समर्थकों ने हर कदम पर उनका साथ दिया है. इसके लिए कश्यप ने समर्थकों को धन्यवाद भी दिया. मनीष कश्यप ने कहा कि वह नौ महीनों से कंस के कब्जे में थे. जैसे कृष्ण भगवान नौ महीने के बाद कंस के कारागार से बाहर आए थे वैसे ही वह भी कंस रूपी कुछ लोगों की चंगुल से बाहर आ गए हैं. मनीष कश्यप के समर्थकों ने हमारा शेर आ गया का नारा भी लगाया.

मनीष को जेल से मुक्त करने के मिले आदेश के बाद पटना के आदर्श केन्द्रीय कारा बेऊर जेल के मुख्य द्वार पर मनीष कश्यप के समर्थकों और प्रशंसकों का तांता लगा हुआ था. सैकड़ों की संख्या में लोगों की भारी भीड़ ने बेऊर जेल प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी थी. कश्यप के बाहर आते ही उनके समर्थकों ने उनका अभिवादन किया. उल्लेखनीय है कि हाई कोर्ट से मिली जमानत के आधार पर आर्थिक अपराध इकाई की पटना सिविल कोर्ट स्थित विशेष न्यायालय ने यूट्यूबर मनीष कश्यप के रिहाई के आदेश जारी किया था. आर्थिक अपराधी इकाई की विशेष न्यायाधीश सारिका वहालिया ने मुक्ति के आदेश अभिरक्षा में पेशी के दौरान यूट्यूबर कश्यप द्वारा हथकड़ी पहने बयान देने मामले में हुई है. तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों के साथ हिंसा के फर्जी वीडियो जारी करने के तीन अन्य मामलों में मनीष कश्यप उर्फ त्रिपुरारी कुमार के जारी पेशी वारंट को उसके अनुरोध पर वापस ले लिया गया. बाकी अन्य तीन मामलों में मनीष कश्यप की जमानत हो चुकी है.

कारोबार

विद्युत उत्पादन 8.39 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। घरेलू कोयला आधारित बिजलीघरों से विद्युत उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 8.38 प्रतिशत बढ़कर 779.1 अरब यूनिट रहा. एक अधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि एक साल पहले इसी अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजलीघरों से विद्युत उत्पादन 718.83 अरब यूनिट रहा था. कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में बिजली उत्पादन आलोच्य अवधि में 7.71 प्रतिशत बढ़ा है. कुल मिलाकर कोयला आधारित बिजलीघरों के उत्पादन में 11.19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

आईटीआर रिटर्न फॉर्म एक और 4 अधिसूचित

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म एक और चार को अधिसूचित कर दिया है. इस फॉर्म को 50 लाख रुपये तक की कुल सालाना आय वाले व्यक्ति और इकाइयां भरते हैं. इससे व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के अलावा, 50 लाख रुपये तक की आय वाली कंपनियां और चालू वित्त वर्ष (अप्रैल 2023-मार्च 2024) में कारोबार और पेशे से आय अर्जित करने वाले वाले लोग इस वित्त वर्ष में अर्जित आय के लिए रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं.

आरबीआई ने दो लाख रुपये का जुर्माना ठोका

ठाणे। आरबीआई ने ठाणे जिला केंद्रीय सहकारी (टीडीसीसी) बैंक पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. यह जुर्माना बैंक के एक निदेशक को कर्ज स्वीकृत करके बैंक नियमों के कथित उल्लंघन के लिए लगाया गया है. आरबीआई ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी. विज्ञप्ति के अनुसार, आरबीआई ने 28 जनवरी को जारी आदेश के तहत बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 20 और 56 के उल्लंघन के लिए टीडीसीसी बैंक पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया. नाबार्ड ने सहकारी बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में 31 मार्च, 2022 को निरीक्षण किया था.

खाद्य तेलों के आयात पर कस्टम ड्यूटी में 5% छूट का फैसला

मसूर दाल के आयात पर कस्टम ड्यूटी शून्य

भाषा । नयी दिल्ली

पिछले कुछ वर्षों में दालों का उत्पादन बढ़ा है

12.5 प्रतिशत घटाया गया

इसे घटा कर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया था. यह फैसला मार्च 2024 तक के लिए लागू था. अब सरकार ने छूट की अवधि को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है. मतलब कि 12.5 प्रतिशत का रेट मार्च 2025 तक लागू रहेगा. दाल तो भारत को बाहर से काफी कम मंगाना पड़ता है. लेकिन, खाद्य तेलों के मामले में भारत आयात पर कुछ ज्यादा ही निर्भर है. भारत एडिबल ऑयल की अपनी 60 प्रतिशत आवश्यकता आयात से पूरा करता है. खाद्य तेलों के आयात में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी पाम ऑयल की ही है. भारत साल भर में जितना खाद्य तेल आयात करता है, उनमें से करीब 60 प्रतिशत तो पाम ऑयल ही होता है.

सरकार ने फिर दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जिससे गरीब समेत हर किसी को राहत होगी. पहला निर्णय है खाद्य तेलों के आयात पर लगे कस्टम ड्यूटी में एक साल के लिए पांच प्रतिशत की छूट का है. दूसरा निर्णय मसूर दाल के आयात पर कस्टम ड्यूटी को एक साल के लिए शून्य रखने का है. सरकार का यह कदम उन लोगों की मदद करने का है जो अपनी थाली में रोजगार को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. जाहिर है इसका सीधा असर गरीब वर्ग के लोगों पर पड़ेगा. इस कदम के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि गरीब लोग अपनी जीवनयापन की बुनियादी चीजों को सही मूल्य पर प्राप्त कर सकें. खासकर, खाद्य तेलों और मसूर दाल को लेकर लिए गए इन निर्णयों से, जो आम आदमी की थाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वह लोग अब इन आवश्यक आहार सामग्रियों को प्राप्त करने में सुधार महसूस करेंगे.

इसके साथ ही, सरकार का उद्देश्य यह भी है कि वे व्यक्तियों को अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए कदम उठा रही है. यह समझना महत्वपूर्ण है कि सामाजिक न्याय की दिशा में यह प्रयास सरकार के गरीब नागरिकों के लिए एक सकारात्मक परिवर्तन लाएगा और उन्हें जीवन की उत्कृष्टता की दिशा में बढ़ावा प्रदान करेगा.

घरेलू बाजार में मसूर दाल की सप्लाई उचित कीमत पर बनी रहे, इसके लिए सरकार ने इस पर अभी आयात की शर्तों में राहत दी हुई है.

खास बातें

- सरकार का फैसला मार्च 2024 तक के लिए प्रभावी
- 2022-23 में 278.10 लाख टन दलहन पैदा हुआ था

सरकार ने मसूर दाल पर प्रभावी आयात शुल्क को शून्य किए हुए है. यह फैसला मार्च 2024 तक के लिए प्रभावी है. अब इस फैसले को लागू होने की अवधि को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है. मतलब कि अब मार्च 2025 तक यह कमोडिटी जीरो कस्टम ड्यूटी पर इंपोर्ट होगा.

यूं तो पिछले कुछ वर्षों में दालों का उत्पादन बढ़ाया गया है. साल 2022-23 में 278.10 लाख टन दलहन पैदा हुआ था, जो कि अब तक का सर्वाधिक है. लेकिन खपत इससे भी ज्यादा की है. दुनिया भर में दाल उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत की है, जबकि खपत में हिस्सेदारी 28 प्रतिशत की है. इसी तीन प्रतिशत के गैप को भरने के लिए भारत को हर साल करीब 25 से 27 लाख टन दाल का आयात करना होता है.

सुंदरम होम फाइनेंस छोटे कारोबारियों को भी देगा कर्ज

चेन्नई। वित्तीय कंपनी सुंदरम होम फाइनेंस ने तमिलनाडु में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के उद्देश्य से राज्य के उत्तरी भाग में कदम रखा है. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ने क्षेत्र में परिचालन के पहले वर्ष में 10 करोड़ रुपये के कर्ज वितरित करने की योजना बनायी है है. सुंदरम होम फाइनेंस ने कांचीपुरम में एक छोटे कारोबारियों को कर्ज देने को लेकर विशेष इकाई स्थापित की है. यह इकाई ऐसे छोटे कारोबारियों को 20 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करेगी. कांचीपुरम में शाखा का उद्देश्य क्षेत्र के साथ-साथ पड़ोसी चेय्यर, वंदावसी, अरक्कोणम, वालाजाबाद, ओरागदम और श्रीपेरंबदूर में छोटे कारोबारों को सेवा देना है. कंपनी ने अक्टूबर, 2022 में लघु व्यवसाय ऋण खंड में प्रवेश किया और संचालन के पहले वर्ष में 65 करोड़ का कर्ज वितरण करते हुए तमिलनाडु के दक्षिण और पश्चिमी हिस्सों में 25 विशिष्ट शाखाएं शुरू कीं. एमडी लक्ष्मीनारायणन दुरईस्वामी ने कहा, कांचीपुरम एक व्यापारिक केंद्र है और वहां के एसएमई हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं.

ब्रह्मोस, आकाश व तेजस की विदेशों में डिमांड

मोदी के कार्यकाल में 23 गुना बढ़ा भारत का रक्षा निर्यात

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा निर्यात का आंकड़ा 2014 के मुकाबले 23 गुना बढ़कर 16,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है. भारत में निर्मित ब्रह्मोस, आकाश मिसाइल, तेजस की डिमांड विदेशों में सर्वाधिक है. रक्षा मंत्रालय दी गयी जानकारी के अनुसार वर्तमान में रक्षा उपकरणों के भारतीय डिजाइन और विकास क्षमताएं 85 से अधिक देशों तक पहुंच रही हैं. रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार डोर्नियर-228, 155 मिमी एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन, ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल सिस्टम, तेजस, रडार, सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड वाहन, बख्तरबंद वाहन, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, गोला बारूद, थर्मल इमेजर्स, बॉडी आमर्स आदि प्रमुख हथियारों के निर्यात किया जा रहा है. मंत्रालय द्वारा दी गयी जानकारी में बताया गया है कि भारतीय हथियारों की मांग विशेषकर लैटिन अमेरिकी देशों सहित अफ्रीकी देशों, और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में बढ़ रही है. भारत में बने लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर्स और एयरक्राफ्ट कैरियर भी विदेशी बाजारों को भा रहे हैं, इनकी मांग बढ़ रही है. बात करें तेजस की, तो यह महत्वपूर्ण करार दिया गया उच्च प्रदर्शन वाला हल्का युद्धक विमान है.

तेजस यह एक सीट और एक जेट इंजन वाला विमान है

तेजस को भारतीय वायुसेना के उपयोग के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है. यह एक सीट और एक जेट इंजन वाला विमान है. इसका विकास भारत की रक्षा योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. इसकी भी विदेशों में भारी डिमांड है. जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के बाद भारत रक्षा के क्षेत्र में ना केवल आत्मनिर्भर बनता जा रहा है बल्कि रक्षा निर्यात के मामले में विश्व का एक प्रमुख खिलाड़ी बनता जा रहा है.

सुविधा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह कदम उठाया

300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए 12.45 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के लिए ईटीओ मोटर्स को 12.45 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. इस वित्तीय सहायता से कंपनी यात्रियों को अंतिम छोर तक सुविधा प्रदान करने के मकसद से दिल्ली और हैदराबाद में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का परिचालन करेगी. ईटीओ मोटर्स ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कंपनी वित्तीय सहायता के तहत हैदराबाद और दिल्ली में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के परिचालन को बढ़ावा देने के लिए ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचा भी स्थापित करेगी. इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की कंपनी ईटीओ मोटर्स को वित्तीय सहायता सिडबी के मिशन 50,000-ईवी4इको के तहत दी गयी है. इसका उद्देश्य देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवेश को मजबूत करना है. साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए किफायती वित्तपोषण तक पहुंच प्रदान करना और बैटरी अदला-बदली सहित चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विकास करना है. इस वित्तपोषण से ईटीओ मोटर्स दिल्ली और हैदराबाद में अगले तीन महीनों में 300 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का परिचालन करेगी. कंपनी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों को को बढ़ावा देने के लिए दोनों शहरों में 180 चार्जिंग केंद्र भी स्थापित करेगी. ईटीओ मोटर्स के निदेशक डॉ. कार्तिक एस पूनावाला ने कहा, हम सिडबी द्वारा अपनी 50,000-ईवी4इको योजना के तहत चुने जाने को लेकर काफी उत्साहित हैं. यह इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में हमारे काम का एक प्रमाण है. हम देश के ईवी मिशन 2030 को पूरा करने में मदद करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं. इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का विनिर्माण तेलंगाना के जडचेरला में ईटीओ मोटर्स की अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई में किया जाएगा.

खास बातें

- सिडबी के मिशन 50,000-ईवी4इको के तहत दी गयी
- दोनों शहरों में 180 चार्जिंग केंद्र भी स्थापित करेगी

ओडिशा ने सात औद्योगिक परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने 1,482.53 करोड़ रुपये के निवेश के साथ सात औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है. इन परियोजनाओं से 11,500 से अधिक नौकरियां सृजित होंगे. प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा, मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना के नेतृत्व में राज्य स्तरीय एकल मंजूरी प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) ने शुक्रवार को खुर्दा, गंजाम, सुंदरगढ़, क्योंझर, जाजपुर, बालेश्वर और रायगढ़ जिलों में स्थापित होने वाली इन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी. बयान के अनुसार, एसएलएसडब्ल्यूसीए ने क्योंझर जिले में 800 करोड़ रुपये के निवेश के साथ स्टील विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए टेक एआईसी डीआरआई पेलेट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. सरकार ने बयान में बताया कि एमएएस उद्यत इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को खुर्दा जिले में 214.40 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक एकीकृत कपड़ा इकाई स्थापित करने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी मिल गई. एलेन स्टील इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने जाजपुर जिले के कलिंगनगर में कोल्ड रोल्ड प्रिसिजन पाइप विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 178 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है. बयान के अनुसार, राज्य सरकार ने बालेश्वर जिले में संपीड़ित बायोगैस और किण्वित जैविक खाद संयंत्र स्थापित करने के लिए रिलायंस बायो एनर्जी लिमिटेड के 121.21 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी.

ब्रीफ खबरें

जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के नागेडीह पंचायत के बुढ़ाबेरा में प्रदीप वर्मा फाउंडेशन द्वारा गरीब, विधवा,असहाय और जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया. फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष जरूरतमंदों के बीच कम्बल,छाता एवं अन्य दैनिक उपयोगी वस्तुएं वितरण किया जाता है. मौके पर सिल्ली मंडल अध्यक्ष विनोद साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष साधु चरण महतो, श्याम सुंदर महतो ,विश्वनाथ महतो ललित प्रसाद आदि मौजूद थे. कार्यक्रम की जानकारी भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी संजय कुमार महतो ने दी.

तमाड़ में महिला फुटबॉल मैच का हुआ आयोजन

तमाड़। जेएसएलपीएस द्वारा लिंग आधारित हिंसा के विरुद्ध राष्ट्रीय अभियान के तहत महिला फुटबॉल मैच का आयोजन शनिवार को किया गया. प्रतियोगिता नवाडीह महिला आजिविका संकुल संगठन, उलिलोहर ग्राम संगठन, पेड़ाईडीह, कुरकुट्टा आजिविका महिला ग्राम संगठन के बीच खेला गया.फुटबॉल में प्रथम उलीलोहर ग्राम संगठन 2-1 से विजेता रही.उपविजेता कुरकुट्टा आजिविका महिला ग्राम संगठन की टीम रही.विजेता और उपविजेता टीम को बीडीओ ,उपप्रमुख ने मेडल देकर सम्मानित किया.

नव वर्ष में सुगमता पूर्वक पहाड़ी बाबा का होगा दर्शन

रांची। दर्शनार्थी नव वर्ष में पहाड़ी बाबा का सुगमता पूर्वक दर्शन कर सकेंगे. भक्तों को हरसंभव सहयोग देने को पहाड़ी विकास समिति समुचित व्यवस्था करेगी. मंदिर की साज-सज्जा से लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे. उक्त निर्णय शनिवार को समिति के अध्यक्ष एनएन पांडेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया. फस्ट जनवरी को बड़ी संख्या में दर्शनार्थी बाबा के दर्शन को आयेंगे. ऐसे में सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेटिंग किया जायेगा.

बेड़ो में यादव यात्री बस से गिरकर एक यात्री घायल

बेड़ो। थाना क्षेत्र के पोकलो ढोड़ा पुल के समीप रांची गुमला मुख्य मार्ग पर शनिवार की शाम लगभग साढ़े पांच बजे रांची से गुमला जाने वाली यादव नामक यात्री बस से लोहरी डालटेनगंज निवासी एक यात्री 40 वर्षीय पप्पु शर्मा पिता राजेश्वर शर्मा गिरकर घायल हो गया. जिसे मुखिया दंपति पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा व पत्नी अनिता बाड़ा ने समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया.जहां डा मेघा भगत की देखरेख में इलाज किया गया.

चार क्विंटल अदरक की चोरी,मामला दर्ज

बेड़ो। चोर जब चोरी करने के लिए आते हैं तब वे कुछ भी चुराकर ले जाते हैं. क्या चुराकर ले जाएंगे इस बारे में कुछ भी कहा नहीं जा सकता है. शातिर चोरों का एक मामला सामने आया है. थाना क्षेत्र के चरिमा गांव में अज्ञात चोरों ने किसान पंकज कुजूर के खेत में लगी लगभग चार क्विंटल अदरक चुरा ले गए. खास बात यह रही कि चोर खेतों से अदरक निकाल रहे थे और इसकी खबर किसी को भी नहीं. किसान ने इस संबंध में बेड़ो थाना में लिखित आवेदन दिया है.

डीएवी बचरा में स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शनिवार को श्रद्धानंद बलिदान दिवस मनाया गया. बलिदान दिवस के अवसर पर विद्यालय में हवन कार्यक्रम का आयोजन किया गया.इस कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के शिक्षको द्वारा स्वामी श्रद्धानंद के चित्र पर फूल माल्यार्पण कर एवं दीपदान कर किया गया. कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रभारी शिक्षक राजबल्लभ प्रसाद ने स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला.

दो दिवसीय आरटीपीबीसी सखी प्रशिक्षण का उद्घाटन

सिल्ली/मुरी। श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में दो दिवासीय आरटी पीबीसी सखी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीपीएम जोकिम कंडेर सिल्ली के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिल्ली प्रखंड से आए 23 महिलाओं ने भाग लिया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बी सी सखी का बहुत बड़ा जिम्मेवारी है बी सी सखी जो कार्य कर रही वह काबिले तारीफ है.

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में क्रिसमस गैदरिंग सह टीवी नववर्ष कार्यक्रम का आयोजन

रंगारंग प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को किया भावविभोर

संवाददाता। मांडर

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टिच्यूशन, कन्दरी, माण्डर में क्रिसमस गैदरिंग सह टीवी नव वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप् में प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर एवं शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर उपस्थित रहीं. इस अवसर पर बीएड, डीएलएड, डीफार्मा, जीएनएम एवं बीएससी नर्सिंग के छात्र/छात्राओं द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. इस कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य राकेश कुमार राय, व्याख्याता मनोज कुमार गुप्ता, मधु रंजन, बिनिता चौधरी,

विवेक राज जयसवाल, रिभा कुमारी, कार्यालय अधीक्षक एस.एन. सहाय, कर्मचारीगण तुलसी दास, सुनिल चैधरी, आदि लोगों ने भाग लिया. मंच का संचालन आगस्टिन के द्वारा किया गया.

सर्व धर्म समभाव रखने की जरूरत : कैलाश कुमार

बेड़ो। विनय बगीचा स्थित डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेडो में प्री क्रिसमस उत्सव मनाया गया, जिसमें सीमा खेस, संदीप सिंह, रोशन और रुद्रांशु ने सांता क्लॉज बनकर बच्चों के बीच टॉफियां और उपहार देकर खुशियां बंटी. वहीं मौके पर स्कूल के निदेशक कैलाश कुमार ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए सर्वधर्म समभाव एवं राष्ट्रीय एकता पर जोर देते हुए सभी विद्यार्थियों से सभी धर्मों के प्रति सदभाव एवं आस्था रखने के लिए प्रेरित किया. शिक्षक श्रवण कुमार , कौशिक गोस्वामी, प्रियंका सिंह, अनिल, रंजन चंद्रा, संदीप सिंह, फातिमा एक्का ,कमला, ज्योति धीर, हंसिका, सुशीला, आरती सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थीं.

सीसीएल पिपरवार प्रबंधन के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

जितिया मेला स्थल पर अतिक्रमण का आदिवासियों ने किया विरोध

संवाददाता। पिपरवार

सीसीएल पिपरवार प्रबंधन द्वारा कल्याणपुर जितिया मेला स्थल में किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर भूमि आवंटन किए जाने के विरोध स्वरूप शनिवार को दर्जनों आदिवासी गांव के लोगों ने कल्याणपुर में विरोध प्रदर्शन कर उक्त स्थल पर सरना झंडा गाड़ा गया . जानकारी के अनुसार पिपरवार थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में कई दशकों से सरना स्थल के रूप में विख्यात व स्थापित जितिया जतरा मेला स्थल पर सीसीएल पिपरवार प्रबंधन द्वारा जबरन अतिक्रमण किए जाने के विरोध में कल्याणपुर सहित आसपास के दर्जनो गांव के आदिवासी समुदाय के लोगों ने कल्याणपुर में बैठक कर जितिया जतरा मेला स्थल का अतिक्रमण किए जाने को लेकर जबदस्त विरोध प्रदर्शन करते हुए बैठक का आयोजन किया गया . इस बैठक की अध्यक्षता टंडवा प्रखंड प्रमुख रीना कुमारी व संचालन जागेशर टाना भगत ने किया . बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित दर्जनों आदिवासियों ने मेला स्थल पर सीसीएल द्वारा अतिक्रमण कर किसी दूसरे के नाम पर भूमि आवंटन किए जाने का जमकर विरोध किया . इस बैठक में मुख्य रूप से अरुण उरांव, बालेश्वर उरांव, संदीप ताना भगत, वीरेंद्र उरांव, महेंद्र उरांव, मोन्या उरांव, बबलू उरांव, दिनेश उरांव, रितेश उरांव, कैलू उरांव, पंकज उरांव, विष्णुदेव उरांव, हनी उरांव, पुनिया देवी, गौरी देवी, मधुलता उरांव, पुष्पा देवी, लालो देवी सहित दर्जनों गांव के सैकड़ों आदिवासी समुदाय के महिला पुरुष मौजूद थे.

खास बातें

- सीसीएल पर दूसरे के नाम पर भूमि आवंटन करने का आरोप
- अतिक्रमण को तत्काल खाली कराने की मांग की गयी
- कई दशकों से सरना स्थल के रूप में स्थान विख्यात है

राज्यपाल को ज्ञापन, रुइन हाउस बार की जांच की मांग

संवाददाता। रांची

युवा कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को रुइन हाउस बार की शिकायत से संबंधित एक ज्ञापन राज्यपाल सीपी राधा कृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, महानिबंधक, झारखंड हाइकोर्ट, डीजीपी और उपायुक्त को सौंपा है. सौंपे गये ज्ञापन में बताया कि मोरहाबादी स्थित रुइन हाउस बार हाइकोर्ट के आदेश की अवहेलना कर देर रात तक डीजे, साउंड सिस्टम बजाता है. यहां देर रात तक शराब परोसी जाती हैं.

ज्ञापन में लिखा है कि बरियातू थाना क्षेत्र के मोरहाबादी स्थित युवा कांग्रेस एवं स्थानीय लोगों द्वारा रुइन हाउस बार की कई बार शिकायत की गई है. उत्पाद विभाग की टीम ने शुक्रवार 1 सितंबर 2023 को छापेमारी की थी. टीम को जांच में कई गड़बड़ियां मिली थी और वह रिपोर्ट उत्पाद विभाग को सौंपा था. टीम सहायक उत्पाद आयुक्त धनंजय अखौरी सिन्हा के नेतृत्व में गठित की गई थी और वह रिपोर्ट उत्पाद आयुक्त को सौंपी गई थी, लेकिन उसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई. ज्ञापन में बताया कि कोरोना महामारी के दौरान 13 सितंबर 2021 को सदर एसडीओ के नेतृत्व में उक्त बार में छापेमारी की गई थी. उस समय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धाराओं का खुलेआम उल्लंघन पाया गया था. इसके बाद बार को सील कर दिया गया था.

नागेश प्रसाद अपनी ईमानदारी के लिए हमेशा याद किए जाएंगे : सुनील

लापुंग। लापुंग प्रखंड के ककरिया संकुल में 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाले राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय तेतरा के सहायक शिक्षक नागेश प्रसाद को सेवानिवृत्ति के पूर्व ककरिया संकुल के शिक्षक शिक्षिकाओं ने सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया एवं भावभीनी विदाई दी. इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि संकुल साधन सेवी सुनील कुमार गुप्ता ने नागेश प्रसाद की जीवनी के संदर्भ में आवश्यक जानकारी दी. कहा कि नागेश प्रसाद जिस विद्यालय में अपना पहला योगदान दिया उसी विद्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे हैं. वे हमेशा अपने कुशल व्यवहार और मृदु स्वभाव से हर किसी को आकर्षित किया.

श्रद्धाभाव से मना स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान दिवस

रांची। आर्य समाज मंदिर, श्रद्धानंद पथ में शनिवार को स्वामी श्रद्धानंद जी का 97वां बलिदान दिवस श्रद्धाभा से मनाया गया. इस मौके पर जहां धर्म ध्वज संग शोभायात्रा निकाली गयी, वहीं गुरूकुल की ब्रह्मचारणियों अस्त्र-शस्त्र का परिचालन कर हैरतंगेज कर्तब भी दिखाये. आर्यसमाजियों ने उद्गार व्यक्त कर कहा कि स्वामी जी महान स्वतंत्रता सेनानी, अमर बलिदानी, वैदिक गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के पुरोधा थे. उनकी कमी समाज में कभी पूरी नहीं की जा सकती. मंदिर में सुबह सात साढे सात बजे हवन-यज्ञ से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इसके बाद राजेन्द्र आर्य, प्रधान, प्रेम प्रकाश आर्य,अजय आर्य, संजय पोद्दार आदि ने ओम ध्वज की पताका फहराया.

रांची विश्वविद्यालय के वोकेशनल शिक्षकों ने वीसी को सौंपा मांग पत्र

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के वोकेशनल शिक्षकों ने विश्वविद्यालय के कुलपति को मांग पत्र दिया है. राजभवन ने झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक नोटिस जारी किया है और कहा है कि वैसे वोकेशनल शिक्षक जिनका नेट या पीएचडी नहीं हैं उनको हटाया जाए. इसका वोकेशन शिक्षक एशोसिएशन विरोध कर रहे हैं. वोकेशनल शिक्षक एसोसिएशन ने अपनी वेतन मानदेय समेत अपनी व वोकेशनल डिपार्टमेंट के सभी समस्याओं से अवगत कराया है.

ये हैं मांगें

- समान काम के बदले समान वेतनमान देने कि व्यवस्था करें. अविलम्ब शिक्षकों व कर्मचारियों के पद सृजित कर उसे भरें.
- अतिथि शिक्षकों को यूजी में 400 और पीजी में 500 रु. बढ़ाए.
- तय मापदंड के अनुसार 1500 प्रति कक्षा करने की कृपा करें.
- वोकेशनल शिक्षकों के प्रतिनिधि कि व्यवस्था अविलम्ब करें.
- सिनेट और सिंडिकेट और एकेडमिक या कोर कमेटि में हमारे एक या दो सदस्य को रखें.

अभ्यर्थी पूछ रहे कब होगी आशुलिपिक परीक्षा

संवाददाता। रांची

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों में नाराजगी है. परीक्षा आयोजन को लेकर विद्यार्थी लगातार आंदोलनरत हैं. सबसे ज्यादा नाराजगी आशुलिपिक प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में है. उनकी परीक्षा को दिसंबर 2022 में उस वक्त रद्द कर दी गई थी, जब वे लोग एग्जाम दे रहे थे. नए सिरे से इस परीक्षा का विज्ञापन निकालने का आदेश जारी हुआ था, मगर करीब एक वर्ष बीत जाने के बाद भी इस परीक्षा का विज्ञापन जारी नहीं हुआ है. साथ ही जारी परीक्षा कैलेंडर में भी इस परीक्षा का कहीं कोई जिक्र नहीं है. आशुलिपिक परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लोग काफी लंबे समय से इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं.

पहले तो बिना सोचे समझे इस परीक्षा को रद्द कर दिया गया और अब तक इसका न तो विज्ञापन निकाला गया न ही परीक्षा कैलेंडर में इसका कहीं जिक्र है, हम लोग आंदोलन न करें तो क्या करें. एक हजार से ज्या दा आशुलिपिक अभ्यनर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं. इनका कहना है कि सीएम से लेकर सभी जिम्मेपवार अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्यान बतायी, मगर कहीं से कोई सटिक जवाब नहीं मिला, केवल आश्वाअसन मिल रहा है.

पूर्व नियमावली के तहत रद्द सभी विज्ञापन का एग्जाम कैलेंडर जेएसएससी के द्वारा निकाला गया. सभी को प्रकाशित कर सभी का एग्जाम लेकर रिजल्ट भी प्रकाशित किया जा रहा तथा कुछ नए विज्ञापन भी आए, लेकिन नहीं आया तो सचिवालय आशुलिपिक का विज्ञापन. अभ्यर्थियों ने क्या कहा

जून में हम जेएसएसी ऑफिस गए, वहीं कहा गया हमें कार्मिक से अब तक अधियाचना नहीं आई है.

जुलाई में कार्मिक विभाग गए तो वे बोले कुछ संसोधन हो रहा है, आपका फाइल कार्मिक सचिव के पास है.

अगस्त में कार्मिक सचिव से मिलने कई बार गए, मगर वह मिलने को तैयार नहीं हुये.

सितंबर में पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से मिले, उन्होंने कहा कार्मिक सचिव छुट्टी पर हैं, आते ही हम बात करते है.

ऐसे समझिए अभ्यर्थियों का दर्द

- 31 मई 2022 को विज्ञापन प्रकाशित हुई.
- 28 जून 2022 से 27 जुलाई 2022 तक ऑनलाईन आवेदन लिये गये.
- 06 दिसंबर 2022 को एडमिट कार्ड जारी किया गया.
- 16 दिसंबर 2022 को अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र में एग्जाम दे रहे थे, उसी समय उच्च न्यायालय के द्वारा रमेश हांसदा बनाम झारखंड सरकार के दसवीं तथा बारहवीं वाली नियमावली को रद्द कर उक्त सभी विज्ञापन को नए नियमावली के तहत पुनः प्रकाशित करने का आदेश पारित किया गया.
- 14 मार्च 2023 को नए नियमावली के तहत संसोधित कर गजट प्रकाशन हुआ.

प्रतियोगिता 10वां सदभावना चैंपियन ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट: गुमला के सूरज बाखला बने मैन आफ द मैच

बरियातू को 3-0 से हराकर गुमला की टीम पहुंची सेफा में

संवाददाता। सिकिदिरी

स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी के फुटबाल मैदान में शनिवार को खेले गए10वें सदभावना चैंपियन ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे क्वार्टर फाइनल के एकतरफा मुकाबले में एफसी गुमला की टीम ने राजा स्पोर्ट्स क्लब बरियातू को 3-0 से रौंद कर सेमीफाइनल में पहुंच गया.गुमला की टीम सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी.खेल के पहले हाफ में गुमला की ओर से स्टार खिलाड़ी सूरज बाखला ने 33वें व36वें मिनट में शानदार गोल दाग कर अपनी टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी.पूरे खेल के दौरान युवा खिलाड़ी सूरज बाखला मैदान में छाए रहे और अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया.शानदार प्रदर्शन के लिए गुमला के खिलाड़ी सूरज बाखला को मैच के मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव मोहसिन खान व विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य कर्मचारी महा संघ के प्रदेश महासचिव साहेब राम भोगता, डॉ बिरसा उरांव ने संयुक्त रूप से मैन आफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया.इस से पूर्व मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया.मंच में अतिथि के रूप में कांग्रेस आदिवासी सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष डा.बिरसा

बाघवार एकेडमी ने शारदा ग्लोबल को हराया

चान्हो। वेंचर स्किल अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत शनिवार को गोल चक्कर मैदान धुर्वा सेक्टर 2 में खेले गए अपने दूसरे मैच में बाघवार एकेडमी चान्हों की टीम ने शारदा ग्लोबल स्कूल रांची को एक रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से पराजित किया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शारदा ग्लोबल की टीम ने 27.2 ओवर में 130 रन बनाया. जवाबी पारी खेलने उतरी बाघवार एकेडमी की टीम के सलामी ओपनर बल्लेबाज़ पहली बॉल में ही शून्य पर आउट हो गये. परंतु बाद में जियाउल हक़ के 27, आदर्श राज के 22 एवं हर्ष राज के 20 रनों की नाबाद पारी की मदद से टीम को जीत मिली.

न्यूज अपडेट

61 कामगारों को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया

डकरा। एनके एरिया की सबसे पुरानी खुली कोयला खदान डकरा परियोजना में शनिवार को खान सुरक्षा सप्ताह समारोह पूर्वक मनाई गई. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित डीजीएमएस विनीत चौरसिया ने कामगारों को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा को पहला प्राथमिकता देकर ही सफलता पूर्वक उत्पादन करना है. इस दौरान परियोजना के 61 कामगारों को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया. कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन एलके राणा ने किया.

बच्चों का सर्वांगीण विकास जरूरी है : कोरनेलियुस

रांची। न्यू इंडियन पब्लिक स्कूल सोसो कमरे रातू में शनिवार को वार्षिक उत्सव मनाया गया. डायरेक्टर अरविंद उरांव ने अतिथियों का स्वागत किया. मुख्य अतिथि हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का दीप जलाया जा रहा है. वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ कोरनेलियुस मिंज ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना बहुत जरूरी है. है. मौके पर प्राचार्य निर्मला गुप्ता, डॉ बिंदेश्वर बेक, लक्ष्मी महतो, आकाश उरांव, देवेंद्र सिंह समेत अन्य शामिल थे.

मां केयर चेरिटिबल ट्रस्ट ने चलाया जागरूकता अभियान

ओरमांझी। मां केयर चेरिटिबल ट्रस्ट ने मासिक धर्म स्वच्छता सह जागरूकता अभियान जिला के लगभग सभी प्रखण्ड में चलाया. मौके पर संस्था के सचिव सह समाज सेविका वंदना उपाध्याय ने ग्रामीण महिला और छात्रों को मासिक धर्म की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया. साथ ही मासिक धर्म के दौरान बरती जानी वाली सावधानी के बारे में बताया. संस्था के प्रयास से मासिक धर्म स्वच्छता एवं महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर चलाते रहती है.

योजना के चयन को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

तमाड़। तमाड़ प्रखंड के राजस्व ग्राम नुरीडीह में 2024-2025 में योजना के चयन को लेकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया. जिला पंचायती राज के दिशा निर्देश पर यह विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम सभा में वार्ड सदस्या गीता देवी, अमरजीत गोंझू,शिवचरण गोप,मदन सिंह मुंडा,गणेश मुंडा,योगेन्द्र अहीर, भूवनेश्वर अहीर,गोविंद सिंह मुंडा,सुखदेव अहीर,जीतनाथ मुंडा, जगरनाथ मुंडा,पुसुआ लोहार सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे.

पेज एक का शेष...

प्याले में तूफान क्यों!

पक्ष में माहौल बनवाया..

जनरल नरवणे ने लिखा है, "जब सरकार ने मुझे सेना प्रमुख बनाया तो मैंने कभी भी सरकार की बुद्धिमत्ता पर सवाल नहीं उठाया. तो फिर अब मुझे ऐसा क्यों करना चाहिए?". इस किताब में नरवणे ने वह बात कही है जो वे पद पर रहते हुए कहते तो शायद सरकार की आलोचना या बगावत तक समझी जाती. इस आत्मकथा में अग्रणी सेना प्रमुखों में से एक जनरल एमएम नरवणे (सेवानिवृत्त) ने यह भी बताया है कि उन्हें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ नियुक्त क्यों नहीं किया गया. ''फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' में नरवणे का सीधा-सीधा विवरण एक सैनिक, अधिकारी के रूप में 40 साल की यात्रा और 28वें सेना प्रमुख के रूप में उनके शीर्ष पर पहुंचने की आकर्षक झलक पेश करता है.

डोकलाम घटना पर ढुलमुल नीति : पुस्तक में भारत-चीन के सीमा विवाद पर भी कुछ ऐसे तथ्यों का उल्लेख है जो वर्तमान केंद्र सरकार के लिए परेशानी का कारण बन सकता है. सर्वोत्कृष्ट सेना के जवान के रूप में जाना जाने वाले जनरल नरवणे ने कहा है कि भारत को चीन के साथ अपनी सीमा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है और कहा कि सशस्त्र बल किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने में सक्षम है. पाकिस्तान को मीडिया और सुर्खियों में तुरंत तवज्जो मिलती है, लेकिन सच्चाई यह है कि चीन हमारे लिए कहीं अधिक गंभीर चुनौती है. संयोग से, जनरल नरवणे उप प्रमुख का पदभार संभालने से ठीक पहले पूर्वी सेना कमांडर के रूप में साल 2017 के डोकलाम गतिरोध के बाद चीन के मुद्दे पर बोलने वाले पहले अधिकारी थे. नरवणे लिखते हैं: "अब हम 1962 वाली सेना नहीं हैं. अगर चीन कहता है कि इतिहास मत भूलो, तो हमें भी उन्हें यही बात बतानी होगी. उन्होंने नई दिल्ली में कई लोगों को आश्चर्यचकित करते हुए कहा था, उन्होंने (चीन ने) सोचा था कि वे क्षेत्रीय दबंग बन कर बच जाएंगे... लेकिन हम धमकाने वालों के सामने खड़े रहे. पुस्तक में साल 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के संदर्भ में पर्दे के पीछे की घटनाओं का भी विवरण दिया गया है. जनरल नरवणे ने उल्लेख किया है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ पैंगोंग त्सो के दक्षिणी तट पर रेचिन ला के पास टैंकों को स्थानांतरित कर दिया था. जनरल लिखते हैं, "मैंने रक्षा मंत्री को स्थिति की गंभीरता से तुरंत ही अवगत कराया, मुझसे कहा गया कि रक्षा मंत्री जल्द ही मुझसे संपर्क करेंगे. लेकिन मुझसे लगभग साढ़े दस बजे रात के बाद संपर्क किया गया. इससे सरकार की गंभीरता का अंदाज लगता है. मुझसे कहा गया कि सेना अपने स्तर से जवाब दे. मुझे कोई स्पष्ट निर्देश या सलाह नहीं दी गई.

नरवणे ने टिप्पणी की है: "कोविड महामारी से जूझते हुए देश की हालत ख़राब थी. अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला टूट गयी थी. क्या हम लंबे समय तक चलने वाली कार्रवाई की स्थिति में, इन परिस्थितियों में युद्ध लड़ सकते हैं. सवाल था कि क्या हम हथियारों व गोला बारूद आदि की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे?" जनरल नरवणे लिखते हैं, "इसके साथ ही वैश्विक क्षेत्र में हम अपने समर्थकों को लेकर भी चिंतित थे और इसके साथ ही चीन और पाकिस्तान की मिलीभगत की चुनौती भी सामने थी. मेरे दिमाग में सैकड़ों अलग-अलग विचार कौंध रहे थे" जनरल नरवणे लिखते हैं, "यह आर्मी वॉर कॉलेज के सैंड मॉडल रूम में खेला जाने वाला कोई युद्ध खेल नहीं था, बल्कि जीवन और मृत्यु की स्थिति थी,"

पूर्व सेनाध्यक्ष की आत्मकथा छप सकेगी!

किताब के प्रकाशन की अनुमति को लेकर भी विवाद हो गया है. जिल कारण पूरा देश जानना चाहता है कि क्या भारत सरकार, भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की किताब को छपने की अनुमति देगी? आमतौर पर सेनाध्यक्ष जैसे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के समक्ष ऐसा सवाल नहीं उठता. लेकिन पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी को ले कर यह सवाल पूछा जा रहा है. मशहूर प्रकाशक पेंग्विन ने पूर्व सेनाध्यक्ष की आत्मकथा को न केवल प्रकाशित किए जाने की तिथि का एलान किया है, बल्कि पुस्तक के कुछ अंशों को मीडिया के लिए जारी भी कर दिया. इसके बाद से ही सवाल उठने लगे कि कि क्या जनरल नरवणे की पुस्तक छप का बाजार में जा जाएगी. पेंग्विन ने तो अग्रिम बुकिंग का एलान भी अमेजन के माध्यम से कर दिया. जिसे जनरल नरवणे ने भी सोशल मीडिया पर साझा किया है. ध्यान रहे अगले साल लोकसभा का आम चुनाव है और एक पूर्व सेनाध्यक्ष के पुस्तक के अंशों से सरकार के परेशान होने का सबब समझा जा सकता है. एक खबर यह भी है कि क्या इस किताब को छपने की अनुमति नहीं मिली है. इस किताब को ले कर सरकार की चुप्पी रहस्यमय है और प्रकाशक भी कुछ बोलने की स्थिति में नहीं है. फिर भी इस पुस्तक के जो अंश मीडिया में छप कर सार्वजनिक बहस का विषय बने हैं उसके असर को कम कर नहीं आंका जाना चाहिए.

आये थे हरि भजन...

उप राष्ट्रपति की मिमिक्री पर सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी वीडियो नहीं बनाते तो मामला न बाहर आता, न तूल पकड़ता. इस पर राहुल गांधी को सफाई देनी पड़ी कि मैंने वीडिया जरूर बनाया, लेकिन वायरल नहीं किया.

ममता ने एक और प्रस्ताव दिया है कि प्रियंका गांधी वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ें. ऐसा ही प्रस्ताव उद्धव ठाकरे के सेनापति संजय राउत पहले ही दे चुके हैं. घात-प्रतिघात की इस स्थिति से "इंडिया" की आंतरिक सुदृढ़ता का अंदाज लगाया जा सकता है. हो सकता है कि ममता, केजरीवाल और अखिलेश ने गंठबंधन के भीतर ही अपनी अलग तिकड़ी बना ली हो. इसी को कहते हैं "आये थे हरिभजन को ओटन लगे कपास". देखना यह है कि सीटों का बंटवारा कब तक होता है, कैंपेन कमेटी कब बनती है, घोषणा पत्र कौन बनाएगा, प्रचार का खर्च कैसे वहन किया जाएगा, ब्रांड चमकाने का जिम्मा कौन-सी एजेंसी उठाएगी और उसका व्यय वहन कौन करेगा आदि, इत्यादि. समय कम है, काम ज्यादा है और अंदर की स्थिति आपके सामने है.

फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गयी थी

फ्लूमिनेसे को हराकर मैनचेस्टर सिटी बना क्लब विश्व कप का विजेता

भाषा । जेद्दा (सऊदी अरब)

मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम कर लिया. मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा. फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किये गये आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गयी और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया. वहीं अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया.

88 वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया अल्वारोज ने

72 वें मिनट में फिल फोडेन ने तीसरा गोल किया

मैनचेस्टर सिटी ने फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराया

मैनचेस्टर सिटी सुपर कप जीत चुका है

इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलायी. मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है. इस जीत से पेप गुआर्डियोला तीन विभिन्न टीमों के साथ क्लब विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गये. उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था. फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्राफी दिलायी थी. गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया. वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा. फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे. जाहिर है इस जीत से मैनचेस्टर का हौसला बुलंद है.

रियल मैड्रिड की टीम ने अलावेस को 1-0 से हराया

मैड्रिड (स्पेन)। लुकास वाजक्वेज (90 2वें मिनट) के एकमात्र गोल के दम पर 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही रियल मैड्रिड की टीम ने यहां स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के मुकाबले में अलावेस को 1-0 से हराया. रियल मैड्रिड की टीम इस सत्र में सभी टूर्नामेंटों में खेलते हुए सिर्फ एक बार ही हारी है, लेकिन उसे इस मुकाबले में गोल करने के अधिक मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा. पहले हाफ तक दोनों टीमें गोल के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली. पहला हाफ गोलरहित रहा. दूसरे हाफ के 54वें मिनट में नाचो को रेड कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा जिससे उनकी टीम रियल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा. हालांकि, मैच के इंजुरी समय में टॉनी क्रूस के पास पर लुकास ने बॉक्स के अंदर से हेडर से गोल करके टीम का 1-0 से खाता खोल दिया. इसके बाद टीम ने मैच को इसी अंतर से अपने नाम कर लिया. रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा कि यह एक बहुत मुश्किल मैच था. सभी को लग रहा था कि हम यह मैच हार सकते हैं. नाचो भी दूसरे हाफ में मैदान से बाहर हो गए.

ब्रीफ खबरें

स्वीटी-पूजा मुक्केबाजी टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर में

ग्रेटर नोएडा। अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा भार वर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया. स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन और सनेह शामिल हैं.

अली बची आस्ट्रेलिया श्रृंखला से हुए बाहर

सिडनी। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली 'अपेंडिक्स' दर्द की वजह से हुई सर्जरी के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बचे हुए हिस्से से बाहर हो गये. नोमान अली इस तरह दो दिन के अंदर दौरा करने वाली पाकिस्तानी टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बने. अली पिछले हफ्ते पर्थ में पहले टेस्ट में नहीं खेले थे जिसमें पाकिस्तान को 360 रन से हार मिली थी. उनकी शनिवार को मेलबर्न में 'अपेंडिसाइटिस' के लिए सर्जरी करायी गयी. पाकिस्तानी टीम के बयान के अनुसार, नोमान अली ने कल अचानक पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी.

रुतुराज की उंगली में फ्रैक्चर के कारण एनसीए में जाएंगे

मुंबई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर अपनी उंगली में फ्रैक्चर के कारण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में जाएंगे, जबकि हर्षित राणा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच से पहले भारत ए की टीम से बाहर हो गये. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को बताया कि सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ की दायें हाथ की अनामिका उंगली में फ्रैक्चर है. वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे.

हार्दिक पांड्या का अफगानिस्तान सीरीज से बाहर होना तय माना जा रहा है

हार्दिक व सूर्य का खेलना मुश्किल

हार्दिक चोट से नहीं उबरे तो मुंबई इंडियंस के लिए झटका होगा

हार्दिक चोटिल होने के कारण द. अफ्रीका दौरे से बाहर हुए थे

सूर्यकुमार फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे

भाषा । नयी दिल्ली। भारतीय टीम अभी दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं. इस दौरे से लौटने के बाद टीम इंडिया को घर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलनी है. लेकिन भारतयी फैंस के लिए एक बैड न्यूज है. सीरीज से पहले भारत को झटका लगा है. बताया जाता है कि इस सीरीज के लिए हार्दिक पांड्या बाहर हो गए हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान भारत की अगुवाई करने वाले सूर्यकुमार यादव भी चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए हैं. ये दोनों ही खिलाड़ी टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं. सूत्रों के अनुसार हार्दिक पांड्या का अफगानिस्तान की सीरीज से बाहर होना तय है. इसके अलावा हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 में खेलेंगे या नहीं. इसको लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है.

चोट के कारण पहले ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर

हार्दिक पांड्या को वनडे विश्व कप 2023 के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी. हार्दिक इस चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए थे. ऑलराउंडर खिलाड़ी इस चोट से चलते ही पहले ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर हैं. हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में सूर्यकुमार यादव ने इन दोनों ही सीरीज के दौरान टीम इंडिया की अगुवाई की थी. भारत ने सूर्या की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया था, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज 1-1 से ड्रा पर समाप्त हुई थी. हार्दिक पांड्या अभी तक इस चोट से पूरी तरह रिकवर नहीं कर पाए हैं. हार्दिक अगर आईपीएल से पहले पूरी तरह से रिकवर नहीं हो पाते हैं तो यह टीम इंडिया और मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ा झटका होगा. वहीं गुजरात टाइटंस जाने से पहले हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए सात सीजन खेले थे. हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस ने टीम की कमान सौंपी थी और उनकी अगुवाई में फ्रेंचाइजी ने अपने पहले ही सीजन में आईपीएल खिताब अपने नाम किया था. इसके अलावा टीम दूसरे सीजन में फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था. बता दें कि हार्दिक पांड्या को आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस से ट्रेड किया है.

2023 वनडे विश्व कप के दौरान गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी हार्दिक पांड्या को

सूर्यकुमार ने रिहैब के लिए एनसीए को रिपोर्ट की है

टीम इंडिया के लिए दूसरा झटका सूर्यकुमार यादव के रूप में है. क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान भारतीय की अगुवाई करने वाले सूर्यकुमार चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए हैं. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला जोहान्सबर्ग में खेला गया था. इस मैच में सूर्यकुमार फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे. बताया जाता है कि सूर्यकुमार को ग्रेड 2 का टियर हुआ है. वो अगले छह से सात सप्ताह के लिए एक्शन से बाहर हो गए हैं. बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम ना जाहिर करे की शर्त पर बताया कि सूर्या ने रिहैब के लिए एनसीए को रिपोर्ट किया है और मेडिकल साइंस टीम ने फिलहाल उसे चोटिल बताया है. वह तीन सप्ताह बाद शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज में नहीं खेल पाएगा. चूंकि उसके टेस्ट के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है, इसलिए वह आईपीएल में खेलने से पहले अपनी फिटनेस की जांच करने के लिए संभवतः फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलेंगे. बता दें कि भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को मोहाली में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन आईएस बिंद्रा स्टेडियम के खेला जाएगा.

ग्रेड 02 का टियर हुआ है सूर्यकुमार को, वो अगले छह से सात सप्ताह एक्शन से बाहर हो गए हैं.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

क्रिकेट खेल की शुरुआत किस देश में हुई थी	इंग्लैंड
बटर फ़्लाई शब्द किस खेल से संबंधित है	तैराकी
भारत में फेडरेशन कप किस खेल से संबंधित है	फुटबॉल
सॉकर किस खेल का दूसरा नाम है	फुटबॉल
टर्बिनेटर के नाम से किस खिलाड़ी को जाना जाता है	हरभजन सिंह
मैराथन दौड़ की दूरी कितनी होती है	26 मील, 385 गज
राष्ट्रमंडल खेलों का प्रथम आयोजन कब हुआ	1930
राधामोहन का संबंध किस खेल से है	पोलो
भारत के प्रथम टेस्ट क्रिकेट कप्तान कौन थे	सीके नायडू

अब प्रसिद्ध और मुकेश में से एक के ही खेलने की उम्मीद

एजेंसी। सेंचुरियन

मिलेगा अवसर

- केएल राहुल को कीपिंग के लिए कहा जा सकता है
- सबसेपेचीदा मुद्दा प्रसिद्ध और मुकेश में से एक को चुनना है

हालात के अनुसार सर्वश्रेष्ठ संयोजन हमेशा टीम की सर्वश्रेष्ठ एकादश नहीं होती जिससे 'बॉक्सिंग डे' पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरूआती टेस्ट के लिए सही संयोजन ढूंढना भारत के लिये निश्चित रूप से मुश्किल भरा काम होगा. कम से कम दो स्थान ऐसे होंगे जिसके लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को परेशानी होगी. सबसे मुश्किल भरा मुद्दा भारत के लिए यह होगा कि केएल राहुल को बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए विकेटकीपिंग करने को कहा जायेगा. इसके अलावा सबसे पेचीदा मुद्दा मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा में से किसी एक को चुनने का होगा जो टखने की चोट से उबर रहे मोहम्मद शमी की जगह लेंगे.

देखा जाये तो कुछ फैसले सीधे लग सकते हैं लेकिन भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चीजें उतनी आसान नहीं होगी. सेंचुरियन की पिच तेज गेंदबाजों के मुफीद रही है जो सख्त और उछाल भरी है जिस पर नमी भी है और इससे दिन के दूसरे हिस्से में रिवर्स स्विंग में मदद मिलती है. अगर 'लेटरल मूवमेंट' की बात की जाये तो कैरेबियाई सरजमीं पर टेस्ट पदार्पण कर चुके मुकेश सीधे अंतिम एकादश में शामिल हो सकते हैं. लेकिन बंगाल का यह तेज गेंदबाज सफेद गेंद की श्रृंखला के दौरान सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखा है. वह 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 151 विकेट झटक चुके हैं. वह लंबे स्पैल डाल सकते हैं और रणजी ट्राफी क्रिकेट में चाय के बाद वह 'रिवर्स स्विंग' भी हासिल करने के लिए मशहूर हैं. मुकेश के निकटतम प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ के पसंदीदा और बेंगलुरु के साथी प्रसिद्ध हैं.

आईईपीएल मैदान में टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

बेरमो। आईईपीएल टी20 मैच शनिवार को गोमिया के आईईपीएल ग्राउंड में शुरू हुआ. पहले मैच में नौ रूल्स और डैशिंग 11 के बीच मैच खेला गया. नो रूल्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट खोकर 122 रन बनाया और 123 रन का लक्ष्य दिया. डैशिंग टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 4 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा कर और जीत दर्ज की. डैसिंग टीम के रंजीत ने दो विकेट लेकर 38 रन बनाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुने गए. इस खेल के उद्घाटन में आईईपीएल के जीएम अभिषेक विश्वास, कंपनी के राजीव साबरी, मुकेश झा, संतोष शिंदे, थाना प्रभारी देवानंद कुमार, ससबेड़ा पूर्वी पंचायत के मुखिया अंशु देवी, ससबेड़ा पश्चिम पंचायत मुखिया शांति देवी, पंचायत समिति सदस्य हरि सिंह, कांति देवी, पश्चिम के पंचायत समिति सदस्य प्रवीण कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे. टूर्नामेंट में कुल 48 टीमों ने हिस्सा लिया है. इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट है.

अंडर-19 टीम विश्व कप से पहले ट्राई सीरीज खेलेगी

नयी दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी. बताया जाता है कि भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी.

खेल प्रतिबद्धता दिखाने का होगा मौका : टेटे

संवाददाता। रांची

शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए कट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है.

भारत सहित आठ टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए दाव पर लगे तीन स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी जिसमें मेजबानों की भिड़ंत शुरूआती दिन अमेरिका से होगी. सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि रांची में यह टूर्नामेंट सिर्फ क्वालीफिकेशन के लिए ही नहीं है बल्कि यह उस खेल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जज्बे को दिखाने का मौका भी होगा जिसे हम पसंद करते हैं. उन्होंने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, उम्मीद है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेंगे. भारत को पूल बी में अमेरिका, न्यूजीलैंड और इटली के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीम हैं. भारतीय टीम हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान ओलंपिक के लिए स्वतः क्वालीफाई करने का मौका चूक गयी थी और यहां पेरिस के लिए कट हासिल करने का एक और प्रयास करेगी. तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहीं 21 साल की खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू मैदान पर दर्शकों के समर्थन से टीम को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी. झारखंड के सिमडेगा जिले की खिलाड़ी सलीमा ने कहा कि रांची लौटना हमेशा ही घर वापसी जैसा लगता है. इस शहर का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, जहां हॉकी के प्रति मेरा लगाव बढ़ा और मैंने अपना कौशल निखारा. उन्होंने कहा कि दर्शकों का समर्थन और उनकी ऊर्जा शानदार है.

कामयाबी न्यूजीलैंड टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की स्ट्रीक टूट गई

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हराया

भाषा । नेपियर

क्रिकेट विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन करनेवाली बांग्लादेश की टीम की पहचान तेजी से बढ़ रही है. नेपियर में शनिवार को बांग्लादेश ने बड़ा उलटफेर कर दिया. उन्होंने न्यूजीलैंड को उन्हीं के घर में तीसरे वनडे में 9 विकेट से हरा दिया. उन्हें यह कारनामा करने में महज 15 ओवर लगे. जिससे मेजबान टीम की घरेलू मैदान पर 17 मैचों में चली आ रही जीत की स्ट्रीक टूट गई. न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली.

न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में 44 रन और दूसरे वनडे में 7 विकेट से जीत हासिल की थी. न्यूजीलैंड को 31.4 ओवर में महज 98 रन पर समेटने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने 42 गेंद में नाबाद 51 रन बनाये और अनामुल हक ने 33 गेंद में 37 रन का योगदान दिया. जिससे बांग्लादेश ने 19 प्रयासों में न्यूजीलैंड पर वनडे में पहली जीत हासिल की. बांग्लादेश ने शनिवार को न्यूजीलैंड को दोनों टीमों के बीच हुए वनडे में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट किया. तंजिम हसन साकिब ने 14 रन देकर तीन विकेट और शोरिफुल इस्लाम ने 22 रन देकर तीन विकेट झटके. इस तरह दोनों ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. सौम्य सरकार ने भी 18 रन देकर तीन विकेट चटकाये. जिससे न्यूजीलैंड की टीम बांग्लादेश के खिलाफ 162 रन के पिछले न्यूनतम वनडे स्कोर से कम स्कोर में सिमट गई. बांग्लादेश के कप्तान शांटो ने टॉस जीतकर मैकलीन पार्क पर गेंदबाजी का फैसला किया जो आमतौर पर बल्लेबाजी के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है. पिच पर काफी घास थी. जिसका शोरिफुल और शाकिब ने पूरा फायदा उठाया. न्यूजीलैंड का शीर्ष क्रम चरमरा गया और 70 रन तक उन्होंने 6 विकेट गंवा दिये थे. न्यूजीलैंड के लिए पारी की सबसे बड़ी साझेदारी विल यंग (26 रन) और टॉम लाथम (21 रन) के बीच तीसरे विकेट के लिए 36 रन की रही. इन दोनों के अलावा केवल दो अन्य बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके. इसके बाद सरकार ने जोश क्लार्कसन (16 रन), एडम मिल्ने (04) और आदित्य अशोक (10 रन) के विकेट झटके. अंतिम विकेट मुश्फिकुर रहीम के नाम रहा.

किया उलटफेर

- न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से जीती
- न्यूजीलैंड पहले वनडे में 44 रन जीत ली थी

पद्मश्री डेफलंपिक्स स्वर्ण पदक विजेता वीरेंद्र भी लौटाएंगे सम्मान

एजेंसी। नयी दिल्ली

रेसलर नाराज

- संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में हैं वीरेंद्र यादव
- गूंगू पहलवान के नाम से भी प्रसिद्ध हैं वीरेंद्र सिंह यादव

डेफलंपिक्स (मूक बधिर खिलाड़ियों का ओलंपिक) के स्वर्ण पदक विजेता वीरेंद्र सिंह यादव ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के विरोध में देश के शीर्ष पहलवानों के साथ एकजुटता दिखाते हुए सरकार को अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला किया है. गूंगा पहलवान के नाम से मशहूर वीरेंद्र ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपना सम्मान वापस लौटा देंगे. पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के प्रमुख चेहरों में शामिल साक्षी ने डब्ल्यूएफआई चुनावों में संजय सिंह की जीत के तुरंत बाद खेल से संन्यास की घोषणा की थी जबकि बजरंग ने शुक्रवार को अपना पद्मश्री लौटा दिया था. वीरेंद्र ने ट्विटर पर लिखा कि मैं भी अपनी बहन और देश की बेटी के लिए पद्मश्री सम्मान लौटाऊंगा. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मुझे आपकी बेटी और मेरी बहन साक्षी मलिक पर गर्व है. उन्होंने सचिन तेंदुलकर और नीरज चोपड़ा जैसी देश की प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से भी इस मुद्दे पर अपनी राय देने का आग्रह किया. वीरेंद्र ने महान क्रिकेटर तेंदुलकर और ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी चोपड़ा को टैग करते हुए कहा कि देश के सबसे उच्च (शीर्ष) खिलाड़ियों से भी अनुरोध करुंगा कि वे भी अपना निर्णय दें. वीरेंद्र को 2021 में देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री मिला था. इससे पहले उन्हें 2015 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. डब्ल्यूएफआई चुनाव के फैसले आने के तुरंत बाद साक्षी, बजरंग और विनेश फौगाट ने प्रेस कांफ्रेंस की थी. इसमें साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया. पूनिया ने एक दिन बाद 'एक्स' पर कहा, मैं अपना पद्मश्री सम्मान प्रधानमंत्री को वापस लौटा रहा हूं.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान में वांछित टीटीपी कमांडर ढेर

लाहौर। पाकिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शनिवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक प्रमुख कमांडर मारा गया जो पंजाब प्रांत में इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस (आईएसआई) भवन पर घातक हमले सहित कई आतंकी हमलों में शामिल था. आतंकवाद रोधी विभाग ने एक बयान में कहा कि उसे गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ आतंकवादी प्रांतीय राजधानी लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर चिनिओट इलाके में छिपे हुए हैं.

सिक्किम के सीएम ने पीएम का आभार जताया

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने अतिरिक्त कर हस्तांतरण किस्त के रूप में राज्य को 283.10 करोड़ रुपये जारी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया है. तमांग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अतिरिक्त कर हस्तांतरण किस्त के रूप में सिक्किम के लिए 283.10 करोड़ रुपये जारी करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का आभार.

चकबंदी विभाग के 31 कर्मियों पर मामला दर्ज

बलिया। जिले के चकबंदी विभाग के चार बंदोबस्त अधिकारी सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है. पुलिस के अनुसार बंदोबस्त अधिकारी आर. के. सुरेश कुमार की शिकायत पर शुक्रवार को बलिया शहर कोतवाली में चार बंदोबस्त अधिकारी राधेश्याम, दयानंद सिंह चौहान, धन राज यादव व अनिल कुमार सहित विभाग के 31 कर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है.

300 भारतीय सवार विमान को रोका गया

पेरिस। फ्रांस में 300 से अधिक भारतीय सवार एक विमान को मानव तस्करी के शक में रोक दिया गया. जानकारी के अनुसार विमान निकारगुआ जा रहा था, लेकिन उसे फ्रांस में रोक दिया गया. विमान को उड़ान नहीं भरने दिया गया. अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि 300 से अधिक भारतीय यात्रियों को लेकर निकारागुआ जा रहे एक विमान को फ्रांस में रोक दिया गया है. पेरिस में प्रॉजिक्यूशन ऑफिस को कहा गया कि निकारगुआ जा रही फ्लाइट में ह्यूमन ट्रैफिकिंग किये जाने की आशंका है.

केरल में 32 फीसदी वाहनों का बीमा नहीं

तिरुवनंतपुरम। केरल में वर्तमान में 32 प्रतिशत वाहनों का बीमा नहीं है जिससे कई लोगों की जान को खतरा है. राज्य परिवहन आयुक्त एस. श्रीजीत ने यह जानकारी दी. श्रीजीत ने कहा कि मोटर वाहन विभाग सभी वाहनों की पूर्ण बीमा कवरेज हासिल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है. उन्होंने यह बयान हाल में भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के अनिवार्य बीमा जागरूकता अभियान के तहत सामान्य बीमाकर्ता मैग्मा एचडीआई द्वारा आयोजित की गई महिला मोटरसाइकिल रैली के दौरान दिया.

रेलटेल एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली करेगी लागू

गुवाहाटी। सार्वजनिक उपक्रम रेलटेल को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के लामडिंग खंड की नयी एकल लाइन भैरबी-सैरांग खंड पर एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली लगाने का काम सौंपा गया है. शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई. बयान के मुताबिक, सार्वजनिक उपक्रम पूरे खंड पर पड़ने वाली सुरंगों में आपातकालीन कॉल व्यवस्था और रेलवे स्टेशन पर एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली लगाएगी.

ईडी ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो और कुछ अन्य के खिलाफ धनशोधन के आरोप में चल रही जांच के तहत तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि तीनों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था. हालांकि, तीनों आरोपियों की पहचान तत्काल जाहिर नहीं की गई है.

तिरुवनंतपुरम में केरल सरकार के महत्वाकांक्षी 'नव केरल सदास' आउटरीच कार्यक्रम के दौरान एक जुलूस में प्रदर्शन करते थेय्यम कलाकार.

केरल में प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया

कांग्रेस के मार्च में हिंसा छोड़ी गईं पानी की बौछारें

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल में विपक्षी दल कांग्रेस ने शनिवार को यहां केरल पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर कूच किया. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया जिसके बाद भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें छोड़ीं.

यह मार्च केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने वाम सरकार के लोगों तक पहुंचने के कार्यक्रम 'नव केरल सदास' के खिलाफ आंदोलन के दौरान अपने कार्यकर्ताओं पर पुलिस के कथित अत्याचार के विरोध में आयोजित किया था. जिस वक्त पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें छोड़ीं उस वक्त केपीसीसी प्रमुख के. सुधाकरन, विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर सहित वरिष्ठ नेता डीजीपी कार्यालय के पास अस्थायी मंच पर मौजूद थे. सुधाकरन और चेन्निथला आंसू गैस के गोलों से प्रभावित हुए जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें पास

खड़ी एक कार तक पहुंचाया. दोनों नेताओं को उपचार के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया है.

गुंडों ने बिना किसी उकसावे के हमला किया : सुधाकरन ने अस्पताल में मीडिया से बातचीत में पार्टी नेताओं पर हमले को अप्रत्याशित करार दिया. उन्होंने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे. पुलिस के बीच मौजूद गुंडों ने बिना किसी उकसावे के हमला किया. उस दौरान वरिष्ठ नेता मौजूद थे.

सतीशन ने पुलिस की आलोचना करते हुए कहा कि नेताओं पर इस प्रकार का हमला केरल के इतिहास में पहली बार हुआ है. कांग्रेस नेता

खास बातें

- सुधाकरन और चेन्निथला आंसू गैस के गोलों से हुए प्रभावित
- पार्टी नेताओं पर हमले को अप्रत्याशित करार दिया

थरूर ने कहा कि आंसू गैस का गोला मंच के ठीक पीछे फटा जहां कम से कम छह सांसद और पार्टी के कई विधायक मौजूद थे.

यह सोचा-समझा हमला था : थरूर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पर यह सोचा-समझा हमला था. उन्होंने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि किसके निर्देश पर पार्टी नेताओं पर हमला किया गया. हमें इस देश में विरोध करने का अधिकार है. निर्वाचित प्रतिनिधियों पर इस हमले के खिलाफ सांसद और विधायक संबंधित विशेषाधिकार समितियों के पास जाएंगे.

चेन्निथला ने कहा कि पुलिस ने बिना किसी कारण हमला किया और नेताओं ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की. सुधाकरन ने जैसे ही अपना भाषण समाप्त किया, पार्टी सदस्य डीजीपी कार्यालय के पास लगाए गए अवरोधकों पर चढ़ने लगे और उन्होंने सुरक्षा घेरे को पार करने का प्रयास किया.

जम्मू में 12वीं सदी की दुर्लभ मूर्तियां मिलीं

जम्मू। भगवान शिव और देवी इंद्राणी की मूर्तियों की 12वीं शताब्दी ईस्वी की एक जोड़ी यहां खुदाई में मिली है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने कहा कि प्राचीन मूर्तियां जम्मू के बाहरी इलाके में भौर शिविर में खुदाई के दौरान मिलीं और बाद में उन्हें अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया. प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने कहा कि यह पाया गया है कि 12वीं शताब्दी ईस्वी की मूर्तियां बहुत दुर्लभ हैं. अधिकारियों ने कहा कि ये मूर्तियां देवी इंद्राणी के मानव रूपों को दर्शाती हैं, जिनका माप 28 गुणा 13.5 इंच व वजन 55 किलोग्राम है.

अब तक 20 हजार फलस्तीनियों की मौत

रफाह। चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है. गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. इस बीच, इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है. गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं. बीते 11 सप्ताह से इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में मृतकों की यह संख्या चौंकाने वाली है.

आओ जानें

दुनिया में बेरोजगारी की दर

नाइजीरिया	33.3%	उरुग्वे	8.2%
दक्षिण अफ्रीका	32.6%	ब्राज़ील	8%
इराक	15.55%	भारत	8%
बोस्निया-हर्जेगोविना	13.3%	इटली	7.4%
अफगानिस्तान	13.3%	फिनलैंड	7.2%
स्पेन	11.6%	फ्रांस	7.2%
ग्रीस	11.1%	मिस्र	7.1%
यूक्रेन	10.5%	अर्जेंटीना	6.9%
ईरान	9.7%	पराग्वे	6.5%
तुर्की	9.6%	यूरो क्षेत्र	6.4%
कोलंबिया	9.34%	वेनेजुएला	6.4%
स्वीडन	9.2%	पाकिस्तान	6.3%
चिली	8.53%	पुर्तगाल	6.1%

रैट होल माइनर्स ने इनाम लेने से किया इनकार

एजेंसी। देहरादून

सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 'रैट होल' खनिकों ने हाल में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उन्हें दिए गए 50,000 रुपये के चेक को भुनाने से इनकार कर दिया है. 'रैट-होल' खनिक उन्हें दी जा रही इस राशि से संतुष्ट नहीं हैं. 'रैट-होल' खनिकों की टीम का नेतृत्व करने वाले वकील हसन ने कहा कि वह एक विषम स्थिति थी. जब मशीनें फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने में विफल रहीं तब हमने मदद की. हमने बिना किसी पूर्व शर्त के अपनी जान जोखिम में डालकर मलबे में खुद खुदाई की. हम मुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हैं लेकिन जो राशि हमें दी गई है उससे हम संतुष्ट नहीं हैं. उन्होंने कहा कि अभियान में खनिकों की भूमिका किसी नायक के समान थी लेकिन हमें सरकार से जो मिला वह पर्याप्त नहीं है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सम्मानित 12 खनिकों ने सामूहिक रूप से चेक नहीं भुनाने का फैसला किया है. हसन ने कहा कि जिस दिन हमें चेक सौंपे गए थे, उसी दिन मैंने मुख्यमंत्री के समक्ष असंतोष व्यक्त किया था.

अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद हम लौट आए कि हमारे संबंध में कुछ घोषणा एक-दो दिनों में की जाएगी. अगर वादा पूरा नहीं किया गया, तो हम चेक वापस कर देंगे. हसन ने कहा कि वे राज्य सरकार से अभियान में मदद करने वाले रैट-होल खनिकों के लिए स्थायी नौकरी की अपेक्षा करते हैं.

अमेरिका में मंदिर में तोड़फोड़ भारत विरोधी नारे लिखे गये

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में एक प्रमुख हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ करने और उसकी दीवारों पर भारत विरोधी नारे और भित्तिचित्र दर्शाने की घटना सामने आई है. पुलिस इस मामले की जांच घृणा अपराध की दृष्टि से कर रही है.

कैलिफोर्निया के नेवार्क में सिटी ऑफ नेवार्क पुलिस विभाग ने ईमेल के जरिए प्रेषित बयान में को बताया कि शुक्रवार को सुबह लगभग 8:35 बजे, उन्हें श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर में भारत विरोधी नारे लिखे जाने और भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाए जाने की सूचना मिली. इसके बाद अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए मंदिर के प्रबंधन से जुड़े लोगों से मुलाकात की जिन्होंने इस घटना को उन्हें डराने के उद्देश्य से की गयी घटना करार दिया.

खास बातें

- भारत विरोधी भित्तिचित्र बनाए जाने की भी सूचना
- भारत के बाहर चरमपंथियों को जगह नहीं मिले : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घटना पर कहा कि भारत के बाहर चरमपंथियों और अलगाववादी ताकतों को जगह नहीं मिलनी चाहिए. हम इस बारे में चिंतित हैं. जो कुछ भी हुआ, उसके बारे में हमारे वाणिज्य दूतावास ने (अमेरिकी) सरकार और वहां की पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई है. सोशल मीडिया पर पोस्ट की गयी तस्वीरों के अनुसार खालिस्तान शब्द के साथ अन्य आपत्तिजनक नारे मंदिर के बाहर स्प्रे-पेंट किये गये थे.

गाजियाबाद और नोएडा में संक्रमण के एक-एक मामले आए सामने

नये साल पर एहतियात बरतने की सलाह

- खांसी-जुकाम अथवा फ्लू जैसे लक्षण दिखने पर डॉक्टर से सलाह लेकर ही दवा लेने का सुझाव

एजेंसी। नोएडा

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कोरोना वायरस के मामले सामने आने के बाद गौतम बुद्ध नगर जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने और क्रिसमस तथा नए साल के अवसर पर जश्न के दौरान संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई है.

जियाबाद और नोएडा में संक्रमण का एक-एक मामला सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने परामर्श जारी कर लोगों को कोविड-19 से

अस्पताल में 10 बिस्तरों का पृथक वार्ड तैयार

जिला सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने कहा कि क्रिसमस और नए साल के जश्न के दौरान कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का ध्यान रखना जरूरी है, इससे संक्रमण बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी. उन्होंने कहा कि मधुमेह, टीबी, कैंसर, अस्थमा या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है. उत्तर प्रदेश सरकार ने भी परामर्श जारी कर इंफ्लुएंजा जैसी बीमारियों (आईएलआई) और श्वसन संबंधी गंभीर संक्रमण के मामलों में सभी मरीजों की आरटीपीसीआर जांच कराने के लिए कहा गया है और संक्रमण की पुष्टि होने पर नमूने के जीनोम अनुक्रमण के आदेश दिए गए हैं.

बचाव संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है. जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉक्टर सुनील शर्मा ने जारी अलर्ट में कहा है कि वायरस का नया स्वरूप खतरनाक नहीं है लेकिन इसके संक्रमण से बचने की जरूरत है. इसे देखते हुए लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, साथ ही सार्वजनिक जगहों पर सामाजिक दूरी का पालन, मास्क का उपयोग जैसे कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों का का पालन करने का सुझाव दिया है.

राजौरी में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद

पुंछ। जम्मू-कश्मीर में हाल में सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों की ओर से जारी अभियान के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में शनिवार तड़के मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं. आतंकवादियों द्वारा सेना के वाहनों पर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे. हमले के संबंध में सेना द्वारा कथित तौर पर पूछताछ के लिए बुलाए गए तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें संदिग्धों को कथित तौर पर प्रताड़ित करते दिखाया गया है. इन वीडियो के सामने आने के बाद लोगों में रोष है. इन घटनाओं के बीच दोनों सीमावर्ती जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया.

हिजाब पर फिर गरमाई राजनीति, कर्नाटक सरकार ने बैन हटाया

फूट डालो और राज करो की नीति : भाजपा

एजेंसी। बेंगलुरु

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कक्षाओं में हिजाब पहनने पर लगाया गया प्रतिबंध हटाने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर ही चल रही है.

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा था कि राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगाया गया प्रतिबंध 23 दिसंबर से हटा दिया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि अपनी पसंद के कपड़े पहनने और भोजन का चयन व्यक्तिगत मामला है. इस मुद्दे पर भाजपा ने कहा कि यह कदम शिक्षण संस्थानों की धर्मनिरपेक्ष

लोकसभा चुनाव से पहले तुष्टीकरण का आरोप

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस हिजाब पर प्रतिबंध हटाना चाहती है, वहीं दूसरी ओर परीक्षा देने गईं हिंदू महिलाओं को मंगल सूत्र और पैर के बिछुए उतारने के लिए मजबूर किया गया. उन्होंने कांग्रेस पर लोकसभा चुनाव से पहले तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया, आजादी के इतने वर्ष बाद भी अल्पसंख्यकों में साक्षरता और रोजगार दर 50 प्रतिशत है. कांग्रेस ने कभी भी अल्पसंख्यकों की हालत सुधारने की कोशिश नहीं की. भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति पर विश्वास करती है तथा अंग्रेजों की विरासत को आगे बढ़ा रही है. इससे पहले विजयेंद्र ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि सरकार युवाओं को धार्मिक आधार पर बांट रही है.

प्रकृति के प्रति चिंता पैदा करता है.

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में सिद्धरमैया पर शिक्षा का माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया. उन्होंने कांग्रेस सरकार के निर्णय का विरोध करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिया कि वह हिजाब पर पाबंदी हटाएंगे.

दावा अब नक्सली हताश हो गए हैं और डबल इंजन वाली सरकार इस समस्या से मजबूती से लड़ेगी

पांच वर्षों में कांग्रेस ने बहुत कर्ज लाद दिया : साय

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि उनकी सरकार इस पर सहमत नहीं है कि औद्योगीकरण और खनन नहीं होना चाहिए, बल्कि ये गतिविधियां विकास और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण हैं.

साय ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के जैव-विविधता से समृद्ध सरगुजा क्षेत्र के संबंध में खनन गतिविधियों के फायदे और नुकसान का विश्लेषण करने के बाद उचित कदम उठाएगी, जहां पिछले कई वर्षों में अनेक स्थानों पर कोयला खनन के खिलाफ आदिवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया है. साय ने

सरकार बदली तब माओवादियों बढ़ावा मिला

राज्य में नक्सलवाद की समस्या को लेकर सरकार के रुख के बारे में पूछे गए सवाल पर साय ने कहा कि जब राज्य में 15 वर्षों (2003 से 2018) तक भाजपा की सरकार थी तब हम कड़ाई से नक्सलवाद से लड़े लेकिन जब सरकार बदली तब उनको (माओवादियों) बढ़ावा मिला. नक्सली कहते थे कि उनकी सरकार आ गई है. राज्य, विशेष रूप से दक्षिण में बस्तर क्षेत्र तीन दशक से अधिक समय से वामपंथी उग्रवाद से जूझ रहा है. साय ने कहा कि लेकिन जब से यहां पर सरकार बदली है उनमें बौखलाहट आई है और कायराना हरकत कर रहे हैं. हमने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं जिसके बाद पुलिस एक्शन में आ गई है, नक्सली पकड़े भी गए हैं. हमारे देश के गृह मंत्री अमित शाह भी नक्सलवाद खत्म करना चाहते हैं. केंद्र और राज्य दोनों मिलकर निश्चित तौर पर मजबूती के साथ नक्सलवाद से लड़ाई लड़ेंगे. पिछले महीने राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो अगले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा.

साक्षात्कार में यह भी दावा किया कि राज्य में सरकार बदलने के बाद नक्सली हताश हो गए हैं और डबल इंजन वाली सरकार इस समस्या से मजबूती से लड़ेगी और इसे खत्म करेगी. राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हराकर भारतीय जनता पार्टी पांच साल बाद सत्ता में वापस आई है. राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख आदिवासी चेहरे साय ने पिछले सप्ताह 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. साय उत्तरी छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग से आते हैं, जहां भाजपा ने इस चुनाव में सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों पर जीत हासिल की है. सरगुजा क्षेत्र के लोग, विशेषकर आदिवासी पिछले कई वर्षों से हसदेव अरंड वन क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे हैं.

क्या कहा

- खनन नहीं हो, उद्योग धंधे नहीं खुले, हम इस पक्ष में नहीं
- सरगुजा संभाग में पर्यटन की है अपार संभावना

बलात्कार की सजा पाये भाजपा विधायक की सदस्यता गई

एजेंसी। लखनऊ

सोनभद्र जिले के दुद्धी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक रामदुलार गोंड को बलात्कार के एक मामले में सजा सुनाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है. आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी. गोंड को नौ साल पहले एक लड़की से बलात्कार के मामले में हाल में 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी.

जनप्रतिनिधित्व कानून के अनुसार, किसी भी जनप्रतिनिधि को दो या उससे अधिक साल की कैद होने पर दोषसिद्धि की तारीख से सदन की सदस्यता से अयोग्य माना जाएगा. इतना ही नहीं सजा पूरी होने के बाद अगले छह साल के लिए वह सदन की सदस्यता के लिए पात्र नहीं होगा. 15 दिसंबर को सोनभद्र में सांसद/विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) एहसान उल्लाह खान ने अभियुक्त पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, जो पीड़िता के पुनर्वास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा. बलात्कार पीड़िता अब शादीशुदा है और आठ साल की बच्ची की मां है. विशेष लोक अभियोजक सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया था कि अदालत ने 12 दिसंबर को विधायक को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की थी.

राम भक्तों के लिए तोहफा, देशभर से अयोध्या के लिए चलेंगी 40 स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी। अयोध्या

श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराने के लिए देश के कोने कोने से अयोध्या के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी. मांग के अनुसार ट्रेनों का संचालन किया जाएगा. यदि कहीं ट्रेनें फुल हो गई हैं और वहां अयोध्या आने वालों की संख्या ज्यादा है तो दूसरी विशेष ट्रेन की व्यवस्था की जाएगी. यह जानकारी रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा ने दी. बीते दिनों उन्होंने अयोध्या, रामघाट हाल्ट और गोंडा जिले के कटरा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में अयोध्या में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी. इसको देखते हुए रेलवे अयोध्या रेलवे स्टेशन पर नागरिक सुविधाएं विकसित कर रहा है. यहां यात्रियों के रुकने, भोजन आदि के इंतजाम किए जा रहे हैं. तीन प्लेटफॉर्म और बनाए जा रहे हैं.

स्टेशन के परिसर में बाहर बोर्डिंग एरिया का भी निर्माण किया जा रहा है. यहां पर यात्री ट्रेन का इंतजार करने के साथ आराम कर सकेंगे. ट्रैक का विद्युतीकरण हो चुका है. दोहरीकरण कार्य तेजी से चल रहा है. कार्य पूरा होते ही यहां ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी. स्टेशन की क्षमता 40 से 50 हजार यात्रियों की होगी. अयोध्या रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारी भी जोरों पर है.

चार रेलवे स्टेशन सेटेलाइट स्टेशन के रूप में होंगे विकसित

रेलवे बोर्ड की चेयरमैन ने बताया कि अयोध्या के आसपास के चार रेलवे स्टेशनों को सेटेलाइट स्टेशनों के रूप में विकसित किया जा रहा है. इनमें गोंडा का कटरा, अयोध्या का रामघाट हाल्ट, दर्शननगर रेलवे स्टेशन और अयोध्या कैंट स्टेशन शामिल हैं. रामघाट स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ाई गई हैं. कैंट का सुंदरीकरण भी प्राण प्रतिष्ठा के बाद शुरू होगा. यात्रियों की भीड़ अयोध्या में कम हो, इसके लिए इन स्टेशनों का उपयोग किया जाएगा.

काम हो जाएगा समय पर पूरा

अयोध्या रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के बारे में बताया कि समय पर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा. आने वाली ट्रेनों व यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी. वर्तमान में स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्थित पुरानी बिल्डिंग को तोड़ने का काम चल रहा है. इसके अलावा कॉनकोर्स का भी निर्माण प्रगति पर है. साथ ही प्लेटफॉर्म नंबर तीन की ओर भी प्लेटफॉर्म विकसित करने का काम चल रहा है. इसके चलते इन तीनों प्लेटफॉर्म पर जगह जगह आवागमन बाधित है. वर्तमान में अयोध्या मार्ग पर ट्रेनों की संख्या कम होने पर कहा कि दोहरीकरण का कार्य पूरा होते ही सभी ट्रेनें चलने लगेगी.

सीधी फ्लाइट का किराया कई गुना महंगा

22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य आयोजन के आसपास की तारीखों में प्लेन का किराया आसमान छूने लगा है. दिल्ली और अहमदाबाद से टिकट के दाम बेस प्राइस से तीन-चार गुना ज्यादा हैं. नई दिल्ली से अयोध्या के लिए एयर इंडिया और इंडिगो की पहली फ्लाइट 30 दिसंबर को आएंगी. इसके बाद इंडिगो 6 जनवरी और एयर इंडिया 16 जनवरी से नियमित फ्लाइट शुरू करेंगी. शुरुआती किराया 3597 रुपये है, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के दो दिन पहले 20 जनवरी को टिकट के दाम 12 हजार से अधिक हो गए हैं. 21 को केवल एयर इंडिया की फ्लाइट है और टिकट की कीमत 14 हजार से अधिक है. प्राण प्रतिष्ठा के दिन भी फ्लाइट के टिकट 10 हजार रुपये से अधिक हैं. इंडिगो 11 जनवरी से अहमदाबाद-अयोध्या उड़ान शुरू करेगी. उस दिन टिकट के दाम करीब 4500 रुपये हैं, लेकिन 19 से 22 जनवरी के बीच 15 हजार रुपये तक पहुंच गए हैं. 19 और 22 को वाया दिल्ली अयोध्या की उड़ान है. वहीं, 20 को अहमदाबाद से सुबह 9:10 बजे सीधी फ्लाइट है, जिसका किराया शुक्रवार शाम तक 5600 रुपये दिखा रहा था.

रामलला जिस पर होंगे विराजमान, सिंहासन बनकर तैयार

अयोध्या में प्रभु रामलला के उनके नवनिर्मित भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां जोरों पर हैं. तीन फेज में मंदिर का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा कराया जाएगा. इससे पहले प्रथम चरण के मंदिर निर्माण का कार्य पूरा होने के बाद 22 जनवरी को प्रभु रामलला को उनके भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान कर दिया जाएगा. इसके लिए तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है. मंदिर निर्माण कार्य करा रही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट 22 जनवरी से पहले सभी व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना पर काम कर रहा है. मंदिर के गर्भगृह में रामलला के लिए एक भव्य सिंहासन बनाया गया है. वहीं, मंदिर के अंदर की दीवारों पर कलाकृतियों को गढ़ने का काम भी जारी है. रामलला का सिंहासन 3 फीट ऊंचा और 8 फीट लंबा बनाया गया है. राम मंदिर के भूतल में लगे खंभों पर भगवान शंकर की मूर्तियां उकेरी गई हैं, जिनकी तस्वीरें मनमोहक हैं. मंदिर के हर कोने को आकर्षक नक्काशीदार पत्थरों से तैयार किया गया है. राम मंदिर के भीतर से आई नक्काशी की इन तस्वीरों ने लोगों को भाव-विहोर कर दिया है. मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले शिखर पर पांच मंडपों का निर्माण किया गया है. वहीं, प्राण- प्रतिष्ठा के लिए होने वाले अनुष्ठान को लेकर दो मंडप का निर्माण किया गया है. श्रराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट ने भव्य मंदिर की अनोखी तस्वीर जारी की है.

भोपाल: शनिवार को भोपाल में देश में क्रिसमस समारोह के विरोध में एक अभियान के दौरान बच्चों ने भगवान राम की वेशभूषा धारण की.

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार, फरवरी तक रद्द रहेंगी कई ट्रेनें

संवाददाता। धनबाद

कड़ाके की ठंड, शीत लहरी और उत्तर भारत में कोहरे के कारण धनबाद और गोमो से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों की रफ्तार रुक गई है. रेलवे सूत्रों के अनुसार दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तिथियों को कई ट्रेनें रद्द रहेंगी. जिसमें रांची-कामाख्या और चंबल एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं. नए वर्ष में फरवरी महीने तक विभिन्न ट्रेनों में सफर करनेवाले लाखों यात्रियों को काफी परेशानी होगी. कोहरा के कारण दिल्ली-यूपी की ओर से गोमो-धनबाद की ओर आनेवाली राजधानी, पूर्वा, जम्मूतवी, दून, मुंबई मेल, नेताजी व जोधपुर समेत कई ट्रेनें रोजाना विलंब से चल रही है. ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण जरूरी काम से सफर करने वाले यात्रियों के साथ-साथ बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोगों को काफी परेशानी हो रही है.

धनबाद से बेंगलुरु के लिए चलेगी नई ट्रेन

धनबाद से अलापुजा तक जानेवाली एलेप्पी एक्सप्रेस में सालों भर वेटिंग रहने के कारण दक्षिण भारत के लिए धनबाद से बेंगलुरु तक नई ट्रेन चलेगी. पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव पर रेलवे बोर्ड से हरी झंडी मिल चुकी है. धनबाद रेल मंडल को सिर्फ ट्रेन की रैक मिलने का इंतजार है.

270 ट्रेनों में फॉग सेफ्टी डिवाइस, फिर भी ट्रेनें लेट

धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड और सीआईसी सेक्शन से होकर गुजरनेवाली लगभग 270 ट्रेनों के इंजन में फॉग सेफ्टी डिवाइस लगा है. ताकि कोहरा या गतिरोध की जानकारी चालक को मिल सके और ट्रेनें लेट न हो. इसके बावजूद रोजाना यूपी-दिल्ली की ओर से आनेवाली कई ट्रेनें विलंब से धनबाद पहुंच रही है. रेलवे अधिकारी के अनुसार डिवाइस के ऑन होते ही जीपीएस के माध्यम से ट्रेन चालक को पता चल जाता है कि अगला स्टेशन कितनी दूरी पर है. रास्ते में गतिरोध की जानकारी भी मिल जाती है. इससे ट्रेन चालक निर्भीक होकर कुहासा में भी ट्रेन चलाता है.

रद्द की गई ट्रेनें

ट्रेन नंबर	किस तिथि तक रहेगी रद्द
18103	28.02.24
18104	01.03.24
12873	29.02.24
12874	01.03.24
22857	26.02.24
22858	27.02.24
15662	27.02.24
15661	28.02.24
12988	29.02.24
12987	01.03.24

आगरा से मथुरा तक रद्द रहनेवाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर	किस तिथि तक रहेगी रद्द
12177	23.02.24
12178	26.02.24

आओ जानें

24 दिसंबर का इतिहास

- 2014 – अटल बिहारी वाजपेयी और मदन मोहन मालवीय को भारत रत्न देने की घोषणा हुई.
- 2011 – क्यूबा की सरकार ने 2900 कैदियों को रिहा करने की घोषणा की.
- 2008 – जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के अन्तिम चरण में 55% वोट पड़े.
- 2007 – मंगल ग्रह के रहस्यों की खोज करने के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी यान मार्स ने मंगल ग्रह की कक्षा में अपने चार हज़ार चक्कर पूरे किये.
- 2006 – शिखर बैठक में फ़िलिस्तीन को इस्त्रायल कई सुविधाएँ देने के लिए तैयार.
- 2005 – यूरोपीय संघ ने ''खालिस्तान ज़िन्दाबाद फ़ोर्स'' नामक संगठन को आतंकी सूची में शामिल किया.
- 2003 – अमेरिकी विदेश विभाग ने 30 जून, 2004 को इराक में सत्ता सौंपने की तैयारी शुरू की.

भाजपा नेता ने सरकार बनने पर छह साल बाद जूते पहने

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अनूपपुर जिला इकाई के प्रमुख ने 2017 में राज्य में पार्टी की सरकार बनने तक जूते नहीं पहनने की कसम खाई थी. भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ दिनों बाद शनिवार को उन्होंने इसे फिर से पहनना शुरू कर दिया. भाजपा के अनूपपुर जिला अध्यक्ष रामदास पुरी ने छह साल के अंतराल के बाद फिर से जूते पहनना शुरू कर दिया. ऐसा उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में किया. चौहान ने कहा कि पुरी ने 2017 में जूते पहनना बंद कर दिया और फैसला किया कि जब तक राज्य में भाजपा सत्ता में नहीं आती, वह इसे नहीं पहनेंगे. चौहान ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा सरकार बनाने में नाकाम रही, लेकिन 2020 में पार्टी के सत्ता में वापस आने के बाद भी (कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिरने के बाद), पुरी ने जूते पहनना शुरू नहीं किया. उन्होंने कहा कि पुरी जी एक मेहनती और समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने 2017 से जूते और चप्पल पहनना छोड़ दिया था. छह साल तक, वह हर मौसम गर्मी, सर्दी या बारिश में नंगे पैर रहते थे. उनका संकल्प पूरा हो गया है. हम सभी ने अनुरोध किया कि अब संकल्प पूरा हो गया है और आपको जूते पहनना शुरू कर देना चाहिए. पिछले महीने विधानसभा चुनाव में, भाजपा ने प्रदेश की 230 विधानसभा सीट में से 163 सीट जीतकर शानदार विजय हासिल की और राज्य में सत्ता बरकरार रखी. विपक्षी कांग्रेस 66 सीट पर ही जीत हासिल कर सकी जबकि एक सीट भारत आदिवासी पार्टी ने जीती.

कॅरियर-काउंसिलिंग

पेंटिंग की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

पेंटर कलाकार होते हैं जो कागज या कैनवास पर अपने ब्रश का उपयोग करते हैं. पेंटर के तीन प्राथमिक उपकरण ब्रश, रंग और कैनवास माने जाते हैं. जिससे वह स्थिर जीवन, परिदृश्य, चित्रण, सार, प्रकृति आदि को कागज या कैनवास पर दर्शातें हैं. पेंटिंग में एक आकर्षक और रंगीन करियर बनाने में मदद करने के लिए स्टूडेंट्स को तेल, एक्रिलिक, स्याही, पानी, पेस्टल, तामचीनी, पेंट, टेम्परा इत्यादि भी प्रदान किए जाते हैं. जिससे वह अपनी काल्पनिकता और क्रिएटिविटी को मिलाकर एक अनोखा चित्रण कर सकें.

पेंटर के लिए स्किल्स

- एक पेंटर के पास पेंट के रंगों, स्वरों और हाइलाइट्स के ज्ञान को लागू करने जैसी स्किल्स होनी चाहिए. जिससे वह कला और क्रिएटिविटी के साथ निश्चित समय सीमा में अपना कार्य पूरा कर पाए.
- एक पेंटर को उच्च स्तर पर काम करने में सक्षम होना चाहिए, चाहे वह एक टीम में हो या अकेले, उसे ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करना आना चाहिए.
- पेंटर को प्रॉफेशनल और विनम्र होना चाहिए, मौखिक और लिखित निर्देशों को समझें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें.
- पेंटर को विभिन्न रंगों और उन्हें मिलाने में मदद करने वाली विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए.
- पेंटर के पास अपना काम प्रस्तुत करने के लिए भाषा कौशल होना चाहिए.

विदेशी विश्वविद्यालय

- प्रैट इंस्टीट्यूट, न्यूयॉर्क
- रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन
- कला संस्थान के स्कूल, शिकागो
- स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, न्यूयॉर्क
- ग्लासगो आर्ट स्कूल
- आल्टो यूनिवर्सिटी
- कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट
- विलियम्स कॉलेज
- मैसाचुसेट्स कॉलेज ऑफ आर्ट एंड डिजाइन
- एल्गाइड आर्ट्स यूनिवर्सिटी

भारतीय विश्वविद्यालय

- कॉलेज ऑफ आर्ट्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी
- फैकल्टी ऑफ विजुअल आर्ट्स, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी
- चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर विश्वविद्यालय
- कला भवन, विश्व भारती यूनिवर्सिटी
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय यूनिवर्सिटी, सतना

पेंटर के लिए योग्यता

- पेंटर बनने के लिए जरुरी है कि उम्मीदवार ने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10 2) 50% अंकों से उत्तीर्ण की हो.
- छात्र किसी भी स्ट्रीम से हो सकते हैं. कला के छात्रों का चयन प्राथमिकताओं के आधार पर किया जाता है.
- इसके लिए आपको कला में ग्रेजुएशन करनी होती है जैसे बीए पेंटिंग आदि.
- अधिक एक्सपर्टीज हासिल करने के लिए आप बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स इन पेंटिंग भी कर सकते हैं.

करियर स्कोप

- फाइन आर्टिस्ट
- एनिमेटर
- कार्टूनिस्ट
- ग्राफिक डिजाइनर
- 3डी विज़ुअलाइजर
- फोटोग्राफर
- क्रिएटिव डायरेक्टर
- आर्टिस्ट
- डिजाइन ट्रेनर
- आर्ट हिस्ट्रीयन

आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें, जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

पेंटर के लिए एंट्रेंस एग्ज़ाम

- पेंटर कैसे बनें जानने के साथ-साथ प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है. पेंटर के लिए एडमिशन आमतौर पर दो तरीकों से हो सकता है – मैरिट और प्रवेश परीक्षा के आधार पर. हर यूनिवर्सिटी में प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है.
- **मैरिट के आधार पर**
- कुछ यूनिवर्सिटी में पेंटर के लिए एडमिशन मैरिट पर आधारित होता है. इसमें यूनिवर्सिटी या कॉलेज में योग्यता और कट ऑफ को पूरा करने वाले आवेदकों को प्रोविजनल प्रवेश की पेशकश की जाती है.
- **प्रवेश परीक्षा के आधार पर**
- पेंटर कोर्स में छात्रों को प्रवेश देने के लिए कई कॉलेज और विश्विद्यालयों द्वारा प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती हैं. प्रवेश प्रक्रिया के लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया जाता है, जिसमें इन प्रवेश परीक्षाओं को पास करने के बाद काउंसलिंग राउंड शामिल हैं.

जॉब अलर्ट

1. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग में प्रिंसिपल व वाइस प्रिंसिपल के लिए निकली नियुक्तियां

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने 123 प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के पदों के लिए रक्तियां निकाली है प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल भर्ती 2023 के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसम्बर को शुरू होगी. 9 जनवरी 2024 तक भारा जाएगा. आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड डेविट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और पेय ऑफलाइन थ्रो ई-चालान के माध्यम से जमा कर सकते हैं.

चयन प्रक्रिया – प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल पद हेतु अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा, इंटरव्यू दस्तावेज सत्यापन मेडिकल परीक्षण मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा.

महत्वपूर्ण जानकारी

पद संख्या – 123
नौकरी का स्थान – महाराष्ट्र
आवेदन मोड – ऑनलाइन
फार्म भरने की तिथि- 20 दिसंबर 2023 से 9 जनवरी 2024 तक.
ऑफिसियल साईट – https://mpsc.gov.in/
आयु सीमा – 18 से 40 वर्ष
आवेदन शुल्क – 719 रूपए
पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर के लिए- 449

2. महाराष्ट्र में इंकम टैक्स विभाग में रिक्तियां

इनकम टैक्स मुंबई इंस्पेक्टर सहायक एमटीएस भर्ती 2024 – इनकम टैक्स विभाग मुंबई ने मेधावी खिलाड़ियों से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, स्टेनोग्राफर, टैक्स असिस्टेंट मल्टी-टास्किंग स्टाफ पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं. आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा होगा. incometaxmumbai.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 22 दिसंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरु होगी.

विभाग नाम – इनकम टैक्स मुंबई
पद – टैक्स इंस्पेक्टर, स्टेनोग्राफर, टैक्स असिस्टेंट मल्टी-टास्किंग स्टाफ
संख्या – 291
योग्यता – 10वीं पास
नौकरी का स्थान – मुंबई
आवेदन मोड – ऑनलाइन
आवेदन कि तिथि- 22 दिसम्बर 2023 से 19 जनवरी 2024
ऑफिसियल साईट – https://incometaxmumbai.gov.in

रिक्त पद

इंस्पेक्टर ऑफ़ इनकम टैक्स – 14
स्टेनोग्राफर ग्रेड-II – 18
टैक्स असिस्टेंट – 119
मल्टी-टास्किंग स्टाफ – 137
कैंटीन अटेंडेंट – 3
शैक्षणिक योग्यता –
टैक्स इंस्पेक्टर – मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक डिग्री पास होनी चाहिए.
स्टेनोग्राफर ग्रेड-II –12वीं पास
टैक्स असिस्टेंट – मान्यता प्राप्त संस्था से स्नातक डिग्री उत्तीर्ण.
एमटीएस – मान्यता प्राप्त संस्था 10वीं पास
आयु सीमा 18 से 30 वर्ष
आवेदन शुल्क – 200 रूपये
चयन प्रक्रिया – आवेदकों का चयन लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट, दस्तावेज सत्यापन मेडिकल परीक्षण व मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा.

3. इलाहाबाद यूनिवर्सिटी प्रोफेसर भर्ती

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है. साईट पर जाकर प्रोफेसर पद के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन प्रक्रिया 12 दिसम्बर 2023 को शुरू हुई थी. अप्लाई ऑनलाइन करने का डायरेक्ट लिंक नीचे उपलब्ध है. शैक्षणिक योग्यता के लिए https://allduniv.ac.in साइट पर जा के जानकारी ले.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में शिवा साई पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा, रांची- 83522 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)